- कर्नाटक के राज्यपाल ने तीन वाक्य में खत्म किया अपना संबोधन, सीएम ने की आलोचना - 12

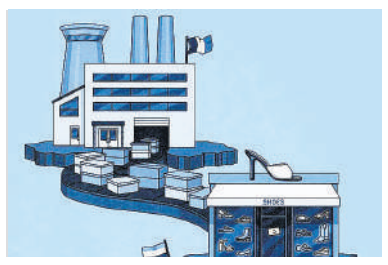

- यूरोपीय संघ ने निर्यात लाभ छूट की स्थगित, 87% भारतीय उत्पाद उच्च आयात शुल्क से होंगे प्रभावित - 12

- भारत ने यूएन में की अफ्रीका एशिया प्रशांत की पैरवी - 13

- फिनिशर की भूमिका में खरे उतरे टीम से अंदर बाहर होने वाले रिंकू सिंह - 14

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

13.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.57

सूर्यास्त 05.44

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष पंचमी 01:46 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 23 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 154, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

ब्रीफ न्यूज

हवाई अड्डे से 38.60 करोड़ की कोकीन जब्त, यात्री गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने ब्राजील के साओ पाउलो से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 38 .60 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि यात्री को हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर रोका गया था। बेंगलुरु सीमा शुल्क ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यात्री के कब्जे से 7 .72 किलोग्राम कोकीन जब्त की, जिसकी कीमत 38 .60 करोड़ रुपये आंकी गई है। सीमा शुल्क ने बताया कि यात्री को एनडीपीएस के तहत गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप 3 के तहत लागू पाबंदियां हटाई गईं

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता में सुधार होने के बाद, दिल्ली-एनसीआर में चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत लागू पाबंदियां गुरुवार को हटा दी गईं। सीएक्यूएम ने एक आदेश में कहा कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 332 दर्ज किया गया, जिसके बाद पाबंदियों में ढील दी जा रही है। आदेश में यह भी कहा गया कि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में एक्यूआई के मध्यम से खराब श्रेणी में रहने की आशंका है।

भाषण के दौरान महिलाओं के उठकर जाने पर भड़के नीतीश

सिवान। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को उस समय आपा खो बैठे, जब उन्होंने अपने भाषण के दौरान महिलाओं के एक समूह को उठकर जाते देखा। उस वक्त वह अपनी सरकार द्वारा महिलाओं के लिए उठाए गए कदमों का विस्तार से जिक्र कर रहे थे। राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री ने सिवान जिले में एक कार्यक्रम में तीखे लहजे में कहा, आप सभी महिलाएं क्यों भाग रही हैं? अगर आप रुककर नहीं सुनेंगी तो आपको कैसे पता चलेगा कि आपके लिए क्या-क्या किया जा रहा है? वह सिवान जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां वह एक सप्ताह पहले शुरू की गई राज्यव्यापी समृद्धि यात्रा के क्रम में पहुंचे थे।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था सितंबर तिमाही में 4.4 प्रतिशत बढ़ी

वाशिंगटन। मजबूत उपभोक्ता खर्च के दम पर अमेरिका की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर तिमाही में दो साल में सबसे तेज 4 .4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने गुरुवार को जुलाई-सितंबर, 2025 तिमाही के जीडीपी आंकड़े पहले के अनुमान से थोड़ा अधिक रहने की जानकारी दी। अप्रैल-जून तिमाही में इसकी वृद्धि दर 3 .8 प्रतिशत रही थी। विभाग ने पहले इसके 4 .3 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में पिछली बार इतनी तेजी जुलाई-सितंबर तिमाही, 2023 में दर्ज की गई थी।

कुशाग्र के तीनों हत्यारों को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अदालत ने तीनों दोषियों पर 2.10 लाख अर्थदंड लगाया

कुशाग्र की मां बोलीं- तीनों को फांसी की सजा होनी चाहिए

अमृत विचार। कुशाग्र कनोडिया हत्याकांड में दो दिन पहले दोषी करार दिए गए तीनों हत्यारों को अदालत ने गुरुवार को उम्रकैद की सजा सुनाई और दो लाख 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। कोर्ट ने कहा है कि तीनों दोषियों को मरते दम तक जेल में रखा जाए। कोर्ट के फैसले पर कुशाग्र की मां सोनिया बोलीं, तीनों को सजा के तौर पर फांसी होनी चाहिए थी।

एडीजे-11 सुभाष सिंह की अदालत ने मंगलवार को कुशाग्र की ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और प्रेमी के दोस्त आर्यन उर्फ शिवा गुप्ता को दोषी करार दिया था। 30 अक्टूबर 2023 को स्कूटी से ट्यूशन जाते समय दसवीं के छात्र कुशाग्र का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी और फिर 30 लाख की फिरौती का पत्र भेजा गया था। अभियोजन पक्ष ने इस सनसनीखेज हत्याकांड के मामले में 14 गवाह अदालत में पेश किए। गुरुवार दोपहर कुशाग्र की हत्यारिन ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और दोस्त आर्यन उर्फ शिवा गुप्ता को कोर्ट लाया गया। सजा सुनाए जाने के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया।

अदालत में फैसला सुनाए जाने के दौरान कुशाग्र की मां सोनिया भी मौजूद थीं। वह बोलीं, बेटे के तीनों हत्यारों को फांसी की सजा होनी चाहिए थी। वहीं, कुशाग्र के चाचा सुमित कनोडिया ने आंसू पोछते हुए कहा कि मेरा बच्चा तो चला गया। कोर्ट में दौड़ते-दौड़ते आंखों के आंसू सूख गए। उनके बच्चे को गए ढाई साल हो गए, जबकि हत्यारे आराम से सांस ले रहे हैं। उन्हें भी फांसी होगी, तभी बेटे की आत्मा को शांति मिलेगी। फांसी की मांग के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

कानपुर। एडीजे-11 सुभाष सिंह की कोर्ट में फैसला आने के बाद तीनों आरोपियों को फांसी देने की मांग को लेकर बिलखती सोनिया।

पुलिस ने वारदात से जुड़ी 112 वस्तुएं बरामद कीं।

कुशाग्र कनोडिया

सीसीटीवी फुटेज बना अहम सबूत

एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि कोर्ट ने तीनों दोषियों को उम्रकैद की सजा के साथ दो लाख 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। पुलिस ने इस मामले में 600 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। अभियोजन की ओर से 14 गवाह पेश किए गए। 240 पेज की जिरह हुई। पुलिस ने वारदात से जुड़ी 112 वस्तुएं बरामद कीं। अदालत में सीसीटीवी फुटेज दिखाए गए, जिसमें प्रभात और कुशाग्र कमरे में जाते दिखे। प्रभात 30 लाख फिरौती का पत्र कुशाग्र के घर में डालते समय कैमरे में दिखा, जो दोष साबित होने का मुख्य आधार बना।

135वीं सुनवाई में तीनों को हुई सजा

अभियोजन की ओर से अधिवक्ता कमलेश पाठक ने बताया कि 9 फरवरी 2024 को फाइल सत्र न्यायालय भेजी गई थी। तीन मई को आरोप तय किए गए। उसकी माह सुनवाई की पहली तारीख पड़ी। सेशन कोर्ट में 711 दिनों में 134 सुनवाई हुईं। गुरुवार को 135वीं सुनवाई में दोषियों को सजा हुई। दो दिन पहले मंगलवार को रचिता को कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद उसे जेल भेजा गया।

जम्मू में सेना का वाहन 200 फीट गहरी खाई में गिरा, 10 जवानों की गई जान

भद्रवाह/जम्मू, एजेंसी। सैनिकों को आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए ले जा रहा सेना का एक बख्तरबंद वाहन गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा, जिससे उसमें सवार 10 जवानों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतर्राज्यीय मार्ग पर लगभग 9,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित खन्नी टॉप पर उस समय हुआ, जब सेना के बुलेटप्रूफ वाहन 'कैस्पर' के चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और यह 200 फुट गहरी खाई में जा गिरा। 'कैस्पर' एक 'माइन-रेजिस्टेंट एंबुश प्रोटेक्टेड (एमआरएपी)' वाहन है, जिसे सैनिकों को उन संवेदनशील इलाकों से सुरक्षित रूप से गुजरने की सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जहां बारूदी सुरंगें बिछाए जाने या आईईडी (संवर्द्धित विस्फोटक उपकरण) लगाए जाने की आशंका अधिक होती है। सेना के जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि खराब मौसम में दुर्गम इलाके से गुजरते समय वाहन सड़क से फिसल गया। हादसे के बाद सेना और पुलिस ने तत्काल संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया, हालांकि तब तक चार सैनिकों की जान जा चुकी थी और 17 अन्य घायल अवस्था में पाए गए। उन्होंने बताया कि बचाव दल को सेना का वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त अवस्था में मिला। अधिकारियों के मुताबिक, बचाव अभियान के दौरान बाद में, चोटों के चलते छह और सैनिकों की मौत हो गई। घायल जवानों में से एक की हालत स्थिर बताई जा रही है और उसे भद्रवाह उप-जिला अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है, जबकि 10 अन्य को विशेष उपचार के लिए हवाई मार्ग से उधमपुर कमान अस्पताल ले जाया गया।

- सैनिकों को आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए ले जा रहा था वाहन, 11 गंभीर

योगी की चेतावनी, बेटियों से खिलवाड़ नहीं करेंगे बर्दाश्त

- मुख्यमंत्री ने कहा- एक योगी संत या संन्यासी के लिए राष्ट्र व सनातन धर्म से बढ़कर कुछ नहीं
- धर्म की आड़ में सनातन को कमजोर करने वाले कालनेमियों से सतर्क रहने की अपील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सोनीपत, हरियाणा में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह एवं आठ मान के भव्य भण्डारा के दौरान लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अमृत विचार: गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी षड्यंत्रों में लिप्त तत्वों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि बेटियों के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी षड्यंत्रों को पूरी शक्ति से रोकने का संकल्प दोहराया। योगी ने धर्म की आड़ में सनातन को कमजोर करने वाले कालनेमियों से सतर्क रहने का आह्वान किया।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को हरियाणा के मुरथल में नाथ संप्रदाय के मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा एवं आठ मान भव्य भंडारा कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक योगी, संत या संन्यासी के लिए राष्ट्र और धर्म ही सर्वस्व होते हैं। धर्म उसकी संपत्ति और राष्ट्र उसका स्वाभिमान है। जो कोई राष्ट्रीय स्वाभिमान को चुनौती देगा, उसके विरुद्ध खड़ा होना हमारा दायित्व है। उन्होंने चेताया कि धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने वाले कई 'कालनेमि' सक्रिय हैं, जिनसे सतर्क रहना आवश्यक है। योगी ने कहा कि डेमोग्राफी बदलने, लव जिहाद के नाम पर बेटियों को बहकाने और अवैध धर्मांतरण की साजिशों को पूरी तरह नियंत्रित किया जाएगा। उन्होंने संयुक्त परिवार व्यवस्था के क्षरण पर चिंता जताते हुए कहा कि यह परंपरा संस्कारों की मजबूत नींव थी, जिसे पुनर्जीवित करने की जरूरत है।

योगी ने युवाओं को नशे से बचाने की अपील करते हुए कहा कि देश के दुश्मन सीधे युद्ध नहीं कर पा रहे, इसलिए नशे के जरिए युवा पीढ़ी को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं।

एक हजार वर्षों तक बजेगा सनातन का डंका

मुख्यमंत्री ने नाथ पंथ को भारत की प्राचीनतम आध्यात्मिक परंपराओं में से एक बताते हुए कहा कि इस परंपरा ने सदैव समाज को जोड़ने और जीवन को सार्थक दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का संकल्प साकार हो रहा है। योगी ने कहा कि प्रयागराज, अयोध्या और काशी में एक दिन में जितने श्रद्धालु आते हैं, उतनी कई देशों की जनसंख्या भी नहीं होती। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले एक हजार वर्षों तक विश्व में भारत और सनातन धर्म का डंका बजेगा।

भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलेगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश ने भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलने का फैसला किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी), उनके क्रिकेटरों व सरकार के खेल सलाहकार के बीच ढाका में गुरुवार को बैठक के बाद यह फैसला सामने आया है। बांग्लादेश यदि नहीं खेलता है तो विश्वकप में स्काटलैंड को खेलने का मौका मिल जाएगा। बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा कि हम श्रीलंका में खेलने की अपनी योजना के साथ आईसीसी के पास जाएंगे। उन्होंने हमें 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन एक वैश्विक संस्था सही में ऐसा नहीं कर सकती।

सिख विरोधी दंगों में सज्जन कुमार बरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय राजधानी के जनकपुरी इलाके में हिंसा भड़काने के मामले में नहीं साबित हुए आरोप

दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद सज्जन कुमार को वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के जनकपुरी इलाके में हिंसा भड़काने से संबंधित मामले में गुरुवार को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि अदालत पीड़ितों और उनके परिवारों द्वारा झेली गई पीड़ा को समझती है लेकिन उसका निर्णय भावनात्मकता से रहित होना चाहिए। न्यायाधीश ने कहा, इस मामले में आरोपी को दोषी ठहराने का फैसला पेश किए गए सबूतों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। दुर्भाग्य से, अभियोजन पक्ष ने जिन गवाहों से जिरह की, उनमें से अधिकतर की गवाही सुनी-सुनाई बातों पर आधारित हैं और/या वे ऐसे गवाह हैं जिन्होंने तीन दशकों तक आरोपी का नाम नहीं लिया।

2015 में दो प्राथमिकी की गईं थीं दर्ज

एक विशेष जांच दल ने दंगों के दौरान जनकपुरी और विकासपुरी इलाकों में हुई हिंसा की शिकायतों के आधार पर फरवरी 2015 में कुमार के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की थीं। पहली प्राथमिकी जनकपुरी में हुई हिंसा के मामले में दर्ज की गई थी, जहां एक नवंबर, 1984 को सोहन सिंह और अवतार सिंह की हत्या कर दी गई थी। दूसरी प्राथमिकी विकासपुरी में दो नवंबर, 1984 को गुरचरण सिंह को जला दिए जाने के मामले में दर्ज की गई थी। फिलहाल जेल में बंद कुमार को पिछले साल फरवरी में एक अधीनस्थ अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

सहकारी ग्राम विकास बैंक चुनाव में भाजपा का लहराया परचम

लखनऊ। उप्र सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के चुनाव में भाजपा ने पूरे प्रदेश में अभूतपूर्व जीत दर्ज की है। प्रदेश के 75 जिलों में स्थित 323 शाखाओं में से 309 शाखाओं पर भाजपा द्वारा अधिकृत प्रत्याशी अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए हैं।

छह स्थानों पर चुनाव स्थगित किया गया है, जबकि आठ स्थानों पर चुनाव होना शेष है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सभी नवनिर्वाचित अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि सहकारिता के क्षेत्र में सुधार, ईमानदारी और विकास की राजनीति की जीत है। उन्होंने विश्वास जताया कि नव-निर्वाचित अध्यक्ष किसानों, ग्रामीण युवाओं व जरूरतमंदों के लिए सशक्त मंच बनाएंगे।

- 323 में से 309 शाखाओं पर भाजपा समर्थित अध्यक्ष निर्वाचित

मुठभेड़ में एक करोड़ के ईनामी अनल दा समेत 15 माओवादी ढेर

चाईबासा (झारखंड)। पश्चिम सिंहभूम जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष नक्सली नेता अनल दा समेत 15 माओवादी मारे गए। अनल पर एक करोड़ का इनाम था। पुलिस ने बताया कि सीआरपीएफ की कोबरा इकाई के लगभग 1,500 जवान सारंडा जंगल के कुमडी में किरीबुरु थाना क्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में उलझे हैं।

पुलिस मुख्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है, हमने माओवादियों के शीर्ष नेता पतिराम माझी उर्फ अनल दा समेत 15 माओवादियों के शव बरामद किए हैं। भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। सुबह छह बजे शुरू हुई मुठभेड़ देर शाम तक जारी थी। गिरिडीह जिले का पिरतांड निवासी अनल दा 1987 से सक्रिय था। पुलिस वर्षों से उसकी तलाश कर रही थी।

- झारखंड के सारंडा में अभियान जारी

ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर दी गई शुल्क की धमकी वापस ली

दावोस, एजेंसी

- अमेरिका के राष्ट्रपति ने की घोषणा, यूरोपीय देशों को राहत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वह ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण के लिए दबाव बनाने के वास्ते आठ यूरोपीय देशों पर शुल्क लगाने की अपनी योजना रद्द कर रहे हैं। ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि वह इस द्वीप पर पूरा अधिकार, और स्वामित्व हासिल करना चाहते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट में कहा कि आर्कटिक सुरक्षा को लेकर नाटो प्रमुख के साथ भविष्य के एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन गई है, जिससे व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव वाले तनाव के कम होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि ग्रीनलैंड को लेकर 'अतिरिक्त बातचीत' भी जारी है, जिसमें गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा कार्यक्रम शामिल है। यह एक बहु-स्तरीय, 175 अरब डॉलर की प्रणाली है जिसके तहत पहली बार अंतरिक्ष में अमेरिकी हथियार तैनात किए जाएंगे। इसके बाद एक साक्षात्कार में ट्रंप कहा कि यह हमेशा के लिए किया गया समझौता है, साथ ही दावा किया अब हमारे पास पहले से भी बेहतर सुरक्षा होगी। राष्ट्रपति पहले भी देशों को शुल्क लगाने की धमकी दे चुके हैं, लेकिन बाद में उससे पीछे हटते रहे हैं। अप्रैल में, दुनिया भर के देशों पर भारी आयात शुल्क लगाने की बात कहने के बाद, बाजारों में तीखी नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली थी, जिसके कारण ट्रंप ने अपना रुख नरम कर लिया था। ट्रंप ने विश्व आर्थिक मंच में अपने संबोधन में ग्रीनलैंड पर जोर दिया और नाटो को झकझोर देने की धमकी दी। नाटो शीत युद्ध के शुरुआती दौर से ही दुनिया के सबसे मजबूत और स्थिर सैन्य गठबंधनों में से एक रहा है।

फैसला | सुप्रीम कोर्ट ने बसंत पंचमी से ठीक एक दिन पहले सुनाया आदेश

बसंत पंचमी पर भोजशाला में एक साथ होगी पूजा और नमाज

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश के धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद स्थल पर बसंत पंचमी के दिन शुक्रवार को सूर्योदय से सूर्यास्त तक हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने, जबकि मुसलमानों को अपराह्न एक बजे से तीन बजे तक नमाज अदा करने की अनुमति दी है।

न्यायालय ने गुरुवार को यह भी निर्देश दिया कि नमाज के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की सूची जिला प्रशासन को दी जाए। हिंदू और मुस्लिम समूहों ने 23 जनवरी शुक्रवार को भोजशाला परिसर में धार्मिक रस्मों के लिए अनुमति मांगी थी। उस दिन बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा भी है।

सीजेआई सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने दोनों पक्षों से परस्पर सम्मान और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य और जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की। पीठ ने कहा, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल और महाधिवक्ता, दोनों ने उचित सुझाव दिया है कि यह जानने के बाद कि शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए मुस्लिम समुदाय से कितने लोगों के आने की संभावना है, परिसर के भीतर एक विशेष और अलग स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि निर्धारित समय पर नमाज अदा की जा सके। कोर्ट ने कहा, इसी प्रकार, पहले की तरह, बसंत पंचमी के अवसर पर पारंपरिक अनुष्ठान के लिए हिंदू समुदाय को एक अलग स्थान उपलब्ध कराया जाए। जिला प्रशासन को उस स्थान पर कानून व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया।

एएसआई द्वारा संरक्षित 11वीं शताब्दी का स्मारक है भोजशाला

हिंदू समुदाय, भोजशाला को वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहता है। यह स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित 11वीं शताब्दी का स्मारक है। एएसआई द्वारा सात अप्रैल 2003 को की गई एक व्यवस्था के तहत, हिंदू समुदाय के सदस्य मंगलवार को भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना करते हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय के सदस्य शुक्रवार को परिसर में नमाज अदा करते हैं। न्यायालय 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा। याचिका में, बसंत पंचमी पर हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने का विशेष अधिकार देने का अनुरोध किया गया था। अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के मार्फत दायर याचिका पर मंगलवार को तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया गया था। जैन ने कहा था कि एएसआई के 2003 के आदेश में शुक्रवार के दिन बसंत पंचमी पड़ने से उत्पन्न होने वाली स्थिति का समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने बसंत पंचमी के अवसर पर पूरे दिन हिंदुओं के लिए विशेष, निर्बाध पूजा-अर्चना की अनुमति देने का अनुरोध किया था।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

तलाक की खबरों को किया खारिज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अपर्णा यादव बोलीं- प्रतीक यादव से रिश्ते बिल्कुल ठीक
- पहचान लिए गए हैं रिश्ते में दरार डालने वाले

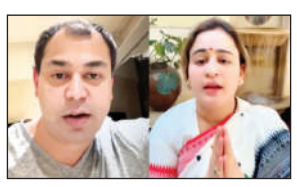

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता अपर्णा यादव ने पति प्रतीक यादव से तलाक की खबरों को गुरुवार को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहें पूरी तरह निराधार हैं और उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने की साजिश का हिस्सा हैं। बोलीं, प्रतीक यादव से रिश्ते बिल्कुल ठीक हैं, रिश्ते में दरार डालने वाले पहचान लिए गए हैं। जल्द ही सार्वजनिक रूप से एक्सपोज होंगे।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने एक टीवी चैनल से बातचीत में स्पष्ट किया कि उनके वैवाहिक जीवन में किसी तरह की दरार नहीं है। उन्होंने कहा कि परिवार और पति के साथ उनका रिश्ता मजबूत है, लेकिन कुछ लोग इसे पचा नहीं पा रहे हैं। मेरे निजी जीवन को राजनीतिक हथियार बनाकर सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अपर्णा यादव ने आरोप लगाया कि उन्होंने ऐसे लोगों की पहचान कर ली है, जो जानबूझकर उनके रिश्तों में दरार डालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन साजिशकर्ताओं को सार्वजनिक रूप से बेनकाब किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि वह किसी भी दबाव से डरने वाली नहीं हैं और हर चुनौती का मजबूती से सामना करेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी राजनीतिक सक्रियता और हालिया मामलों में पीड़ित महिलाओं के पक्ष में मुखर भूमिका कुछ लोगों को रास नहीं आ रही है। निजी रिश्तों को लेकर फैलाई जा रही अफवाहें उसी का परिणाम हैं।

कर्तव्य पथ पर परेड में नजर आएगी बुंदेलखंड की शान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी की झांकी में दिखेगी विरासत और विकास की एकजुट तस्वीर
- कालिंजर दुर्ग से ब्रह्मोस तक परंपरा व प्रगति का अद्भुत संगम

गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में निकलने वाली परेड में यूपी के बुंदेलखंड की सांस्कृतिक विरासत की झांकी का मॉडल।

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय परेड में उत्तर प्रदेश की झांकी इस वर्ष भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तैयार यह झांकी बुंदेलखंड की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक उत्तर प्रदेश की तेज विकास यात्रा को एक साथ प्रस्तुत करेगी। झांकी के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि प्रदेश अपनी परंपराओं को सहेजते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

झांकी के अग्रभाग में बुंदेलखंड के ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग की प्राचीन गरिमा को दर्शाया गया है। यहां स्थापित एकमुख लिंग बुंदेलखंड की आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक आस्था का प्रतीक होगा। मध्य भाग में क्षेत्र की समृद्ध हस्तशिल्प परंपराओं मृद्भांड कला, मनका शिल्प और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है, जिन्हें 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के तहत बढ़ावा दिया जा रहा है। यह हिस्सा पारंपरिक कारीगरों की आत्मनिर्भरता और स्थानीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को रेखांकित करता है।

झांकी के पिछले हिस्से में कालिंजर दुर्ग के नक्काशीदार स्तंभों और द्वारों के साथ नीलकंठ महादेव मंदिर की भव्य झलक दिखाई देगी, जो बुंदेलखंड को एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में प्रस्तुत करती है। इसी क्रम में बुंदेली कलाकार पारंपरिक लोकनृत्य के माध्यम से क्षेत्र के लोकजीवन और सांस्कृतिक रंगों को जीवंत बनाएंगे।

झांकी का अंतिम भाग आधुनिक उत्तर प्रदेश की तस्वीर पेश करता है। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल, एक्सप्रेसवे नेटवर्क, औद्योगिक विकास और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाया गया है।

न्यूज ब्रीफ

हेलमेट न पहनने पर 49,500 चालान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पहली से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग द्वारा सघन जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने गुरुवार को बताया कि 1 से 21 जनवरी तक की गई कार्रवाई में हेलमेट न पहनने के 49,500, सीट बेल्ट के 11,740, ओवर स्पीडिंग के 15,180, मोबाइल फोन के प्रयोग के 4,164, ड्रंक एंड ड्राइव के 304 तथा रांग साइड ड्राइविंग के 5,546 चालान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आगरा जोन में सर्वाधिक हेलमेट और कानपुर जोन में सर्वाधिक सीट बेल्ट चालान दर्ज हुए। 18,379 स्कूली वाहनों की जांच में 996 के चालान किए गए तथा 75 वाहनों की फिटनेस निरस्त की गई। अवैध पार्किंग के 2,617 चालान किए गए।

नवोदित प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी दिवस के अवसर पर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और नवोदित प्रतिभाओं को नया मंच मिलने जा रहा है। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता "हमारी संस्कृति–हमारी पहचान" (संस्कृति उत्सव 2025–26) के तहत चयनित कलाकार 24 से 26 जनवरी तक राजधानी स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल में अपनी प्रस्तुतियां देंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि यह बहुस्तरीय प्रतियोगिता गांव से लेकर मंडल स्तर तक आयोजित की गई, जिससे प्रदेश के कोने-कोने से प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिला। इसमें प्रदेश के सभी 18 मंडलों से आए प्रतिभागियों ने सहभागिता की। चयनित विजयी प्रतिभागियों को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

पैथालॉजी लैब व फिजियोथेरेपी यूनिट का उद्घाटन

अमृत विचार, लखनऊ : बीमित श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव, डॉ. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम ने कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, सरोजनी नगर में नव स्थापित पैथालॉजी लैब एवं फिजियोथेरेपी यूनिट का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने औषधालय का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान गुरुवार को पाई गई कमियों पर तत्काल सुधार के निर्देश देते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

अनावश्यक नियम हटें, भरोसे पर आधारित प्रशासन बने : मुख्यमंत्री

कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-II की समीक्षा, कहा- सुधार कागज पर नहीं, जमीन पर दिखें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कम्प्लायंस रिडक्शन और डी–रेगुलेशन फेज–II के तहत चल रहे सुधारों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते मुख्यमंत्री योगी।

- योगी बोले- डी रेगुलेशन का मतलब नियंत्रण खत्म करना नहीं, बल्कि नियमों को सरल और पारदर्शी बनाना

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रदेश में कम्प्लायंस रिडक्शन और डी-रेगुलेशन फेज-II के तहत चल रहे सुधारों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन का उद्देश्य आम नागरिकों और उद्यमियों को अनावश्यक प्रक्रियाओं, अनुमतियों और निरीक्षणों से राहत देकर भरोसे पर आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध प्रशासन उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि सुधारों का असर फाइलों में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखना चाहिए और नागरिकों को यह अनुभव होना चाहिए कि व्यवस्था उनके लिए आसान हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कम्प्लायंस रिफॉर्म्स के फेज-I में उत्तर प्रदेश ने देशभर में एक मजबूत पहचान बनाई है और अब फेज-II के माध्यम से इन सुधारों को स्थायी और संस्थागत रूप दिया जाना है। यह चरण केवल नियमों में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली और सोच में परिवर्तन का माध्यम है। उन्होंने दोहराया कि डी-रेगुलेशन का अर्थ नियंत्रण समाप्त करना नहीं, बल्कि अनावश्यक नियंत्रण हटाकर जरूरी नियमों को सरल, स्पष्ट और पारदर्शी बनाना है। सरकार का संकल्प उत्तर प्रदेश को ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस दोनों में अग्रणी राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी-अपनी प्रक्रियाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाएं, स्पष्ट समयसीमा तय करें और ऑनलाइन व ऑटो-अप्रूवल सिस्टम को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि निरीक्षणों की संख्या घटाई जाए, पुराने व अप्रासंगिक नियम हटाए जाएं और हर सुधार की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो।

बैठक में अवगत कराया गया कि कैबिनेट सचिवालय द्वारा जनवरी 2026 में जारी रैंकिंग में उत्तर प्रदेश को कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-I में 'बेस्ट स्टेट' घोषित किया गया है। फेज-II के तहत 9 थीम, 23 प्रायोरिटी एरिया और 5 ऑप्शनल प्रायोरिटी एरिया चिन्हित किए गए हैं, जिन पर चरणबद्ध तरीके से सुधार लागू किए जा रहे हैं। भूमि उपयोग सुधारों पर चर्चा करते हुए बताया गया कि किसानों और भू-स्वामियों को अनावश्यक परेशानियों से बचाने के लिए चेंज इन लैंड यूज जैसी जटिल अनुमतियों को समाप्त या सरल किया जा रहा है। नियोजित क्षेत्रों में मास्टर प्लान के अनुरूप मामलों में अलग अनुमति की जरूरत खत्म करने और अनियोजित क्षेत्रों में भूमि रूपांतरण प्रक्रिया को सरल बनाने पर विशेष फोकस है। बैठक में भूमि उपयोग, भवन निर्माण, यूटिलिटीज, ऊर्जा, पर्यावरण, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े सुधारों की प्रगति की समीक्षा की गई।

कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-II : एक नजर में

लक्ष्य : भरोसे पर आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध प्रशासन
फोकस क्षेत्र : 9 थीम, 23 प्रायोरिटी एरिया, 5 ऑप्शनल एरिया
भूमि उपयोग : चेंज इन लैंड यूज जैसी जटिल अनुमतियों का सरलीकरण/समापन
निर्माण सेक्टर : रिस्क-बेस्ड सिस्टम, सेल्फ-सर्टिफिकेशन, डीम्ड अप्रूवल
यूटिलिटीज व ऊर्जा : एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन व ऑटो-अप्रूवल
पर्यावरण : कम जोखिम गतिविधियों के लिए ट्रस्ट-बेस्ड अप्रोच
नागरिक लाभ : घर निर्माण, बिजली-पानी कनेक्शन और सेवाएं होंगी आसान
निर्देश : सभी विभाग तय समयसीमा में सुधार लागू करें, नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें

माघ मेला: बसंत पंचमी पर 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान का अनुमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

- भीड़ प्रबंधन और रूट डायवर्जन की नई व्यवस्था, प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

अमृत विचार: गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर आयोजित माघ मेले के चौथे स्नान पर्व बसंत पंचमी को सकुशल संपन्न कराने के लिए मेला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। बसंत पंचमी, अचला सप्तमी और सप्ताहांत के संयोग को देखते हुए प्रशासन ने अनुमान लगाया है कि इन तीन दिनों में करीब 3.5 करोड़ श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्राउड मैनेजमेंट और रूट डायवर्जन की विशेष व्यवस्था लागू की गई है।

माघ मेला अधिकारी ऋषिराज ने बताया कि श्रद्धालुओं के स्नान के लिए 3.5 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में 24 घाट तैयार किए गए हैं। घाटों की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं।

श्रद्धालुओं की सुचारु आवाजाही के लिए पांटून पुलों पर ऑड-इवेन व्यवस्था लागू की गई है। परेड से झूंसी जाने के लिए पांटून पुल संख्या 3, 5 और 7 तथा झूंसी से परेड आने के लिए पुल संख्या 4 और 6 का उपयोग होगा। आपात स्थिति के लिए पांटून पुल संख्या 1 और 2 आरक्षित रहेंगे।मेला पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय ने बताया कि यातायात सुगम रखने के लिए बसंत पंचमी के दिन नया यमुना पुल बंद रहेगा, जबकि आवागमन पुराने पुल से किया जाएगा। भारी और हल्के वाहनों के लिए रूट डायवर्जन लागू रहेगा।

25 को मनाया जाएगा राष्ट्रीय मतदाता दिवस

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 25 जनवरी को 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम "माई इंडिया, माई वोट" निर्धारित की गई है। इस अवसर पर प्रदेशभर के स्कूलों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में मतदाता जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने गुरुवार को बताया कि विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में वाद-विवाद, परिचर्चा, निबंध लेखन, चित्रकला, गीत, नाटक (स्किट) जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

निर्वाचन प्रक्रिया में कानून की सख्ती जरूरी : रिणवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन सम्मेलन (आईआईसीडीईएम) सम्मेलन में उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शांतिपूर्ण और विश्वसनीय निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मजबूत संस्थागत ढांचे, अंतर-एजेंसी समन्वय तथा तकनीक आधारित उपायों की भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता विश्वास बनाए रखने के लिए कानून व्यवस्था का प्रभावी प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित आईआईसीडीईएम-2026 के तीन दिवसीय सम्मेलन में दूसरे दिन संबोधित कर रहे थे। इस सत्र में प्रदेश के विशेषज्ञ प्रो. संजय गुप्ता, अविनाश सिंह बिसेन और शत्रुघन कर (एनएलएमटी) ने भी सहभागिता की। सम्मेलन में 27 देशों के राजदूत एवं उच्चायुक्तों सहित 42 निर्वाचन प्रबंधन निकायों, 70 से अधिक राष्ट्रीय संस्थाओं के विशेषज्ञ और देशभर से 36 मुख्य निर्वाचन अधिकारी भाग ले रहे हैं।

'छोटे लोहिया' के नाम से प्रसिद्ध स्व. जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर लखनऊ स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में स्थापित आदमकद प्रतिमा पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया, साथ में पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल व अन्य।

ओडिशा में गूंजा योगी सरकार का डिजिटल नवाचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भुवनेश्वर में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' में यूपी की टीम हुई सम्मानित।

- भुवनेश्वर के 'चिंतन शिविर' में आयुष्मान योजना के यूपी मॉडल की हुई सराहना
- आयुष्मान सारथी ऐप, आयुष एआई चैटबॉट और 'आयुषमैन' कॉमिक्स बने चर्चा का केंद्र

अमृत विचार: आयुष्मान भारत योजना के तहत डिजिटल नवाचार और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की पहल को देशभर में सराहना मिल रही है। इसका ताजा उदाहरण ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' में देखने को मिला, जहां योगी सरकार के डिजिटल प्रयासों की खुले मंच से प्रशंसा की गई।

आयुष्मान भारत योजना पर केंद्रित इस चिंतन शिविर का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत, ओडिशा सरकार के सहयोग से किया गया। शिविर का उद्देश्य आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की प्रगति की समीक्षा तथा राज्यों के बीच श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करना रहा। शिविर में स्टेट हेल्थ एजेंसी की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश को डिजिटल नवाचारों के प्रभावी उपयोग के लिए विशेष रूप से सराहा गया। लाभार्थियों को सही जानकारी, अस्पतालों तक आसान पहुंच और सेवाओं के सरल उपयोग के लिए प्रदेश में कई डिजिटल व सूचना-शिक्षा-संचार (आईईसी) पहलें शुरू की गईं, जिनका सीधा लाभ आम लोगों को मिला है।

एसीईओ पूजा यादव ने बताया कि 'आयुष्मान सारथी' मोबाइल ऐप लाभार्थियों को सूचीबद्ध अस्पताल खोजने और जानकारी प्राप्त करने में मदद कर रहा है। वहीं, 'आयुष एआई चैटबॉट' अब तक 15 हजार से अधिक प्रश्नों के उत्तर देकर हेल्पडेस्क पर निर्भरता कम कर चुका है। इसके साथ ही 'आयुष्मान संपर्क' प्लेटफॉर्म के माध्यम से ओपीडी अपॉइंटमेंट बुकिंग की सुविधा शुरू की गई।

निरीक्षण | मेरठ में मुख्यमंत्री योगी का दौरा, सभी कार्य तय समय-सीमा में पूरा करने के दिए निर्देश

विश्वस्तरीय खेल विश्वविद्यालय बनाना सरकार का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खेल विश्वविद्यालय में 12 खेलों में डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम चलेंगे

निर्माणाधीन खेल विश्वविद्यालय का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मेरठ के सरधना क्षेत्र में निर्माणाधीन मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य इस संस्थान को विश्वस्तरीय खेल विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समयसीमा में पूर्ण किए जाएं।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण, समीक्षा बैठक और विश्वविद्यालय के अभिवादन वाक्य 'जय हिंद' और प्रतीक चिन्ह का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता वाली फैकल्टी की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए और पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को कोच के रूप में जोड़ा जाए, ताकि प्रशिक्षण में अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान का समुचित समावेश हो सके। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में बताया कि खेल विश्वविद्यालय में 12 खेलों में डिप्लोमा, स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इनमें छह पारंपरिक खेल भी शामिल होंगे। इसके साथ ही खेल विज्ञान, कोचिंग, खेल प्रबंधन और शोध से जुड़े पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे।

100 एकड़ में आकार ले रहा खेल परिसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पहले चरण में 90 एकड़ भूमि पर निर्माण शुरू किया गया था, जिसे बढ़ाकर कुल 100 एकड़ किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। पहले चरण में 250 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण कार्य जारी है, जिसे मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। दूसरे चरण में 200 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं।

पशुपालन विभाग की सीधी भर्तियों में आरक्षण स्थिति की तलब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग में 17 शिकायतों पर जनसुनवाई

अमृत विचार : उप्र. पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने वर्ष 1994 के बाद पशु चिकित्साधिकारी के 404 पदों पर की गई सीधी भर्तियों में आरक्षण की स्थिति एवं रोस्टर रजिस्टर का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी 2026 को होगी।

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष गुरुवार को इन्दिरा भवन स्थित आयोग कार्यालय में विभिन्न जिलों से प्राप्त 17 शिकायतों एवं पत्रावलियों पर जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। सुनवाई में जगन्नाथ प्रसाद गंगवार को भूखंड न दिए जाने के प्रकरण में उपाध्यक्ष, बरेली विकास प्राधिकरण को बुलाया गया था, लेकिन किसी सक्षम अधिकारी के उपस्थित न होने पर सुनवाई नहीं हो सकी। अध्यक्ष ने इस पर अप्रसन्नता व्यक्त की। सोनू कश्यप हत्याकांड से जुड़े प्रकरण में आयोग सदस्य रमेश कश्यप गौड़ द्वारा मामला प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मेरठ के प्रतिनिधि ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है तथा एसआईटी का गठन कर जांच शुरू कर दी गई है।

नीलम, प्रधानाध्यापिका (कानपुर देहात) के प्रकरण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति के कारण निस्तारण नहीं हो सका। वहीं विनोद कुमार के प्रकरण में लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता उपस्थित रहे और पिछड़े वर्ग के कार्मिक की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

न्यूज ब्रीफ

गुंडा एक्ट में 15 दिन के लिए किया जिलाबदर

कानपुर देहात। गुरुवार को रूरा थाना क्षेत्र अहिरन गढ़ेवा के शिवम यादव पुत्र श्याम सिंह निवासी ग्राम अहिरन गढेवा थाना रूरा को अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) ने असामाजिक क्रिया-कलापों में लिप्त होने का दोषी पाए जाने के तहत 15 दिन के लिए जिला बदर किया है।

रोजगार मेले में 271 अभ्यर्थियों का चयन

कानपुर देहात। मिशन रोजगार अभियान के अंर्तगत जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा कुंज बिहारी लाल महाविद्यालय डुबकी हसनपुर में गुरुवार को एक दिवसीय रोजगार मेले एवं कॅरियर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। काउंसलर रामजी द्वारा निजी क्षेत्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की आधा दर्जन कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मेले में लगभग 320 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। इसमें 271 अभ्यर्थियों का प्राइवेट कंपनियों द्वारा प्रारंभिक चयन किया गया। रोजगार मेले को सफल बनाने हेतु कुंज बिहारी लाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिव प्रताप एवं सेवायोजन कार्यालय के तेज प्रताप सत्यार्थी, अनुज यादव, पुनीत का सहयोग रहा।

शिवली में आज होगा हिंदू सम्मेलन

शिवली। शुक्रवार को शिवली में हिंदू सम्मेलन होगा। गुरुवार को कस्बा शिवली में सह जिला बौद्धिक प्रमुख अमरनाथ, रामनारायण, खंड संघ चालक अनिल कुमार, मनीष सैनी, खंड कार्यवाह अनुराग बाजपेई ने तैयारी को अंतिम रूप दिया। कार्यक्रम अध्यक्ष ने बताया कि शुक्रवार को मुख्य वक्ता प्रांत के सह शारीरिक प्रमुख सर्वेश व पनकी मंदिर के महंत कृष्णदास महाराज हिंदू सम्मेलन में मौजूद रहेंगे।

नाबालिग को बहलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

रसूलाबाद। एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि गत 20 जनवरी शाम 4 बजे उसकी 16 वर्षीय पुत्री को पट्टी हसेरन थाना इंदरगढ़ कन्नौज निवासी मोहित कुमार बहला फुसला कर भगा ले गया। काफी खोजने के बाद जब उसका पता नहीं चला। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि संबंधित मामले में आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

महिला ने निगला जहरीला पदार्थ, भर्ती

रसूलाबाद। बहादुरपुर गांव निवासी एक महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज के बाद डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया है। गुरुवई बहादुरपुर निवासी रोहित की पत्नी राधा 21वर्ष ने घरेलू कलह से दुखी होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां ईएमओ डॉक्टर नरेश चंद्रा ने इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बाइक फिसलने से घायल हुआ युवक

रसूलाबाद। अनियंत्रित बाइक फिसलने से बाइक सवार घायल हो गया, सूचना पर पुलिस सीएचसी ले गई वहां इलाज किया गया। लल्लूपुरवा थाना शिवली निवासी अर्पित 20 पुत्र सुनील बाइक से जा रहा था। इसी दौरान संजय नगर कहिंजरी के पास बाइक अनियंत्रित होकर गिर जाने के कारण घायल हो गया। सूचना पर पुलिस इलाज के लिए सीएचसी ले गई वहां ईएमओ डॉक्टर नरेश चंद्रा ने भर्ती कर इलाज किया।

दो गो संरक्षण केंद्रों का लोकार्पण, सवा तीन करोड़ आई लागत

कानपुर देहात। गुरुवार को जिले में दो नवनिर्मित वृहद गो-संरक्षण केंद्रों का पशुधन मंत्री ने वर्चुअल लोकार्पण किया। इन गो संरक्षण केंद्रों में 800 बेसहारा गोवंश संरक्षित किए जा सकेंगे। माना जा रहा कि इससे क्षेत्र के किसानों को आवारा गोवंशों से राहत मिलेगी। सीवीओ डॉ. सुबोध कुमार ने बताया कि मैथा ब्लॉक के ग्राम अन्ने में वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में स्वीकृत दो वृहद गो-संरक्षण केंद्रों का निर्माण कराया गया है। इनका वर्चुअल लाकार्पण पशुधन मंत्री धरमपाल सिंह द्वारा किया गया। तीन करोड़ 20 लाख की लागत से तैयार गो-संरक्षण केंद्र 400-400 की क्षमता के अनुसार कुल 800 गोवंश संरक्षित किए जा सकेंगे। सीवीओ ने बताया कि क्षेत्र की सडकों, राजमार्गों एवं खेतों में विचरण कर रहे शेष आवारा गोवंशों को अभियान चलाकर गो-संरक्षण केंद्र में संरक्षित किया जाएगा।

श्रीराम करोड़ों देशवासियों व जन-जन की आस्था के प्रतीक

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः असंख्य भक्तों की प्रबल आस्था के प्रतीक प्रभु श्रीराम के मंदिर की दूसरी वर्षगांठ भव्य रूप से मनाई गइर्। जगह-जगह मंदिरों में पूजा-अर्चना हुई। भजन और कीर्तन के कार्यक्रम हुए। शोभा यात्राएं निकलीं। प्रसादी का वितरण और भंडारे के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

मां कालिका देवी मंदिर में भक्ति संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत करते गायक। स्टेट बैंक रोड पर बालाजी का पूजन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

अकबरपुर में रूरा रोड पर स्थित मां कालिका देवी मंदिर में सुबह से ही पूजन-पाठ प्रारंभ हो गया था। मंदिर परिसर में स्थित भगवान श्रीराम और उनके दरबार की भव्य सजावट की गई। आयकर और जीएसटी के वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार सक्सेना और उनके परिवार ने विधि-विधान के साथ भगवान की पूजा अर्चना की। यहां समाजसेवी सर्वेश कुमार कौशल, सभासद जहान सिंह यादव सहित अमित कुमार कौशल, भोलू सैनी, अमल कुमार अग्रवाल आदि ने भंडारे का आयोजन किया। भक्तों को पूरी-सब्जी और बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया। कुंभी गांव से आए कोमल यादव और उनकी मंडली ने भक्ति संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसी तरह, स्टेट बैंक रोड पर अंकित गुप्ता और उनके भाइयों ने अपने पिता की स्मृति में गर्मा-गर्म तहरी के वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया। इसका शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष दीपाली सिंह के प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह गुड्डन ने किया। उन्होंने बाला जी महाराज और खाटू श्याम जी की पूजा भी की। इस अवसर पर मलखान सिंह चौहान, पं दिनकर त्रिपाठी, अनुभव अग्रवाल, आलोक गुप्ता, राम जी मिश्रा, श्यामू गुप्ता, सूर्य कांत त्रिपाठी, कुंवर सिंह चंदेल, गोरे त्रिपाठी, कन्हैया गुप्ता अमन गुप्ता, अंकित गुप्ता, ऋषि पुरवार, विकाश गुप्ता, ऋषि गुप्ता, मन्नी लाल गुप्ता, सन्नी गुप्ता, निखिल साहू, सचिन गुप्ता रहे। दूसरी तरफ, बिगाही, निबौली और नरिहा गांव में भी शोभा यात्राएं निकलीं।

रामलला प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर खिचड़ी भोज

भजन प्रस्तुत करते गायक। अमृत विचार

शिवली। मैथा तहसील क्षेत्र के ककरमऊ गांव स्थित संकट मोचन मंदिर के पास चंदेल फ्यूल्स परिसर में गुरुवार को रामलला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के मौके पर भजन कीर्तन के साथ खिचड़ी भोज का आयोजन समाजसेवी पिन्टू सिंह चन्देल द्वारा किया गया। बताते चलें पिछले दो वर्ष पहले अयोध्या धाम में रामलला भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को सम्पन्न हुई थी। आयोजक पिंटू सिंह चंदेल ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होता है। इस मौके पर नीलू सिंह चन्देल, अंशू सिंह, बेदी सिंह, एडवोकेट विक्रम सिंह, ब्रज बिहारी द्विवेदी, बबलू ठाकुर, दीपू अवस्थी, राजेन्द्र तिवारी, पूतू कश्यप, डेविड छोटू तिवारी आदि मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर में हुआ पूजन-अर्चन

रसूलाबाद : तिश्ती बस स्टॉप स्थित हनुमान मंदिर परिसर में विधि विधान से पूजन अर्चन के साथ श्रद्धालु भक्तों ने भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ धूमधाम से मनाई और भंडारे का आयोजन किया। जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर पवन गुप्ता, अमन गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, राम आसरे त्रिवेदी, अमन गुप्ता, मुन्ना सिंह, नेपाली त्रिवेदी, नमन शुक्ल, महेंद्र गुप्ता, अनुज तिवारी, बबली तिवारी, मनोज सविता मोहित पाल रहे।

बच्ची की हत्या के दोषी पिता व सौतली मां को उम्रकैद

बच्ची को पीटकर लकड़ियों में दबा दिया था, दो साल पुरानी घटना

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः अरौल क्षेत्र के गजना गांव की रहने वाली दस वर्षीय मासूम की हत्या के मामले में एडीजे छह दुर्गेश पांडेय की अदालत ने अभियुक्त पिता व उसकी सौतेली मां को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उन पर 70 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

सहायक शासकीय अधिवक्ता विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अरौल के गजना गांव के अनीस मोहम्मद की मासूम पुत्री रेहाना की 3 फरवरी 2024 को पिटाई के बाद लकड़ियों में दबा दिया गया था। गांव वालों की सूचना पर नौरंगपुर गुरसहाय गंज कन्नौज से आए रेहाना के मामा अनीष आलम की सूचना पर पुलिस ने बच्ची को बरामद कर उसे अस्पताल ले गई जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

इसके बाद अनीष आलम ने बहनोई मोहम्मद अनीश उर्फ लालू व उसकी दूसरी पत्नी फरजाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले में विवेचना करने के बाद दोनों को गिरफ्तार करने के बाद दोनों के खिलाफ आरोप पत्र अदालत में भेजा गया। इसकी सुनवाई करते हुए अदालत ने बच्ची के पिता व सौतली मां को दोष सिद्ध होने पर उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आर्थिक दंड भी लगाया गया है।

3 फरवरी 2024 का है मामला

घटना 3 फरवरी 2024 की है, जब ग्राम गजना निवासी अनीश मुहम्मद उर्फ लालू और उसकी पत्नी फरजाना खातून ने अपनी ही 10 वर्षीय बेटी रिहाना को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया था। साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से उन्होंने मासूम के शव को लकड़ी के ढ़ेर में छिपा दिया था। इस संबंध में थाना अरौल में धारा 302/201 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

70 हजार रुपये का लगाया गया अर्थ दंड

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर 25 को दिलाई जाएगी शपथ

कानपुर देहात। एडीएम अमित कुमार ने बताया कि 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाएगा। जनपद स्तरीय कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में होगा। सुबह 11 बजे मतदाता जागरूकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने हेतु उपस्थित लोगों को मतदाता शपथ दिलाई जाएगी। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों एवं इंटर कॉलेजों से लगभग 100 छात्र-छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। इस अवसर पर नव पंजीकृत मतदाताओं को जिलाधिकारी कपिल सिंह द्वारा पहचान पत्र प्रदान किए जाएंगे। साथ ही थर्ड जेंडर मतदाताओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को जनपद स्तर पर पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वह निर्धारित समय पर कलेक्ट्रेट सभागार में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करें।

अतिक्रमण पर गरजा बुलडोजर

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः नगर पंचायत शिवली के निराला नगर और आजाद नगर की सीमा के सार्वजनिक भूमि पर कस्बे के एक व्यक्ति ने कब्जा कर लिया। इस भूमि पर पीपल वृक्ष व अंतिम क्रिया स्थल था। संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत होने पर उपजिलाधिकारी राज कुमार पांडेय ने जांच के बाद मामला सही पाया। उनके निर्देश पर नायब तहसीलदार व अधिशासी अधिकारी ने राजस्व टीम व कोतवाली पुलिस के साथ मौके पर पहुंच कर अतिक्रमण ध्वस्त कराया।

नगर पंचायत शिवली के मोहल्ला निराला नगर व आजाद नगर सीमा में सार्वजनिक जमीन पर एक पीपल वृक्ष खड़ा था। साथ ही अंतिम क्रिया स्थल है। यहां पर शव का अंतिम संस्कार होने के बाद नौबार आदि क्रिया कर्म होते हैं। इस जगह पर एक व्यक्ति ने कब्जा कर वहां पर निर्माण करा लिया। सार्वजनिक स्थल की जमीन को अतिक्रमण करियों से मुक्त कराने के लिए 6 दिसंबर को मैथा तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर शिकायती पत्र देकर सार्वजनिक स्थल पर निर्माण कर कारखाना लगाकर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए उपरोक्त सार्वजनिक जमीन कब्जा मुक्त कराने की गुहार लगाई गई।

मामले की गंभीरता को भांपते हुए एसडीएम राज कुमार पांडेय ने अधिशासी अधिकारी शिवली मनीष कुमार को निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। इसके बाद अधिशासी अधिकारी ने टीम गठित कर शिकायत की जांच करवाई। जिसके बाद शिकायत सही निकली। तब अधिशासी अधिकारी मनीष कुमार ने जांच रिपोर्ट उपजिलाधिकारी को सौंप कर अतिक्रमणकारी को तीन बार नोटिस जारी कर कब्जा हटाने की चेतावनी दी थी। बावजूद इसके, कब्जा नहीं हटाया गया। तब उपजिलाधिकारी राज कुमार पांडेय के निर्देश पर गठित टीम नायब तहसीलदार अनिरुद्ध सिंह, अधिशासी अधिकारी मनीष कुमार, कोतवाली प्रभारी प्रवीण यादव ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच कर बुलडोजर से अतिक्रमण को ध्वस्त कर सार्वजनिक स्थल कब्जा मुक्त कराया।

एसडीएम के निर्देश पर अतिक्रमण हटाता बुलडोजर। अमृत विचार

ब्लैक आउट के मॉक ड्रिल का दिया गया प्रशिक्षण

कानपुर देहात। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शुक्रवार को शाम छह बजे ब्लैक आउट की मॉक ड्रिल होगी। इसको सफल बनाए जाने हेतु आज दूसरे दिन अकबरपुर महाविद्यालय, अकबरपुर में नागरिक सुरक्षा कोर के स्वयंसेवकों, एनसीसी, पीआरडी, एनएसएस तथा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण लखन कुमार शुक्ला (मुख्य प्रशिक्षक, आपदा प्रबंधन) एवं अश्वनी वर्मा (आपदा विशेषज्ञ) द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि ब्लैक आउट ऐसी स्थिति में किया जाता है जब किसी क्षेत्र में हवाई हमले की आशंका हो। ऐसे समय में नागरिकों को सरकारी सायरन, अलार्म, रेडियो अथवा टीवी के माध्यम से जारी निर्देशों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। प्रशिक्षण में अवगत कराया गया कि सायरन बजने पर घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि तुरंत सुरक्षित स्थान जैसे बंकर, तहखाना या घर का सबसे मजबूत कमराकृबाथरूम अथवा सीढ़ियों के नीचेकृमें शरण लेनी चाहिए। खिड़कियों एवं शीशों से दूर रहें तथा खिड़की-दरवाजे बंद रखें। यदि संभव हो तो खिड़कियों पर टेप लगाकर कांच से होने वाली क्षति को कम किया जाए।

कैंप में दिव्यांगों के लिए की नि:शुल्क भोजन व्यवस्था

कानपुर देहात। मुख्य चिकित्साधिकारी के कार्यालय में गुरुवार को आयोजित दिव्यांग कैंप में आए हुए दिव्यांगजनों के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने नि:शुल्क भोजन की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके सिंह के दिशा निर्देशन में सीएमओ और अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एस एल वर्मा ने पौष्टिक सूजी का हलवा वितरित करके उपरोक्त पुनीत कार्य का शुभारंभ किया। आयोजन में रत्नेश बाजपेई और विजय मिश्रा ने विशेष सहयोग प्रदान किया। लाल जी, विशाल कुशवाहा, ब्रजेश पांडे, अशोक कुशवाहा, शिवम् यादव, राजेश कश्यप उपस्थित रहे।

चौथे दिन भी जारी रही व्यापार मंडल की मुहिम, कराए हस्ताक्षर

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः व्यापारियों और आम जनहित में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल का हस्ताक्षर महाअभियान चौथे दिन भी जारी रहा। गुरूवार को रूरा कस्बे की मुख्य बाजार, मेन रोड, मिश्रा मार्केट आदि जगह व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने दुकान दुकान जा कर व्यापारियों से दस्तखत कराए।

जिलाध्यक्ष ने बताया कि विभिन्न मुद्दों जैसे, रूरा रेलवे-स्टेशन को जिला मुख्यालय स्टेशन घोषित करवाए जाने, अकबरपुर के जिला अस्पताल में हृदय रोग संबन्धी विभाग बनाए जाने, रूरा कस्बे एवं परिक्षेत्र की बड़ी आबादी के अनुसार रूरा अस्पताल की सुविधाएं उच्चस्तरीय करवाए जाने के साथ अतिशीघ्र अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध कराए जाने आदि को लेकर व्यापार मंडल बीते तीन दिनों से हस्ताक्षर अभियान चला रहा है। बाजारों में व्यापार मंडल को व्यापारी और दुकानदारों का खूब समर्थन मिल रहा। व्यापारियों ने कहा कि वह हर समय व्यापार मंडल के साथ हैं। जहां जरूरत पड़ेगी, वह कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े होंगे। जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता मोनू ने अपने पदाधिकारियों के साथ सभी का आभा जताया। हस्ताक्षर अभियान मे प्रमुख रूप से प्रकाश नारायण वर्मा जिला उपाध्यक्ष, अशोक मिश्रा महामंत्री सर्राफा कार्यकारिणी, सरदार कुलदीप सिंह वरिष्ठ सदस्य सुभाष कौशल उपाध्यक्ष सर्राफा कमेटी, अमित सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

मेन बाजार में दुकानदारों से हस्ताक्षर कराते व्यापार मंडल के पदाधिकारी। अमृत विचार

- रूरा को जिला स्तरीय रेलवे स्टेशन बनाने की मांग

आखिरी दिन चिह्नित ढाई दर्जन घरों से लिए गए रक्त के नमूने

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी के आदेश पर पिछले चार दिन से लगातार लोगों के खून व यूरीन के नमूने संकलित किए जा रहे हैं। गुरुवार को चौथे व अंतिम दिन श्याम सुंदर नगर वार्ड में 30 घरों को चिन्हित कर वहां रहने वाले लोगों की जांच कर सैंपल लखनऊ स्थित प्रयोगशाला भिजवाया गया। चार दिनों में कुल 120 लोगों की जांच की गई है।

ख़ानचंद्रपुर इलाके में अवैध रूप से डंप क्रोमियम वेस्ट से यहां का भू-गर्भ जल भी प्रदूषित हो चुका है। प्रदूषित पानी के लंबे समय तक सेवन से यहां लोग बीमार हो रहे हैं। गांव में पेट और त्वचा संबंधी काफी मामले प्रकाश में आए हैं। एनजीटी के निर्देश पर यहां नियमित रूप से मेडिकल कैंप लगाकर मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण व निशुल्क दवाइयां बांटी जा रही है। पिछले कुछ सालों में लोगों की खून की जांच में उनके शरीर में क्रोमियम व मरकरी मानक से अधिक मिलने पर लखनऊ से लेकर दिल्ली तक वैज्ञानिक इसकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। भू-गर्भ जल जिस दिशा में बह रहा है उसी का आंकलन कर रनियां के चार वार्डों में भी लोगों के खून व यूरिन के नमूने संकलित किए जाने का आदेश जारी किया गया था। पिछले चार दिन तक यहां 120 नमूने लिए गए हैं। डा विशाल भसीन ने बताया कि सभी जांच रिपोर्ट आने के बाद उम्मीद है कि आगे के लिए कोई निर्देश मिलेगा। जांच के दौरान डा विशाल भसीन, डा राहुल नड्डा, डा भावना, डा मयूरी गुप्ता, फार्मेसिस्ट संदीप सिंह, मो यूनुस परवेज, एलटी कमलेश, अमर सैनी, जीतेन्द्र रहे।

महिला का ब्लड सैंपल लेते डाक्टर।

गोरक्षा वाहिनी ने कराया हवन-पूजन

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर रसूलाबाद भारतीय गौ रक्षा वाहिनी ने गुरुवार को कार्यालय परिसर में एक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया और विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन किया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर भारतीय गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश सहसंयोजक (औरैया) ओम प्रकाश ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा भारत के सांस्कृतिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम मर्यादा, त्याग, सत्य और आदर्श जीवन के प्रतीक हैं, जिनके सिद्धांत समाज को नई दिशा देते हैं। जिला सह संयोजक रवि त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं। कानपुर मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह ने कहा कि श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा ने पूरे देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधा है। भारतीय गो रक्षा वाहिनी की जिला उपाध्यक्ष व किन्नर समाज की प्रतिनिधि तनु भदौरिया ने कहा कि श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा ने देशवासियों को नई ऊर्जा और आत्मबल दिया है। उन्होंने श्रीराम को मानवता, करुणा और समरसता की जीवंत प्रेरणा बताया। भदौरिया ने सामाजिक एकता, सेवा भावना और गौ रक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। मीडिया प्रभारी अजीत पांडे ने आयोजन को सफल बनाने में सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर बृजेश सिंह, अनूप शर्मा, सूरज त्रिवेदी, अखिलेश राजपूत, शिवनाथ राजपूत ,पिंकू तिवारी आदि मौजूद रहे।

तिश्ती बस स्टॉप के समीप आयोजित भंडारा। अमृत विचार

पैदल मार्च | सीओ भोगनीपुर के नेतृत्व में अकबरपुर शहर में निकले पुलिस के जवान

पहली बार सड़क पर उतरे रिक्रूट सिपाही

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः गुरुवार की दोपहर अकबरपुर शहर में खाकी की सधी चाल और बूटों की तेज आवाज ने सभी का ध्यान खींचा। गणतंत्र दिवस को लेकर बड़ी संख्या में पुलिस के जवान सड़क पर उतरे। सर्किल ऑफीसर भोगनीपुर उनकी अगुवाई कर रहे थे। पैदल मार्च के बीच पुलिस के अधिकारियों ने जनता से संवाद भी किया। उन्हें सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा दिया।

शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु कानपुर देहात पुलिस का सुरक्षा एवं विश्वास संवर्द्धन का अनूठा अभियान 'एरिया डॉमिनेशन' हुआ। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर संजय वर्मा के नेतृत्व में पुलिस लाइन में प्रशिक्षणरत रिक्रूट आरक्षियों को वास्तविक कार्यक्षेत्र में उतारा गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना ही नहीं, बल्कि पुलिस एवं समाज के बीच विश्वास, सहयोग और पारदर्शिता का सेतु निर्माण करना भी था। इस दौरान प्रशिक्षुओं ने फुट पेट्रोल, सामरिक निगरानी, स्थानीय नागरिकों से संवाद, सुरक्षा संबंधी परामर्श तथा त्वरित प्रतिक्रिया अभ्यास जैसे गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की। अभियान के दौरान प्रभारी निरीक्षक अकबरपुर हरमीत सिंह एवं प्रभारी आरटीसी राजपाल सिंह ने विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया। पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, उपनिरीक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। एसपी ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारे संविधान और लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अवसर पर हमारा यह प्रयास है कि न केवल सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो, बल्कि हमारे युवा रिक्रूट्स को भी समर्पित, संवेदनशील और कुशल पुलिस अधिकारी बनने का प्रशिक्षण मिले। आज का अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रशिक्षण से रिक्रूट्स को वास्तविक परिस्थितियों में निर्णय लेने, जनसंपर्क बढ़ाने और सामुदायिक पुलिसिंग के महत्व का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ है।

अकबरपुर की सड़क पर पैदल मार्च करते रिक्रूट जवान। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

विशाल भंडारे में लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

घाटमपुर। क्षेत्र के ग्राम बेरिया स्थित बाबा मंदिर में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। यह आयोजन लगातार तीसरे वर्ष सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन जय बाजपेई बाबा नवयुवक कमेटी द्वारा किया गया। इस अवसर पर शिवकुमार सविता, लाला गुप्ता, राजेंद्र परिहार, अजीत यादव, मुकेश ठाकुर, रुद्रपाल सोलंकी, अजय दुबे, जिलेदार सेंगर, अतुल सोलंकी, शोभित सोलंकी, रमेश कुशवाहा, आयुष्मान शर्मा एवं सूरज सोलंकी, रामजी सिंह जादौन, जनार्दन सिंह भदौरिया, ग्राम प्रधान चरन सिंह यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

विवाद में मारपीट का वीडियो वायरल

मौदहा (हमीरपुर)। सोशल मीडिया में इन दिनों जमकर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें बीच सड़क पर जमकर मारपीट हो रही है। हालांकि अभी तक इस संबंध में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बुधवार रात से मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। इसमें दो लोगों में जमकर मारपीट हो रही है। हालांकि अमृत विचार इसकी पुष्टि नहीं करता। वायरल वीडियो कस्बे के इलाही तालाब के निकट का बताया जा रहा है। बताते हैं कि पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में तीसरे की इंट्री होने के कारण दोनों में जमकर मारपीट हुई। वीडियो वायरल होने के साथ ही सोशल मीडिया में तरह तरह के कमेंट्स आ रहे हैं।

दो दिवसीय विशाल दंगल आज से

सुमेरपुर(हमीरपुर)। कस्बे की छोटी बाजार में रेलवे लाइन किनारे स्व. झूरी मिश्र की स्मृति में प्रतिवर्ष होने वाला दो दिवसीय दंगल इस वर्ष 23 एवं 24 जनवरी को होगा। इसकी सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। दंगल के आयोजक जयप्रकाश दीक्षित बब्बू भैया ने बताया कि स्व.झूरी मिश्र स्मृति में प्रतिवर्ष होने वाला दो दिवसीय दंगल 23 एवं 24 जनवरी को संपन्न होगा। इस दंगल में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश के नामी गिरामी पहलवान हिस्सा लेंगे।

बिल्हौर में एसआईआर अभियान ने पकड़ी रफ्तार

खंड शिक्षा अधिकारी ने दो दिनों में निपटाए 144 मामले

संवाददाता, बिल्हौर

एसआईआर के मामले निपटाते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। शासन की दिशा-निर्देशों के तहत बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आई है। अरौल क्षेत्र के पर्यवेक्षक और बीईओ रवि कुमार सिंह ने दो दिनों में 144 शिकायतों का निस्तारण किया है।

बिल्हौर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ब्लॉकों में एसआईआर से संबंधित शिकायतों के अंबार को कम करने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। अरौल के साथ-साथ ककवन, शिवराजपुर, बिल्हौर और चौबेपुर में भी अलग-अलग पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। ये अधिकारी गांव-गांव जाकर और अभिलेखों की जांच कर दावों को परख कर एसआईआर की लंबित शिकायतों का समाधान कर रहे हैं।

इसी के चलते अरौल क्षेत्र में पर्यवेक्षक रवि कुमार सिंह ने फील्ड पर जाकर 144 दावों का निस्तारण किया। तहसील प्रशासन द्वारा हर ब्लॉक के लिए अलग पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं ताकि पारदर्शिता बनी रहे। लंबे समय से लंबित शिकायतों के निस्तारण से क्षेत्र के ग्रामीणों और दावेदारों को बड़ी राहत मिली है।

एसडीएम संजीव दीक्षित बिल्हौर के निर्देशन में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची की विसंगतियों को दूरकर त्रुटिपूर्ण बनना है। इसी तरह से अन्य ब्लॉकों (चौबेपुर और शिवराजपुर) में भी निस्तारण की गति बढ़ाई गई है ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी दावों को अंतिम रूप दिया जा सके।

पशु चिकित्सालय नौरंगा में नहीं आते चिकित्सक

घाटमपुर। भीतरगांव विकासखंड के अंतर्गत नौरंगा के राजकीय पशु चिकित्सालय को एक झोला छाप चला रहा है। यहां पर तैनात डॉक्टर ज्योति सचान व फार्मासिस्ट उमाशंकर कभी भी अस्पताल नहीं आते। इसक चलते पशु पालकों में भारी आक्रोश रहता है।

घाटमपुर तहसील के अंतर्गत भीतरगांव का राजकीय पशु चिकित्सालय नौरंगा के बिहूपुर गांव निवासी उत्तम कुमार व संतोष प्रजापति एवं नौरंगा के जगत सिंह गुरुवार को राजकीय पशु चिकित्सालय नौरंगा जानवरों के लिए दवा लेने पहुंचे थे। 12:00 जब वह पहुंचे तो वहां पर कोई डॉक्टर नहीं था। उन्होंने बताया कि यहां पर एक झोलाछाप आता है,जो दवा आदि दे देता है। यहां पर तैनात डॉक्टर ज्योति सचान है वह कभी-कभार ही आती है। यही हाल बरिपाल राजकीय पशु चिकित्सालय का है। यहां भी एक झोलाछाप पशु चिकित्सालय को चल रहा है।

पशुओं की खाल लेकर जा रहे दो युवकों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। बुधवार देर रात नेवादा टोल प्लाजा के पास एक पिकअप निकली थी, जिसमें से लाल रंग बहता हुआ दिखा टोल कर्मियों में उसे रोका लेकिन वह निकल गई। इस पर टोल कर्मियों ने पुलिस को सूचना कर दी थी। कुछ दूरी पर जाने के बाद पिकअप खराब होकर रुक गई थी। तभी मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप और उसमें सवार दो युवकों को पकड़ लिया था। पिकअप की पड़ताल करने पर उसमें जानवरों की खाल लदी हुई थी।

मौके पर पहुंचे एडीसीपी ने युवकों से पूछताछ की और उसके कागजात मांगे तो वे उसके कोई कागजात नहीं दिखा सके। इसके चलते पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया। बुधवार देर रात पशुओं की खाल लाद कर हरदोई से कानपुर की ओर पिकअप जा रही थी। तभी नेवादा टोल प्लाजा क्रॉस करते समय से लाल रंग बहता हुआ दिखाई दिया, जिससे टोल कर्मियों ने पिकअप को रोकने का प्रयास किया लेकिन वह निकल गया कुछ दूरी पर उसकी पिकअप खराब हो गई जिसके बाद टोल कर्मियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस पिकअप चालक और उसके साथ मौजूद एक युवक को पिकअप सहित थाने ले आई।

सूचना पर एडीसीपी कपिल देव सिंह व एसीपी मंजय कुमार मौके पर पहुंचे। इस दौरान जानवरों की खाल लदी होने की सूचना पर विहिप, बजरंग दल और अन्य हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता भी मौके पहुंच गये थे और जमकर हंगामा काटा था।

एडीसीपी कपिल देव सिंह ने बताया हरदोई जिले के गोपामऊ निवासी राजा पुत्र साबिद और मोहम्मद रिहान पुत्र मल्लू ने बताया कि उनके पास उसी क्षेत्र के मृत पशुओं की खाल इकट्ठा करने का ठेका है लेकिन वह कोई पेपर नहीं दिखा सके। मृत पशुओं की खालों को मानातल गांव के पास जेसीबी से गड्ढा खुदवा कर दबा दिया गया है और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है।

बिल्हौर में भी मृत पशुओं के मिले थे अवशेष

- एक सप्ताह पूर्व बिल्हौर में भी मृत पशुओं के अवशेष मिले थे इसके बाद बिल्हौर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान अध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके चलते माहौल तनावपूर्ण रहा था। वहीं एक सप्ताह बाद ही शिवराजपुर क्षेत्र में पिकअप में मृत पशुओं की खाल मिलने से सनसनी फैल गई। हिंदूवादी संगठन लगातार इस घटना के बाद प्रशासन पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं और क्षेत्र में गोकशी होने की बात कह रहे हैं।

रामलला प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर बांटी खिचड़ी

संवाददाता, चौबेपुर

चौबेपुर में लोगों को खिचड़ी बांटते आयोजक। अमृत विचार

घाटमपुर में कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की सालगिरह पर गुरुवार को कस्बे में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान जरूरतमंदों को कंबल वितरित किये जाने के साथ ही खिचड़ी भोज का आयोजन भी कराया गया।

कस्बे में जी टी रोड स्थित एसजी मोटर्स के संचालक जितेंद्र उर्फ राम जी त्रिवेदी द्वारा पूर्व वर्ष की भांति इस बार भी रामलला प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रभु श्रीराम की पूजा अर्चना के पश्चात मौके पर मौजूद उप्र. राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विनय शुक्ला ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्री राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होना सनातन धर्म के लिए कई अधिक महत्व रखता है। यह दिन एक मूर्ति की स्थापना नहीं, अपितु तपस्या का अंत व आस्था की विजय का दिन है।

इस दौरान आयोजकों ने करीब एक सैकड़ा जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। साथ ही मौके पर मौजूद लोगों के अलावा राह गुजरते लोगों को खिचड़ी बांटी गई। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला ,भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रवी दीक्षित, शिवेंद्र त्रिवेदी, अतुल दुबे मामा, पूर्व प्रधान अवधेश मिश्रा, प्रशांत दीक्षित,नरेंद्र शुक्ला, पिंटू दुबे,वीरेंद्र कटियार व विजय अवस्थी आदि मौजूद रहे।

राम बारात के साथ निकाली गई कलश यात्रा

- **घाटमपुर।** तहसील क्षेत्र के अंतर्गत जरेया गांव में 22 जनवरी को श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर श्रीराम बारात का आयोजन किया गया। यहां पर श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का भी कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा चौबेपुर,नवेड़ी होते हुए शिव हरी धाम मदनपुर पहुंची। यहां पर मौजूद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान चारों ओर जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे। कार्यक्रम के संयोजक ओम बाबा ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीराम बारात के साथ कथा का शुभारंभ भी किया गया है। इस मौके पर शिव हरि धाम के ट्रस्टी पंडित शिवकुमार द्विवेदी एवं चौबेपुर पूर्व प्रधान राजेश अवस्थी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

यू०पी० प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लि०
कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, निर्माण इकाई–10, कानपुर (केन्द्रीय भण्डार)
(उ०प्र० सरकार का उपक्रम)
उद्योग कुंज रोड नियर हलुआखाड़ा (रजवाहा)
नौरिया खेड़ा (नहर कोठी), दादा नगर, कानपुर–208022
CIN : U15209UP1976SGC004285

पत्रांक:– 2609/पी.सी.एल./पी.एम.–10/कानपुर दिनांक: 22.01.2026

अल्पकालीन ऑफलाइन निविदा सूचना

Proposed LMO to Manifold MGPS Works at Government Medical College, Auraiya हेतु इस कार्यालय की निविदा सूचना सं0-19/PM-10/UPPCL/2025-26 दिनांक 22.01.2026 द्वारा ऑफलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा इकाई कार्यालय में दिनांक 23.01.2026 से दिनांक 30.01.2026 के अपराह्न 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है।

ऑफलाइन निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण, नियम एवं शर्तें कारपोरेशन की इकाई कार्यालय में दिनांक 23.01.2026 से प्राप्त की जा सकती है।

परियोजना प्रबन्धक,
निर्माण इकाई–10, कानपुर

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

घाटमपुर में सड़क हादसों में दो लोगों की हुई मौत

संवाददाता, घाटमपुर

- एक जगह ट्रक से तो दूसरी जगह ट्रैक्टर से हुई दुर्घटना

अमृत विचार। थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। इससे मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया।

पहला हादसा नेशनल हाईवे 34 चौकी क्षेत्र पतारा में हुआ। यहां पर एक ट्रक ने राघवेंद्र कुमार तिवारी उम्र 35 वर्ष पुत्र विनोद कुमार निवासी न्यू आजाद नगर थाना सेन पश्चिम पारा को टक्कर मार दी। इसके चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को पकड़ लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं दूसरा सड़क हादसा ईटर्रा गांव के पास में हुआ। यहां पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मोटर साइकिल सवार कूड़हादीन शंखवार उम्र 55 वर्षीय अधेड़ की ग्राम कंठीपुर को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच मे जुट गईं है। वहीं मृतकों के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

धनुष तोड़ते प्रभु श्रीराम। अमृत विचार

धनुष टूटते ही जय श्रीराम से गूंजा पंडाल, बरसे पुष्प

संवाददाता, घाटमपुर

- गंभीरपुर के ज्वाला देवी मंदिर में रामलीला का हुआ आयोजन

अमृत विचार। साढ़ थाना क्षेत्र के गंभीरपुर गांव में बने प्राचीन मां ज्वाला देवी मंदिर में भव्य रामलीला का आयोजन किया गया। रामलीला का आयोजन विगत तीन वर्षों से लगातार होता चला आ रहा है। इस रामलीला का आयोजन दिन में किया जाता है। राम लीला के संचालक पप्पू मिश्र ने बताया कि 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्री राम का अयोध्या में पांच सौ वर्षो के बाद रामलला प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा रामलीला का आयोजन किया गया, जिसमें राम की भूमिका में अवनीश पांडेय, लक्ष्मण की भूमिका में प्रदीप पांडेय वहीं परशुराम की भूमिका में बालव्यास पाण्डेय ने अपनी कला का मंचन किया। तबलावदक रवि तिवारी, व्यास पीठ पर शिवशंकर शुक्ला ने मधुर संगीत दिया। प्रभु श्रीराम के धनुष तोड़ते ही पूरा पंडाल जय श्रीराम के जय घोष से गूंज उठा और वहां पर मौजूद लोगों ने उनपर पुष्पवर्षा की। धनुष टूटने के बाद वहां पहुंचे परशुराम से लक्ष्मण जी का जबरदस्त संवाद हुआ, जिसका लोगों ने जमकर आनंद उठाया। इस अवसर पर राजेश बाजपेई, आदित्य शुक्ला,गोविंद शुक्ला ,नितिन मिश्रा, सूरज पांडेय ,राजेश अग्निहोत्री ,पिंटू तिवारी आदि रहे।

कार्यालय नगर पंचायत मानिकपुर, सरहट (चित्रकूट)

पत्रांक– 818/न0पं0मा0/विज्ञप्ति/2025–2026 दिनांक: 22 जनवरी, 2026

ई–निविदा सूचना

नगर पंचायत मानिकपुर, सरहट में वित्तीय वर्ष–2025–26 में ''पं0 दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत मानिकपुर क्षेत्रान्तर्गत निर्माण कार्य हेतु दिनांक–23.02.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे तक ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती हैं, जिसके डाक्यूमेन्ट वेबसाइट **http://e-tender.up.nic.in** पर दिनांक 23.01.2026 समय 02:00 बजे अपरान्ह से 23.02.2026 को समय अपरान्ह 12:00 बजे तक निविदाये डाउनलोड व अपलोड की जा सकती हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन डाले जायेंगे, जिसकी तकनीकी बिड दिनांक 23.02.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे समिति/सक्षम अधिकारी एवं उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्रों में निर्धारित शुल्क व जमानत धनराशि नगर पंचायत मानिकपुर, सरहट के भारतीय स्टेट बैंक खाता संख्या–39989721394 के IFSC-SBIN0015508 में जमा की जायेगी। निविदादाताओं को फाइनेंशियल बिड खोले जाने एवं समस्त कार्यवाही की सूचना पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होगी। निविदा सूचना http://etender.up.nic.in & www.npmanikpursarhat.in पर देखी जा सकती है।

Tender Schedule (www.etender.up.nic.in)

Sl. No.	E-Tendering Details	Starting Date and Time	Ending Date and Time
1	Tender Download	23-01-2026 (14:00)	23-02-2026 (12:00)
2	Bid Submission	23-01-2026 (14:00)	23-02-2026 (12:00)
3	Technical Bid Opening	23-02-2026 (15:00)	
4	Financial Bid Opening	After opening Technical Bid	
5	Place of Opening e-tender	Office in Nagar Panchayat Manikpur, Sarhat	

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत मानिकपुर, सरहट

अध्यक्ष
नगर पंचायत मानिकपुर, सरहट

सूचना

सूचित हो कि मैं **छेदी लाल पुत्र निरपत निवासी वैरगरा थाना सौरिख जिला कन्नौज** मेरा बेटा सुधीर व उसकी पत्नी शिवा कुमारी आए दिन मेरे व मेरे परिवार के साथ घर का बंटवारा कराने के लिए गाली गलौज ग्रह क्लेश, मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते हैं पुत्र व पुत्रवधू के इन कृतों से तंग आकर मैं अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से इन दोनों को बेदखल करते हुए सम्बन्ध विच्छेद करता हूं अब मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य का इन लोगों के कृत्यों से भविष्य में कोई सरोकार नहीं होगा।

सूचना

भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी फर्रूखाबाद शाखा में संचालित है, पॉलिसी संख्या 263657243 में मेरा नाम इसरार खान अंकित है, जबकि आधार कार्ड में मेरा नाम कल्लू खान अंकित है। कल्लू खान व इसरार खान दोनों नाम मेरे ही है, मुझे दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। **कल्लू खान पुत्र नौशाद खान निवासी ग्राम वीरपुर नादी, पोस्ट पिपरगाँव, तहसील सदर, जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि **शीला पत्नी छोटे लाल निवासी खुरथुवा पोस्ट राम नगर खजुरी पयागपुर जिला बहराइच** तथा राम लली पत्नी छोटे एक ही महिला का नाम है अतः इन्हें इन दोनों नामों से जाना एवं पहचाना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मा. शि.प.उ.प्र. की हाई स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण वर्ष 2020 (जन्मतिथि–10–05–2007),अनुक्रमांक 1129460 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण वर्ष 2023 ,अनुक्रमांक 2237220933 का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **–अंकित बाजपेयी पुत्र शिवप्रताप बाजपेयी, निवासी–बाजपेयी पुरवा, लखनापुर, थाना–हरदी, बहराइच**

सूचना

पहले मेरा नाम VASIM AHAMED था जो मैने बदलकर WASEEM AHMAD रख लिया हूँ। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। WASEEM AHMAD S/O-MUSTAQEEM AHMAD ADD-SADARPUR BARAULI PHOOLPUR DIST-AZAMGARH (U.P.)

सूचना

सूचित करना है कि मेरा पासपोर्ट में नाम AFNEESH KHAN दर्ज है जो कि गलत है। मेरा अंग्रेजी में सही नाम NAFIS KHAN है मेरा पासपोर्ट में भी NAFIS KHAN दर्ज किया जाए। **नफीस खान पुत्र जहीर खान निवासी ग्राम सेमरी, पोस्ट भगवानपुर, परगना व तहसील तुलसीपुर जिला बलरामपुर**

सूचना

पहले मेरा नाम JAGLAL DHOBI था अब मैने बदलकर अपना नाम JAGLAL रख लिया है भविष्य में मुझे JAGLAL के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- JAGLAL SHYAMARAJ R/O- BHABHAURA POST ALAUDDINPUR DEWARIYA BUJURG]RAJESULTANPUR, AMBEDKAR NAGAR

सूचना

सूचित करना है कि मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश श्रीज्ता श्रीवास्तव (srijta) दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम श्रेया श्रीवास्तव (Shreya Shrivastava) है और यही नाम मेरे अंकपत्र एवं सह प्रमाणपत्र में अंकित है। मेरा वास्तविक नाम **श्रेया श्रीवास्तव पुत्री प्रवीन कुमार श्रीवास्तव ग्राम दिनकरपुर, तहसील मनकापुर गोंडा** है।

सूचना

पहले मेरा नाम PREMCHANDRA RAJAK था अब मैने बदलकर अपना नाम PREM रख लिया है भविष्य में मुझे PREM के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- JAGLAL R/O- BHABHAURA POST ALAUDDINPUR DEWARIYA BUJURG, RAJESULTANPUR, AMBEDKAR NAGAR

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माया प्रकाश जो की मुस्लिम बाग चकिया रोड रूपईडीहा जिला बहराइच उत्तर प्रदेश पिन कोड 271881 के निवासी है वो अब माया प्रकाश पटवा के नाम से जाने जायेंगे, रिकार्ड में ये नाम सम्मिलित किया जाए।

सूचना

मैं मोहम्मद शमीम (MOHD SHAMIM) पुत्र स्व0 अली हसन खान निवासी– शमा विहार, बाग नं0–02, कानपुर रोड, लखनऊ, उ0प्र0–226023 मेरे पासपोर्ट सं0 E1177863 में मेरा नाम अंग्रेजी के शब्द MOHAMMAD SHAMIM AKHTER त्रुटिवश अंकित हो गया है, जो कि गलत है। जबकि मेरा वास्तविक नाम मोहम्मद शमीम (MOHD SHAMIM है। अतः मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नईमउल्ला अंसारी पुत्र स्व. रहमत उल्ला अंसारी, निवासी मोहल्ला – मुड्डीगंज, थाना नवाबगंज, तहसील तरबगंज, जनपद गोंडा का निवासी हूँ। मेरे पुत्र एजाजउल्ला अंसारी का चाल–चलन ठीक नहीं है, अतः मैं उसे अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ। भविष्य में उसके किसी भी अपराध/लेन–देन से मैं या मेरे परिवार का कोई सदस्य जिम्मेदार नहीं होगा। इस संबंध में कोई दावा मान्य नहीं होगा। **सूचनाकर्ता– नईमउल्ला अंसारी मो0–7355797806**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत इटारा, परगना व तहसील सलोन, जनपद, रायबरेली की भूमि प्रबंधन समिति की खुली बैठक दिनांक 25 जनवरी को पंचायत भवन इटारा में बुलायी गई है। जिसमें अनुसूचित जाति, जनजाति एवं गरीब व्यक्तियों को आवासीय एवं कृषि भूमि आवंटन पर विचार विमर्श किया जायेगा। सभी ग्रामवासियों से अनुरोध है कि बैठक में पहुंचने की कृपा करें।

प्रधान
ग्राम पंचायत इटारा

सूचना

मैं **प्रिया यादव पुत्र नन्द किशोर यादव, निवासिनी–370, शेखूपुरा नगर, कालोनी, विकास नगर/अलीगंज, लखनऊ,** मैने सन् 2011 में हाईस्कूल की परीक्षा जिसका अनुक्रमांक–1124715 के प्रमाण–पत्र व सह–अंकपत्र में नाम त्रुटिवश श्रीमती प्रिया यादव अंकित हो गया जो कि गलत है। तथा मैने सन् 2013 में इन्टर की परीक्षा से उत्तीर्ण की थी जिसका अनुक्रमांक–0962339 जिसमें मेरे प्रमाण–पत्र व सह–अंकपत्र में नाम त्रुटिवश कु0 प्रिया यादव अंकित हो गया जो कि गलत है। यहकि मेरा नाम प्रिया यादव है जो की सही नाम है प्रिया यादव व कु0 प्रिया यादव व श्रीमती प्रिया यादव एक ही नाम है जो कि मेरे ही है। मेरे नाम प्रिया यादव को सही माना जाये।

अपने दुश्मनों पर विजय पाने वाले की तुलना में मैं उसे शूरवीर मानता हूं जिसने अपनी इच्छाओं पर विजय प्राप्त कर ली है, क्योंकि सबसे कठिन विजय अपने आप पर विजय होती है। -अरस्तु

अमृत विचार

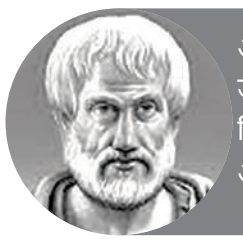

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- तीनों हत्यारों को मिले फांसी की सजा, तभी भरेगा घाव-II
- पंकज चौधरी पर क्रेन-बुलडोजर से बरसीं फूल-मालाएं-III
- गंगा रिवर फ्रंट की 6 माह में साफ होगी तस्वीर-IV

कानपुर, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **चौपाल :** कांग्रेस पार्टी की ओर से रजनापुर ग्राम सभा में चौपाल दोपहर 2 बजे।
- **कार्यशाला :** आईआईए की कार्यशाला होटल ज्ञान एवेन्यू पांडु नगर में सुबह 10 बजे।
- **निरीक्षण :** कानपुर गौशाला में अधिकारियों का निरीक्षण दोपहर 3 बजे।
- **वार्षिकोत्सव :** जंगलीदेवी मंदिर में वार्षिकोत्सव सुबह 11 बजे।

आज रात से बदल सकता मौसम

कानपुर। पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम होने और सूरज तेजी से चमकने के कारण दो दिन से दिन का तापमान ऊपर जा रहा है। गुरुवार को भी अधिकतम तापमान 24.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक रहा। बुधवार को अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। गुरुवार का न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार से मौसम एक बार फिर बदलेगा। प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और ओला पड़ने संभावना है। अगले दो दिनों में कानपुर मंडल में बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश की संभावना है।

गुरुवार को बड़ा चौराहा पूरी तरह जाम रहा। जाम की वजह से पैदल चलने वालों को भी मुसीबत झेलनी पड़ी। अमृत विचार

अध्यक्ष के स्वागत में शहर जाम

शहर से जुड़े सभी हाईवे पर कई किमी लंबा जाम लगा, ट्रेन और एंबुलेंस भी फंसी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पहले से कोई तैयारी नहीं होने के कारण ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई
- जाम में फंसे सांसद देवेंद्र सिंह भोले झल्लाए, एडीसीपी से झड़प

अमृत विचार। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के प्रथम नगर आगमन पर यातायात की मजबूत व्यवस्था नहीं होने के कारण पूरा शहर जाम में फंस गया। जीटी रोड पर भीषण जाम के चलते रावतपुर से कल्याणपुर तक बुरा हाल हो गया जिससे गुरुदेव रेलवे क्रासिंग बंद नहीं हो सकी और ट्रेन को रोकना पड़ा। जाम की हालत देख सांसद की एडीसीपी ट्रैफिक से झड़प हुई।

गुरुवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के प्रथम आगमन पर शहर में सैकड़ों स्थानों पर स्वागत के मंच बनाये गये थे लेकिन कैसे शहर का यातायात संचालित करना है, इसपर ध्यान नहीं दिया। तमाम भाजपाइयों ने सबसे आगे जाजमऊ गंगा पुल पर ही स्वागत कार्यक्रम लगा दिया। स्थिति ये रही कि गंगा पुल से 20 किमी लंबा जाम लगा। हालत ये रही कि दोपहिया, चार पहिया, एंबुलेंस और आवश्यक सेवाओं के वाहन भी घंटों जाम में फंसे रहे।

जाम में एंबुलेंस भी फंसी रहीं। अमृत विचार

इस जाम का शिकार कानपुर देहात के सांसद भोले सिंह भी हुए। वे जाम में फंसने के बाद वाहन छोड़कर करीब एक किलोमीटर तक पैदल चलकर गंगा पुल तक पहुंचे। मौके पर उनकी एडीसीपी ट्रैफिक अंजली विश्वकर्मा से तीखी बहस हो गई। जाम की हालत देख क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल से भी सांसद ने नाराजगी जताई।

सांसद ने कहा कि राजनीतिक कार्यक्रमों में भीड़ जुटाने से पहले यातायात और आम नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्वागत की होड़ में शहर को जाम के हवाले कर देना किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है। उधर, बजरिया से रावतपुर तक सैकड़ों वाहन फंसे रहे। जाम के कारण तमाम लोगों ने 80 फिट रोड से होते हुए गुमटी नंबर पांच की ओर निकलने का प्रयास किया तो ये मार्ग भी जाम हो गया।

नो इंट्री में ट्रकों को कैसे मिला प्रवेश: भोले

- जाम में पैदल चलने को मजबूर हुए सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने सवाल उठाया कि जब प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम की पहले से सूचना थी, तो भारी वाहनों को एंट्री आखिर किसके आदेश पर दी गई। प्रशासनिक समन्वय की कमी और लचर प्रबंधन से आम जनता को परेशानी झेलनी पड़ी।

रामा देवी से उन्नाव और भौंती तक कतार

- हाईवे पर पर भी असर पड़ा। लखनऊ हाईवे पर हजारों वाहन फंसे रहे। मरहला चौराहा होते हुए सरैया क्रासिंग से गंगा बैराज की ओर निकलने की कोशिश की तो यह मार्ग भी जाम हो गया। रामादेवी से भौंती तक हजारों वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।

शहर में संशोधित सर्किल दर आज से लागू

कानपुर। कृषि/अकृषि भूमि, गैर-वाणिज्यिक भवन, एकल एवं भिन्न दुकान, वाणिज्यिक अधिष्ठानों की भूमि एवं निर्माण की प्रति हेक्टेयर/प्रति वर्ग मीटर सर्किल दरों को 6 सितम्बर 2025 से पुनरीक्षित कर प्रभावी किया गया है। यह संशोधन 23 जनवरी से लागू होगा, जो एनआईसी की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। एडीएम (वित्त एवं राजस्व) विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टाम्प (सम्पत्ति का मूल्यांकन) नियमावली, 1997 (यथा संशोधित वर्ष 2013 एवं 2015) के नियम-4 के उप-नियम (1) तथा नियम-3 के उप-नियम (3) में विहित प्रावधानों के अनुपालन में कलेक्टर की ओर से यह प्राविधान किया गया है। अधिवक्ता संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं आम जनमानस से प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों के आधार पर प्रावधानों के अनुरूप सर्किल दर सूची (6 सितम्बर 2025) में आंशिक संशोधन किया गया है।

बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

Chandrabhal Hospital

Multi Speciality Hospital

आयुष्मान भारत PMJAY एवं दीनदयाल उपाध्याय कैशलेश योजना द्वारा अनुवंधित

24 घंटे सुविधा उपलब्ध

NABH (ENTRY LEVEL) PRE ACCREDITED

QCI Quality Council of India Membership

CU, NICU, EMERGENCY, MEDICAL STORE

Y-1280, Kidwai Nagar, Near R.B.I. Colony, Kanpur Mob.: 7571810604

डा. राजेश बाजपेयी (MBBS, D.Ortho, Mch.)

हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण विशेषज्ञ

SILK WEAVES EXPO Where Threads Meet Tradition

सिल्क वीव्स एक्सपो

सिल्क महोत्सव

EXHIBITION-CUM-SALE

Silks - Linens - Shawls - Wedding Ethnics

शुरू हो गया !

प्योर सिल्क कलेक्शन

Showcasing the Art of Hands

23 जनवरी से 2 फरवरी

प्रातः 11 से रात्रि 9 बजे तक

वेडिंग स्पेशल एडिशन

लाजपत भवन

मोती झील एवेन्यू, हर्ष नगर, कानपुर

टेक्सटाइल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पंजीकृत

CONTACT - 6006747682 पार्किंग एवं एंट्री फ्री

सिटी ब्रीफ

पनकी ओवर ब्रिज के नीचे नाले में मिला शव

कल्याणपुर। पनकी बी ब्लॉक निवासी 58 वर्षीय बृजेश सिंह भाटिया तिराहा पर चाय की दुकान में काम करते थे। गुरुवार सुबह बृजेश सिंह का शव पनकी ओवर ब्रिज के नीचे नाले में पड़ा मिला। बेटे अजीत ने बताया कि बुधवार को पिता काम पर गए थे। जो वापस घर नही लौटे। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों के मुताबिक मृतक शराब के लती थे। लघुशंका के दौरान नाले में गिरकर डूबने से मौत होने की बात सामने आई है।

कल्याणपुर में ई ऑटो पलटा, दो घायल

कल्याणपुर। सचेंडी निवासी शिवम पांडे ई आटो चालक है। गुरुवार दोपहर शिवम कल्याणपुर से तीन सवारियों को लेकर पनकी के लिए निकला था। तभी गायत्री मंदिर के पास अचानक ब्रेक लगाकर खड़े हुए बाइक सवार को बचाने के दौरान अनियंत्रित हुआ ऑटो पलट गया। घटना में चालक शिवम व महिला सवारी पनकी निवासी मंजू मामूली रूप से घायल हो गई। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के संबंध में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

100 की स्पीड में कार खेत में जा घुसी

कानपुर। चकेरी एयरपोर्ट जाने वाली सड़क पर बुधवार रात एक 100 की स्पीड में बीएमडब्ल्यू कार अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते खेत में घुस गई। हादसे में कार चालक चुटहिल हो गया। पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। लोगों ने बताया कि कार सौ से अधिक की रफ्तार में थी। तभी अंधा मोड़ के कारण रेलिंग तोड़ते हुए खेत में घुस गई। कार चालक जाजमऊ के सुल्तान कंपाउंड निवासी सैफ आलम का 20 वर्षीय बेटा शाद मामूली चुटहिल है। वह दो दोस्तों के साथ घूमने निकला था। कार शाद चला रहा था। उपचार के बाद परिजन उसे घर ले गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार सवार स्टंटबाजी कर रहे थे। सूचना पर पुलिस ने क्रेन से कार को खेत से बाहर निकलवाया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि कार मोड़ते समय खेत में घुसी है। रफ्तार की जांच होगी।

सड़क किनारे मिला युवक का शव

कानपुर। लाल बंगला में गुरुवार को संदिग्ध हालात में एक युवक का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की व शव पोस्टमार्टम भेजा। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। लाल बंगला एनटू रोड स्थित पूनम टॉकीज के पीछे गुरुवार दोपहर को लोगों ने प्लॉट के बाहर सड़क किनारे एक शव पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस युवक की पहचान के लिए लोगों से पूछताछ की। आशंका है कि युवक की शराब पीने से मौत हुई है। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि पहचान नहीं हो सकी है। पोस्टमार्टम से मौत का कारण स्पष्ट होगा।

गाड़ी खड़ी करने को लेकर चले लात-घूंसे

कल्याणपुर। पनकी नहर पटरी रोड स्थित गैराज में गाड़ी खड़ी करने को लेकर दो पक्षो में बीच सड़क जमकर लात घूसे चले। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गई। वहीं घटना का वीडियो गुरुवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पनकी एमआईजी में नहर पट्टी के पास बने गैराज में गाड़ी खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। जिस पर एक पक्ष ने अपने दर्जन भर से अधिक साथियों को मौके पर बुला दूसरे पक्ष पर हमला बोल दिया। इस दौरान बीच सड़क जमकर लात घूंसे व मारपीट होने लगी। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को पकड़कर थाने ले गई, जहां दोनों पक्षों ने मारपीट का आरोप लगाते हुए घटना की तहरीर पुलिस को दी। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मौरंग-गिट्टी ओवरलोड वाहन सीज किए गए

कानपुर। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन की टीम ने हाईवे पर घेराबंदी कर कई ओवरलोड वाहनों को सीज कर थानों के हवाले किया। यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रहे कई वाहन सवारों को चेतावनी देकर छोड़ा गया। गुरुवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के निर्देशन में एआरटीओ कहकशां की अगुवाई में सागर हाईवे, भौंती हाईवे, महाराजपुर हाईवे, लखनऊ हाईवे एवं कन्नौज हाईवे पर ओवरलोड वाहनों की घेराबंदी की गई। इस दौरान कई मौरंग व गिट्टी के ओवरलोड वाहनों को सीज करके थाने के हवाले किया गया। आरटीओ प्रवर्तन ने बताया कि 13 वाहनों को सीज करके थानों के हवाले किया गया।

तीनों हत्यारों को मिले फांसी की सजा, तभी भरेगा घाव

अदालत के फैसले पर फफककर रो पड़ीं कुशाग्र की मां सोनिया, बोलीं-उम्रकैद की सजा से बेटे की आत्मा को नहीं मिलेगी शांति

- फांसी की सजा के लिए हाईकोर्ट की शरण में जाएगा परिवार
- सोनिया बोलीं, रचिता वत्स को अपनी बेटी की तरह माना था

टीस अभी बाकी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कुशाग्र हत्याकांड में अदालत के फैसले से कनोडिया परिवार संतुष्ट नहीं है। फैसला सुनते ही कुशाग्र की मां सोनिया फफककर रो पड़ीं और बोलीं, अभी मेरा घाव भरा नहीं है। तीनों को फांसी की सजा होनी चाहिए। तीनों ने जिस तरह बेटे को गला दबाकर मारा, उसी तरह उनका भी फांसी पर गला दबना चाहिए, तब जाकर बेटे को शांति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बेटे की ट्यूशन टीचर रचिता वत्स को बेटी की तरह माना था। मान-सम्मान दिया, लेकिन उसी ने बेटे का गला दबवाकर मरवा दिया। 30 अक्टूबर को तीनों सीसीटीवी कैमरे में बच्चे का अपहरण कर ले जाते दिखे थे। अभी हमारी कानूनी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। तीनों को फांसी की सजा दिलाने के लिए हाईकोर्ट की शरण में जाएंगे।

एडीजे-11 कोर्ट में फैसला सुनने के लिए गुरुवार दोपहर कुशाग्र की मां सोनिया, पिता मनीष, चाचा सुमित, मामा अभिषेक अग्रवाल, बाबा संजय कनोडिया के साथ परिवार के बाकी लोग पहुंचे थे। तीनों दोषियों को अदालत से जेल जाते समय देखकर रोने लगे। बोले, कुशाग्र के जन्मदिन पर 13 अक्टूबर को बेटे के अपहरण व हत्याकांड की प्लानिंग हुई थी, मगर वे भांप नहीं पाए। कुशाग्र के जन्मदिन पर ट्यूशन टीचर रचिता वत्स अपने प्रेमी प्रभात शुक्ला को लेकर पहली उनके घर आई थी। क्या पता था कि ट्यूशन टीचर ही उनका परिवार उजाड़ेगी। जन्मदिन के बाद ही प्रभात बेटे के स्कूल व कोचिंग जाने की जानकारी लेने लगा था। उसे कई बार देखा भी गया। कुछ देर बाद ही दोषियों को सजा का आदेश सुनकर के माता-पिता व परिजन रो पड़े। कहा, तीनों आरोपियों को फांसी से कम कुछ नहीं चाहिए।

''अल्लाह हू अकबर'' से किया था गुमराह: फिरौती पत्र में गुमराह करने के लिए आखिर में लिखा था अल्लाह हू अकबर। पहले पेज में लिखा कि मैं नहीं चाहता आपका त्योहार बर्बाद हो। मेरे हाथ में पैसे रखो और लड़का एक घंटे बाद आपके पास होगा। लड़के की स्कूटी और मोबाइल दोनों आपके घर के समीप होटल सिटी क्लब के सामने है।

बोल रहा हूं कि घबराओ नहीं, अल्लाह पर भरोसा रखो। दूसरे पेज पर लिखा निवेदन है कि आप यह बात पुलिस, अपनी फैमिली, न ही अपने अगल-बगल बताएं, कि हमने कुशाग्र को किडनैप किया है। आपके पास दो या तीन दिन का समय है। जल्दी से 30 लाख का इंतजाम कर लो। बात फैली तो जिम्मेदार आप होंगे। पैसे लेकर रात दो बजे कोकाकोला चौराहा पर मिलो। मैं पैसे लेने आऊंगा, जैसे ही पैसे मेरे पास आएंगे, ठीक एक घंटे बाद लड़का आपके पास होगा। पैसे का इंतजाम होने पर घर पर चारों तरफ पूजन वाले झंडे लगा देना। देखने के बाद फोन करूंगा। इसके साथ होशियारी न करने के लिए आगाह किया। लिखा मेरी नजर आपके घर पर होगी। लेकिन सीसीटीवी में तीनों दिखे तो सच सामने आया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

सजा सुनाए जाने के बाद रचिता वत्स को ले जातीं महिला पुलिसकर्मी। अमृत विचार

हत्यारे प्रभात शुक्ला और शिवा गुप्ता को भी जेल पहुंचाया गया। अमृत विचार

240 पेज की हुई जिरह

- आचार्यनगर निवासी कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया का 16 वर्षीय बेटा कुशाग्र जयपुरिया स्कूल में हाईस्कूल का छात्र था। रचिता वत्स उसकी ट्यूशन टीचर थी। 30 अक्टूबर की शाम करीब चार बजे कुशाग्र स्कूटी से कोचिंग के लिए निकला था। रास्ते में उसे ट्यूशन टीचर रचिता का प्रेमी प्रभात शुक्ला मिला। कुशाग्र को बहलाकर उसे अपने साथ ओमनगर इंद्रकुटी हाता स्थित अपने घर ले गया। हेलमेट पहने कुशाग्र उसके पीछे चल रहा था। कुशाग्र जहां ले जाया गया, उसके सटे हुए कमरे में रचिता मौजूद थी। कुशाग्र के पहुंचते ही रचिता आई। इसके बाद प्रभात उसे लेकर एक कमरे में गया, जहां उसकी गला घोंटकर हत्या की। उसके बाद तीनों आरोपी गिरफ्तार हुए। कोर्ट में 42 कागजात पेश हुए और 240 पेज की जिरह हुई। 112 वस्तुएं पुलिस ने बरामद कराईं। कोर्ट में सीसीटीवी फुटेज चलाया गया, जिसमें तीनों आरोपी कुशाग्र का अपहरण करके जाते दिखे।

प्रभात ने फेंका था फिरौती वाला पत्र

- एडीजीसी ने बताया कि हत्या के बाद कुशाग्र का मोबाइल लेकर प्रभात जरीब चौकी गया, जिसे पुलिस ने तेजाब मिल कैंपस से बरामद किया था। हत्याकांड के बाद जब कुशाग्र के घर फिरौती का लेटर डालने गया, तब रचिता ने एक घंटे में प्रभात को आठ बार कॉल किया था।

मार्च 2024 में तीनों दोषियों पर हुई थी गैंगस्टर की कार्रवाई

- ट्यूशन टीचर रचिता समेत तीनों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने प्रभात की निशानदेही पर कुशाग्र का शव उसके घर के बाहर कमरे से बरामद किया। मार्च 2024 को तीनों पर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की। गैंग लीडर प्रभात शुक्ला को बनाया गया। मामले में 14 गवाह पेश किए गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, सबूत, कुशाग्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट, पंचायतनामा और अन्य दस्तावेज कोर्ट में पेश किए।

हिमांचल में बसना चाहती थी रचिता

- कुशाग्र के जन्मदिन 13 अक्टूबर 2021 से उसके अपहरण व हत्या की प्लानिंग हुई। प्रभात ने कुशाग्र की रेकी की। उसके बारे में सभी जानकारी एकत्र की। पूरी वारदात को अंजाम देने के बाद फिरौती की रकम वसूलकर प्रभात व रचिता हिमाचल प्रदेश में बसना चाहते थे। रकम से खरीदारी की प्लानिंग भी पहले से कर ली थी। यहीं कारण है कि दोनों ने जरीब चौकी स्थित शोरूम में नई कार बुक की थी।

संतनगर से खरीदी थी नारियल की रस्सी

- प्रभात ने कहा, रचिता से दोस्ती 2017 में हुई थी। वह कुशाग्र को ट्यूशन पढ़ाती थी। कुशाग्र के जन्मदिन पर उसके परिजनों से मुलाकात हुई। उसके बाद दो-तीन बार कुशाग्र के घर गया। जहां रहन-सहन पता चला कि उनके पास बहुत पैसा है। उसके बाद प्लानिंग हुई और अपहरण के बाद रचिता के साथ जीवना बिताना चाहता था। फिरौती की रकम से एक कार खरीदनी थी। अपहरण की प्लानिंग अपने दोस्त आर्यन और रचिता के साथ 22 अक्टूबर 2023 को बनाई। 25 अक्टूबर को आर्यन के साथ स्कूटी से जाकर रास्ता देखा। कुशाग्र को साथ लाने के बाद आर्यन रास्ते में खड़ा मिला। कमरे में ले जाने पर रचिता को इशारा किया तो उसने कुशाग्र का मोबाइल छीना। प्रभात ने कुशाग्र से कहा कि तुम्हारा अपहरण पैसों के लिए किया है। इस पर वह बोला कि तुम प्रैंक कर रहे हो। इस पर भागा, चिल्लाने लगा। चिल्लाने लगा तो सभी घबरा गए। एक सप्ताह पहले ही संतनगर चौराहा से रस्सी खरीदी थी।

हत्या के बाद कुशाग्र का सामान छिपाया

- रचिता ने कहा, तीनों ने अपहरण की प्लानिंग बनाई थी। प्रभात ने सिटी क्लब के सामने पहुंचकर रेकी की। 28 अक्टूबर को प्रभात के घर बैठकर फिरौती का पत्र लिखा। 30 अक्टूबर को प्रभात कुशाग्र को घर लाया। हत्या के बाद प्रभात व आर्यन ने घबराकर अपने मोबाइल, हेलमेट व पहनी शर्ट, कुशाग्र का मोबाइल, बैग, हेलमेट बोरी में भरकर तेजाब मिल कालोनी के पीछे छिपाया। फिरौती का लेटर फेंकतेसमय सीसीटीवी में कैद हुए।

चार लाख के लालच में शामिल हुआ शिवा

- प्रभात के दोस्त आर्यन ने कहा कि यह तय हुआ था कि जो रकम मिलेगी, उसमें चार लाख उसे मिलेंगे। उसने कुशाग्र के कोचिंग आने-जाने की रेकी की। सोचा फिरौती की रकम से उसकी तंगहाली दूर हो जाएगी। फिरौती का पत्र डालने वह प्रभात की स्कूटी से गया था। स्कूटी की नंबर प्लेट पर बनियान डाल दी थी। प्रभात अपार्टमेंट के पहले ही उतर गया था। गार्ड राजेंद्र ने बनियान हटाकर नंबर नोट कर लिया था। यह बात प्रभात को बताई थी। उसके बाद स्कूटी लेकर चाय पीने जेके मंदिर गए। जब घर पहुंचा तो कुशाग्र के परिजन रचिता के साथ प्रभात के घर में थे और कुशाग्र के बारे में पूछ रहे थे। हत्या के बाद रचिता की स्कूटी लेकर फिरौती का लेटर फेंकने गया।

सड़क किनारे बैठे वृद्ध की वैन ने छीनी जिंदगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सचेंडी में मवेशियों को चराने गए वृद्ध सड़क किनारे बैठकर निगरानी कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार वैन ने रौंद दिया। वैन की गति इतनी तेज थी कि चालक नियंत्रित नहीं कर सका और वैन सीधे खंती में जा घुसी। किसान की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजा। परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

भौंतीखेड़ा गांव निवासी 65 वर्षीय प्रकाश खेती किसानी करते थे। परिवार में पत्नी मूर्ति देवी, बेटे शिव किशोर, नंद किशोर व राज हैं। बेटों ने बताया कि बुधवार शाम साढ़े चार बजे पिता गांव के बाहर जानवर चरा रहे थे। जनवरों की निगरानी के लिए वहीं सड़क किनारे बैठ गए थे। तभी कानपुर देहात की ओर से आ रही वैन ने उन्हें रौंद दिया। तेज गति के कारण अनियंत्रित वैन सड़क किनारे खंती में जा घुसी। हादसा देखकर लोग दौड़े, तभी कार में बैठे दो युवकों में से एक भाग निकला। दूसरे युवक को लोगों ने पकड़ लिया। उसने बताया कि कार जालौन के कदौरा की है। सूचना पाकर पुलिस व परिजन पहुंचे। वृद्ध की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। सचेंडी थाना प्रभारी ने बताया कि वैन कब्जे में ली गई है। युवक से पूछताछ की जा रही है। परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

ओवरलोड ट्रैक्टर ने युवक को कुचला

कानपुर। हनुमंत विहार में दासु कुआं चौराहा के पास ओवरलोड ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक की जान ले लीष केशवनगर निवासी 24 वर्षीय राहुल द्विवेदी फ्लैक्स मशीन का काम करते थे। मां कंचन, छोटा भाई रोहन और बहन दीपांशी हैं। पिता अशोक द्विवेदी की 21 मई को मौत हुई थी। ममेरे भाई अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि राहुल नौबस्ता जा रहा था। दासु कुआं चौराहा के पास पीछे से ओवरलोड मौरंग लदे ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। वह बाइक समेत गिरा तो चालक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली का पहिया चढ़ा दिया। शोर मचाने पर चालक भाग निकला। युवक की मौत हो गई।

सटोरिया गैंग का खुलासा, 2 करोड़ नकदी और 62 किलो चांदी मिली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय सट्टा खिलाने वाले, शेयर ट्रेडिंग और हवाला कारोबार से जुड़े गैंग का खुलासा किया। पुलिस टीम ने कलक्टरगंज स्थित धनकुट्टी निवासी रमाकांत गुप्ता के मकान में छापेमारी कर मौके से करीब दो करोड़ रुपये नकद और 61.860 किग्रा. चांदी बरामद की। इलाके अलावा पैन ड्राइव, मॉडम और भारतीय व नेपाली करेंसी के नोट बरामद किए।

पुलिस ने मकान मालिक समेत पांच लोगों को हिरासत में लिया। जिनसे पूछताछ की जा रही है। साथ ही नकदी की गिनती कर रही है। वहीं आरोपितों से पूछताछ कर गैंग के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है। सूचना पर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल मौके पर जांच पड़ताल करने पहुंचे।

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया कि बीते कई दिनों से शहर में हवाला कारोबार, सट्टा कारोबार और अवैध रूप से शेयर ट्रेडिंग की शिकायत मिल रही थी। जिस पर गुरुवार रात को धनकुट्टी निवासी रमाकांत गुप्ता के घर में छापेमारी की गई। जहां से करीब दो करोड़ रुपये नकद, 61.860 किग्रा. चांदी, पैन ड्राइव, मॉडम, कम्प्यूटर, लैपटॉप आदि बरामद किए गए।

साथ ही मकान मालिक समेत किदवई नगर निवासी राहुल जैन, शिवम त्रिपाठी, यशोदा नगर गंगागंज निवासी सचिन गुप्ता और वंशराज को पकड़ा गया है। जिनसे पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपित क्रिकेट में सट्टा खिलाने, हवाला कारोबार और अवैध रूप से शेयर मार्केट में मार्केट ट्रेडिंग करते थे। आरोपितों का संबंध आगरा के हिस्ट्रीशीटर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बुकी से मिल रहे है।

छापेमारी के दौरान बरामद हुईकरेंसी। अमृत विचार

- कलक्टरगंज में रमाकांत गुप्ता के मकान में छापेमारी के दौरान भारतीय-नेपाली करेंसी मिली
- लैपटॉप, पैन ड्राइव और मॉडम बरामद, पांच लोगों को हिरासत में लेकर चल रही पूछताछ

आईआईटी में छात्र की मौत की जांच करेंगीं दो कमेटियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर में छात्र की मौत पर अब दो कमेटियां जांच करेंगी। मंगलवार को पीएचडी छात्र की मौत के बाद संस्थान ने पहले ही एक आंतरिक कमेटी का गठन किया था। इसके बाद गुरुवार को शिक्षा मंत्रालय की ओर से गठित कमेटी को भी 15 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट देनी है। माना जा रहा है कि नई बनी कमेटी संस्थान के छात्रों के साथ भी बातचीत कर उसे अपनी रिपोर्ट में शामिल करेगी।

आईआईटी कानपुर में हाल ही में छात्रों की आत्महत्याओं की दो घटनाएं हो चुकी हैं। यदि पूर्व की बात की जाए तो पिछले दो सालों में 9 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। मंगलवार को भी एक छात्र ने संस्थान ने छत से कूदकर अपनी जान दे दी थी। छात्र की मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस पर बुधवार को संस्थान की ओर से एक आंतरिक कमेटी का गठन जांच के लिए किया गया था। इस कमेटी को 20 दिन में अपनी रिपोर्ट सौपनी थी।

- शिक्षा मंत्रालय की ओर से भी तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित

बुधवार को ही शिक्षा मंत्रालय की ओर से संस्थान में जांच के लिए एक तीन सदस्यों की कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी के अध्यक्ष नेशनल एजुकेशन टेक्नोलॉजी फोरम के चेयरमैन प्रो अनिल डी सहस्त्रबुद्धे करेंगे। यह कमेटी छात्रों की मौत की जांच करेगी इसके साथ ही आत्महत्या रोके जाने के उपायों को भी सुझाएगी। पूरे मामले में संस्थान की ओर से कहा गया कि सभी आईआईटी संस्थानों में आत्महत्याएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इन समस्याओं के मूल कारणों का समाधान करना संस्थान की सामूहिक जिम्मेदारी है। संस्थान ने कई उपाय किए हैं, जिनमें पूर्णकालिक मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सा नेतृत्व के साथ मानसिक स्वास्थ्य कल्याण केंद्र को सुदृढ़ बनाना, सभी नए छात्रों के लिए अनिवार्य मानसिक स्वास्थ्य जांच, 24 घंटे चलने वाली आपातकालीन मानसिक स्वास्थ्य सहायता को बढ़ावा देने की जरूरत है।

खुलासा | दंपति समेत तीन लोग दबोचे गए, माल लाने वाले चौथे आरोपी की तलाश तेज

'भारत सरकार' वाली कार से नशे का कारोबार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। क्राइम मीटिंग में पुलिस कमिश्नर से शाबासी के बाद दक्षिण पुलिस ने मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले बड़े गिरोह का खुलाया किया है। करीब 30 लाख का माल, डिजिटल तराजू समेत आरोपी दंपती व ऑटो चालक को गिरफ्तार किया है। दंपती भारत सरकार लिखी स्कार्पियो व तीसरा आरोपी ऑटो से मादक पदार्थों की बिक्री करता था। शातिर वाहन से घूमते और फोन करके अपने लोकेशन की जानकारी देते। आर्डर के हिसाब से माल वाहन के अंदर ही तौलकर देते थे।

डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने गुरुवार दोपहर खुलासा करते हुए बताया कि राहगीर की सूचना पर बुधवार रात नौबस्ता बाईपास रोड स्थित विराटनगर कट के पास भारत सरकार लिखी सफेद स्कार्पियो कार को रोककर पति-पत्नी व उसके साथी को गिरफ्तार किया है। तीनों काफी समय से क्षेत्र में मादक पदार्थों की बिक्री कर रहे थे। स्कार्पियो की तलाशी लेने पर उससे 1420 ग्राम गांजा, 115 ग्राम चरस, 20 ग्राम भूरा पाउडर, दो डिजिटल तराजू व एक लाख रुपये बरामद किए गए।

पकड़े गए शातिरों से पूछताछ करने पर अपना नाम हनुमंत विहार के केशवनगर निवासी तेज बहादुर सोनकर उर्फ राजबहादुर उर्फ टीटू व उसकी पत्नी आशा बताया। तीसरा आरोपी गुजैनी मेहरबान सिंह का पुरवा नई बस्ती का भीम सिंह है। आरोपी दंपती ने बताया कि भीम सिंह को एक ऑटो दे रखा था। जिससे वह आसपास के इलाकों में घूमकर मादक पदार्थों की बिक्री करता था।

डीसीपी के अनुसार पति-पत्नी सफेद स्कार्पियो से घूमकर नशे की बिक्री करते थे, जबकि भीम ऑटो से। चकेरी के लाल बंगला निवासी टीटू का छोटा भाई वीर बहादुर सोनकर नशे की सामग्री उपलब्ध कराता था। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पकड़े जाने पर पता चलेगा कि माल कहां से लाता था। पुलिस के अनुसार आरोपी बचने के लिए भारत सरकार लिखी कार इस्तेमाल करता था। शातिर लंबे समय से नशे की सप्लाई कर रहे थे। पकड़े गए माल की कीमत 30 लाख से अधिक है। टीटू के खिलाफ किदवई नगर, नौबस्ता व हनुमंत विहार में चोरी व एनडीपीएस के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस को 25 हजार के इनाम की घोषणा हुई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी मोबाइल फोन से कस्टमर से बात करते। सौदा होने पर ऑटो या स्कार्पियो से मादक पदार्थ की आपूर्ति की जाती। इस तरह आरोपी पुलिस को चकमा दे रहे थे। वाहन के अंदर ही आर्डर का माल तौला जाता था। आरोपी दंपती ने कार सेकेंड हैंड खरीदी थी, लेकिन उस पर लिखा भारत सरकार नहीं हटवाया था, जिससे वह लोगों को गुमराह कर रहे थे।

पुलिस के हाथ लगे नशीले कारोबार के सौदागर। अमृत विचार

रावतपुर में पुलिस मठभेड़ में लुटेरा घायल, दो फरार

संवाददाता, कल्याणपुर

अमृत विचार। रावतपुर के दहलन रोड पर बुधवार देर रात गस्त कर रही पुलिस की तीन लुटेरों से मुठभेड़ हो गई। जिसमें एक लुटेरे के पैर में गोली लगी, जबकि उसके दो साथी मौके से भागने में कामयाब हो गए। घायल लुटेरे को पुलिस उपचार के लिए सीएचसी बारासिरोही लेकर गई। घायल लुटेरे ने साथियों के साथ मिलकर 14 दिन पहले सेवानिवृत महिला दरोगा के साथ लूट की घटना को अंजाम दिया था।

रावतपुर के केशवपुरम निवासी ज्ञानेंद्र स्वरूप दुबे जनपद मिर्जापुरम में डिप्टी जेलर के पद पर तैनात है। सीबीसीआईडी से रिटायर उनकी दारोगा पत्नी मंजूलता घर पर रहती है। गत आठ जनवरी को वह घर के बाहर धूप सेंक रही थी। तभी वहां पहुंचे बाइक सवार तीन युवक पता पूछने के बहाने उनकी चेन तोड़कर भाग निकले थे। मामले की जांच में जुटी रावतपुर पुलिस व क्राइम ब्रांच टीम ने बुधवार देर रात दलहन रोड पर बाइक सवार तीन संदिग्धों को रोका, तो युवकों ने भागने का प्रयास करते हुए पुलिस कर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक लुटेरे के पैर में गोली लगी, जबकि उसके साथी मौके से भाग निकले। पूछताछ में घायल लुटेरे ने अपनी पहचान गोंडा के पश्चिम कर्नलगंज के सकरउरा गांव निवासी नियाज़ अहमद बताई है। जो लखनऊ के दुबग्गा डबल टंकी में रह रहा था।

- केशवपुर में रिटा. महिला दरोगा से 14 दिन पहले की थी चेन लूट

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

छावनी परिषद की बैठक में कार्यों को मंजूरी

कानपुर। छावनी परिषद की गुरुवार को हुई बैठक में 18,49000 रुपये के विकास कार्य को स्वीकृत मिली है। नामित पार्षद लखन ओमर ने बताया कि छावनी क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के विकास कार्य को कराने के लिए बैठक ने अपनी मंजूरी दी है।

लापरवाही भारी पड़ी डीएम ने काटा वेतन

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में देर शाम बैठक हुई जिसमें सभी एमओआईसी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े, लेकिन समीक्षा के दौरान चार एमओआईसी अपने तैनाती स्थल के बजाय अन्य स्थानों से बैठक में शामिल पाए गए। जिलाधिकारी ने एमओआईसी भीतरगांव, चौबेपुर, कल्याणपुर और बिधनू का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए।

पुण्यतिथि मनाई गई

कानपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय नवीन मार्केट में गुरुवार को विचार गोष्ठी आयोजित हुई। जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी कानपुर ग्रामीण व पूर्व विधायक मुनीन्द्र शुक्ला की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि भी दी गई। विचार गोष्ठी में समाजवादी आंदोलन में जनेश्वर मिश्र की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। नई पीढ़ी को उनके संघर्ष, त्याग और समाजवादी मूल्यों के प्रति उनके समर्पण से अवगत कराया गया। वक्ताओं ने उनके आदर्शों पर चलकर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सोमेन्द्र शर्मा,नसीम रज़ा, डॉ रमेश कुशवाहा, मगन सिंह भदौरिया, हरि प्रसाद कुशवाहा सहित अन्य मौजूद रहे।

गुरुवार को शहर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। अमृत विचार

क्षेत्रीय सम्मेलन में पंकज चौधरी के साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, सांसदों और मंत्रियों ने भाग लिया। अमृत विचार

पंकज चौधरी पर क्रेन-बुलडोजर से बरसीं फूल-मालाएं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का जाजमऊ गंगा पुल से सीएसजेएमयू तक रोड शो के दौरान हुआ जगह-जगह स्वागत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी का पहली बार शहर आगमन पर ऐतिहासिक स्वागत हुआ। जाजमऊ से छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय तक जनसैलाब और फूलों की बारिश ने माहौल भाजपामय कर दिया। जगह-जगह स्वागत की होड़ लगी रही। ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच कहीं क्रेन से पुष्प वर्षा हुई और मालाएं पहनाई गईं। कहीं बुलडोजर पर चढ़कर स्वागत हुआ। अध्यक्ष जाजमऊ में गंगा नदी में नाव पर सवार हुए और मछुआरों संग भगवा रंग के गुब्बारे आसमान में छोड़े।

इसके बाद सीएसजेएमयू तक करीब 22 किमी लंबे मार्ग पर सजे-धजे तोरण द्वार, भगवा ध्वज, होर्डिंग-बैनरों के अलावा आगे चल रही फ्लावर गन से लगातार फूलों की बारिश के बीच 'राजतिलक की करो तैयारी, आ रहे हैं भगवाधारी', 'जय-जय श्रीराम' के उद्घोष, जोशीले गीतों और नारों पर उत्साह आसमान छूता नजर आया। जाजमऊ गंगा पुल पर बने स्वागत मंच पर सांसद रमेश अवस्थी, देवेंद्र सिंह भोले, विधायक अभिजीत सिंह सागा, विधायक महेश त्रिवेदी, एमएलसी अरुण पाठक, जलशक्ति मंत्री रामकेश निषाद, महापौर प्रमिला पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण के जिलाध्यक्ष मौजूद रहे। यहां भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने एक कुंतल फूलों की माला पहनाकर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। फूलबाग पर प्रदेश अध्यक्ष ने वाहन से उतरकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। बड़ा चौराहा पर उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित के नेतृत्व में 50 फीट ऊंची हाइड्रा मशीन से 11 कुंतल की फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते जीत प्रताप सिंह। अमृत विचार

- गंगा नदी में नाव पर सवार होकर मछुआरों के साथ भगवा रंग के गुब्बारे आसमान में छोड़े गए

मंत्री राकेश सचान के घर पहुंचे पंकज चौधरी

- **कानपुर।** शाम को अध्यक्ष पंकज चौधरी कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के किदवई नगर स्थित आवास पर पहुंचे और परिजनों से भेंट की। चौधरी ने वहां सचान की नवविवाहिता बेटी और दामाद को आशीर्वाद दिया। परिवार से परिचय प्राप्त करने के बाद भोजन भी किया। बताया जाता है कि शहर के एक और नेता भी चौधरी को अपने आवास ले जाने की कोशिश में थे, पर सफल नहीं हुए। इस भौकाल के सवाल की भी नेताओं के बीच खासी चर्चा रही। वहीं सांसद रमेश अवस्थी, विधायक महेश त्रिवेदी, राहुल बच्चा सोनकर, सरोज कुरील, ज़िलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह सहित कई नेता भी मौजूद रहे। उधर बड़ा चौराहा पर मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी,विनीत द्विवेदी,नरोत्तम त्रिवेदी,मंगल अवस्थी,प्रदीप मिश्रा, अधिवक्ता प्रदीप तिवारी ,राकेश द्विवेदी, सर्वोदय नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय सिंह आदि के साथ तमाम भाजपाई शामिल रहे।

शब्दों से नहीं, कर्म से जवाब देने में भरोसा

- सीएसजेएमयू के लक्ष्मीबाई सभागार में क्षेत्रीय बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि कानपुर का अपना यूनीक कल्चर है। जब उनके अध्यक्ष बनने की घोषणा हुई, तब कुछ लोगों ने कहा कि भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष ने हमेशा केन्द्र की राजनीति की है। लेकिन मैंने सब सुना और चुप रहा क्योंकि शब्दों से नहीं मैं कर्म से जवाब देने में विश्वास रखता हूँ। कार्यकर्ता का दायित्व किसी भी दायित्व से बड़ा है, मुझसे, आपसे, हम सबसे बड़ा है। संगठन ही हम सबकी स्ट्रेंथ है और अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण है। यह गौरव का विषय है कि हम सब ऐसे लीडर के नेतृत्व में काम कर रहे हैं जो विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं और जिन्हें विश्व के 28 देशों ने अपने देश के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया है। यही वजह है कि अमेरिकी टैरिफ के बाबजूद देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। एक्सप्रेसवे, डिफेंस एक्सपोर्ट, स्टार्टअप कल्चर से देश विश्व में सामरिक और आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है। पहले भारत बोलता था तो कोई सुनता नहीं था, मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत की बात विश्व सुनता भी है और मानता भी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में 2017 से बडी विजय के लिए हमें जुटना है। इस समय विशेष गहन पुनरीक्षण का सेकंड फेज चल रहा है। हमे जुटकर एक-एक घर में पहुंचकर किसी भी कारण से अब तक छूटे हुए मतदाताओं के नाम जुड़वाने का काम करना है। इसके साथ ही भारत- जी राम जी अधिनियम की सच्चाई लोगों तक पहुंचानी है।

नीचे फिसले सोना-चांदी के भाव

कानपुर। सोना और चांदी के कई दिनों से रॉकेट बने भाव गुरुवार को बसंत पंचमी से पहले ऑलटाइम हाई से फिसलकर कुछ नीचे आ गए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा यूरोपीय यूनियन पर 10 फीसदी नया टैरिफ लगाने की घोषणा वापस लेने के असर बाजार पर दिखा। इसके चलते सोना-चांदी के दामों में गिरावट दर्ज की गई।

गुरुवार को चांदी 15 हजार से ज्यादा सस्ती हो गई। इसके बावजूद अभी चांदी की कीमत तीन लाख प्रति किलो के पार बनी हुई है। सोने की कीमतों में भी कमी आई, ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, बुधवार को 22 कैरेट सोने का भाव 1,41,272 था, जो गुरुवार को 1,38,773 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सराफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 1,60,000 प्रति दस ग्राम तक पहुंच गया था, जो गुरुवार को घटकर 1,56,450 दर्ज किया गया। सोने और चांदी के लगातार बढ़ते दामों से शहर के थोक सर्राफा बाजार चौक और नयागंज में ग्राहकों की चहल-पहल पहले की तरह कम रही। कारोबारियों के अनुसार छह माह पहले गहनों की खनक और मशीनों की आवाज से गुलजार रहने वाले यह बाजार इन दिनों सन्नाटे का सामना कर रहे हैं। महंगे भाव के कारण न तो थोक कारोबारियों को अपेक्षित ऑर्डर मिल रहे हैं और न ही कारीगरों के पास पर्याप्त काम बचा है।

विरोध प्रदर्शन के लिए निकले कांग्रेसियों को रोकती पुलिस टीम। अमृत विचार

पंकज चौधरी तक नहीं पहुंच पाए कांग्रेसी, पुलिस ने घेरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नारा गूंजा- भाजपा है गांधी विरोधी संत विरोधी, संविधान विरोधी
- राम धुन गाते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंचना चाहते थे कांग्रेसी

अमृत विचार। मनरेगा से बापू का नाम हटाने, प्रयागराज और वाराणसी में हिंदू साधु संतों और हिंदू आस्था का अपमान करने और संविधान से छेड़छाड़ कर दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के साथ अन्याय करने के विरोध में रघुपति राघव राजाराम राम धुन गाते हुए कांग्रेसी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी तक अपना विरोध दर्ज कराना चाहते थे लेकिन ऐन वक्त पर पुलिस को कांग्रेसियों की तैयारी का पता चल गया और पुलिस ने कैंट में भी कांग्रेसियों की घेराबंदी कर ली।

गुरुवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के कानपुर प्रथम आगमन पर रोड शो के दौरान महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में कांग्रेसी रामधुन गाते हुए संविधान की प्रति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को सौंपना चाहते थे और भाजपा पर गांधी विरोधी, संत विरोधी और संविधान विरोधी का आरोप लगाकर संवैधानिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराने का कार्यक्रम रखा था लेकिन उससे पहले ही प्रशासन को भनक लग गई। भारी पुलिस बल ने महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता के छावनी निवास पर कांग्रेसियों को घेर लिया। इस दौरान पुलिस से कांग्रेसियों की झड़प भी हुई। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि बापू का नाम मनरेगा से हटाना भाजपा की गांधी विरोधी मानसिकता का परिचय है। पदम मोहन मिश्रा, अजय श्रीवास्तव शीलू, संजय दीक्षित, राजशेखर वर्मा,राम शंकर राय, मुकेश कन्नौजिया, विनय पांडे, मो. अकील, शांतनु दीक्षित, रवि बाजपेई, विनोद अवस्थी, अल्ताफ अहमद, प्रदीप यादव आदि थे।

इस्पात नगर के विकास के लिए टॉस्क फोर्स

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इस्पात नगर औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए फीटा की ओर से एक टॉस्क फोर्स का गठन किया जाएगा। यह टॉस्क फोर्स विकास के लिए रणनीति बनाकर उसके लिए संघर्ष करेगी। इस्पात नगर में हुई बैठक में यह तय किया गया कि जल्द ही टॉस्क फोर्स में शामिल उद्यमियों के नामों की घोषणा की जाएगी।

बैठक के दौरान फीटा की ओर से हुई बैठक की अध्यक्षता संस्था के महामंत्री उमंग अग्रवाल ने की। इस दौरान मुख्य रूप से भूमि का भू-उपयोग व्यावसायिक व रिहायशी से औद्योगिक करने में प्रक्रिया बहुत जटिल होने के कारण उद्यमी अपने क्षेत्र को परिवर्तित नहीं कर पा रहे हैं। जिस समस्या को उद्यमी रजत गुप्ता द्वारा रखा गया। जिस पर यह निर्णय हुआ इस समस्या के लिए केडीए उपाध्यक्ष के समक्ष रखकर समाधान कराया जाएगा।

इसी तरह उद्यमी प्रदीप केडिया की ओर से कहा गया कि पूरे इस्पात नगर व्यापार नगर क्षेत्र में सड़के और गहरे गड्ढे है। निर्णय हुआ की सबसे पहले क्षेत्र में सीवर लाइन का कार्य कराया जाएगा। उसी के बाद नालियां बनेगी और फिर सड़के बनेगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो सड़कों का निर्माण होने के बाद यदि सीवर लाइन डाली गई या नाली बनी तो सारी नई बनी सड़के क्षतिग्रस्त हो जाएगी और धन की बर्बादी होगी। इसके लिए संस्था का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मंडलायुक्त से मिलेगा।

उधर उद्यमी अजीत मिश्रा ने कहा कि क्षेत्र में अतिक्रमण की समस्या बहुत है। इसकी वजह से क्षेत्र अपना स्वरूप खो रहा है। तय हुआ कि इस समस्या पर पुलिस आयुक्त से मिलकर समस्या के निदान कराया जाएगा। उद्यमी अमित श्रीवास्तव ने कहा कि क्षेत्र में 30 वर्षों से अंधकार है और स्ट्रीट लाइट नहीं लगी हैं। जो टेंडर हो रहा है उसमें लाइट की संख्या काफी कम है। निर्णय हुआ कि क्षेत्र में लगभग 35 सौ स्ट्रीट लाइट की आवश्यकता है जिसे लगवाने के लिए नगर आयुक्त से अनुरोध किया जाएगा। फीटा के महामंत्री उमंग अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए यहां के उद्यमियों के साथ एक टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। जो क्षेत्र की सभी समस्याओं को समयबद्ध तरीके से निस्तारित कराएगा।

इस्पात नगर में बैठक करते उद्यमी। अमृत विचार

- फीटा की बैठक में हुआ तय, टॉस्क फोर्स विकास का खाका खींचेगी

एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के लिए भूमि सर्वे का प्रथम चरण पूरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग और रेलवे की संयुक्त टीम ने पूरा किया सर्वे

अमृत विचार। मंधना-अनवरगंज के बीच प्रस्तावित 15.51 किमी लंबे एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के लिए अधिग्रहीत की जाने वाली भूमि के अंश निर्धारण सर्वे का गुरुवार को पहला चरण पूरा कर लिया गया। इसमें लगी लोक निर्माण, राजस्व विभाग और रेलवे के इंजीनियरों की टीम ने मंधना से कोकाकोला चौराहे तक लगभग 13 किलोमीटर क्षेत्र में सर्वे कार्य पूरा करके 200 से अधिक आवासों को मुआवजा वितरण के लिए चिह्नित किया है।

एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के लिए 22,306 वर्ग मीटर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। लोक निर्माण, राजस्व विभाग और रेलवे की संयुक्त टीम अब कोकाकोला चौराहे से जरीबचौकी के आगे शेष ढाई किलोमीटर हिस्से पर भूस्वामियों के अंश निर्धारण का काम अगले चरण में पूरा करेगी। भू-स्वामियों को 35.87 करोड़ रुपये मुआवजा वितरित किया जाना है। टीम ने सर्वे में प्रभावित होने वाले मकानों और दुकानों के स्वामियों की पहचान गाटा संख्या के आधार पर की है, ताकि मुआवजा वितरण में किसी प्रकार की परेशानी न आए।

एलिवेटेड रेलवे ट्रैक बनने से मंधना से जरीब चौकी तक फर्रुखाबाद रेलवे ट्रैक पर शहर के भीतर पड़ने वाली 18 रेलवे क्रासिंग पर लगने वाले जाम से लोगों को निजात मिलेगी। इससे करीब 30 लाख आबादी को सीधा लाभ होगा।

क्रॉस कंट्री रेस में अभिषेक व प्रज्ञा प्रथम

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से अंतरमहाविद्यालय क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता की शुरुआत शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार सिंह यादव ने की। प्रतियोगिता में बालक वर्ग के लिए 10 किलोमीटर तथा बालिका वर्ग के लिए 5 किलोमीटर की क्रॉस कंट्री दौड़ आयोजित की गई। जिसमें विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में 10 किलोमीटर में अभिषेक ने प्रथम स्थान, सत्यम ने द्वितीय स्थान तथा साहिल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह बालिका वर्ग 5 किलोमीटर में प्रज्ञा कुशवाहा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र। अमृत विचार

बैंक कर्मियों ने निकाली रैली

कानपुर। युनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन की ओर से 27 को बंदी के आह्वान पर गुरुवार को रैली निकाली गई। यह रैली बड़ा चौराहा से फूलबाग चौराहे पहुंची। रास्ते में कर्मचारी अपनी मांगों से संबंधित नारे लगा रहे थे। इस दौरान संयोजक रजनीश गुप्ता ने बताया कि युनियन की ओर से देशभर के 8 लाख बैंक कर्मियों को हड़ताल का आह्वान किया गया है।

रैली निकालते बैंककर्मी। अमृत विचार

त्रिआयामी रूप से विकसित | आईआईटी कानपुर के शोधार्थियों ने 30 साल के आंकड़ों का किया इस्तेमाल

सूर्य के भीतर चुंबकीय क्षेत्र का मॉडल बनाया

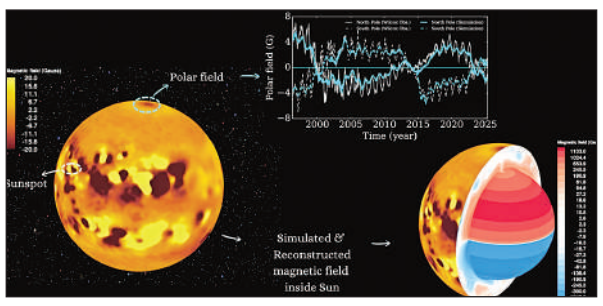

आईआईटी ने सूर्य के भीतर चुंबकीय क्षेत्र का मानचित्र तैयार किया। अमृत विचार

सौम्यदीप चटर्जी और प्रो. गोपाल हज़रा।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर की ओर से सूर्य के भीतर मौजूद चुंबकीय क्षेत्र का मानचित्र तैयार किया है। इस मानचित्र के लिए शोधकर्ताओं ने 30 सालों के सतही प्रेक्षणीय आंकड़ों को त्रिआयामी रूप से विकसित किया है। इस शोध से सूर्य किस प्रकार अंतरिक्ष मौसम को संचालित करता है यह साफ होने में सहायता करेगा। जो उपग्रहों, रेडियो संचार, नेविगेशन प्रणालियों और तकनीकी परिसंपत्तियों को बाधित कर सकता है।

आईआईटी कानपुर के भौतिकी विभाग के पीएचडी छात्र सौम्यदीप चटर्जी और प्रो. गोपाल हज़रा के साथ हाल ही में एक अध्ययन द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशित किया है। शोधकर्ताओं ने एक त्रिआयामी डायनेमो मॉडल विकसित किया, जो तीन दशकों तक के सौर सतह चुंबकीय क्षेत्र के दीर्घकालिक प्रेक्षणीय आंकड़ों को आत्मसात करता है। 30 वर्षों के सतही चुंबकीय क्षेत्र के आंकड़ों को एक थ्रीडी संगणकीय मॉडल में जोड़कर, अध्ययन यह जांच करता है कि बड़े पैमाने पर औसत चुंबकीय पैटर्न समय के साथ कैसे विकसित होते हैं और सूर्य के भीतर पूरे त्रिआयामी चुंबकीय क्षेत्र का मानचित्रण करता है। इस पद्धति के पीछे यह विचार है कि यदि सूर्य के गहरे भीतर मौजूद चुंबकीय क्षेत्र सतह की चुंबकीय संरचना को आकार देने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं, तो उनके संकेत लंबे समय तक एकत्र किए गए सतही अवलोकनों में जरूर दिखाई देंगे।

मॉडल प्रेक्षणीय आंकड़ों पर आधारित

- इस शोध की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह पूरी तरह सैद्धांतिक सिमुलेशनों के बजाय प्रेक्षणीय आंकड़ों पर दृढ़ता से आधारित है। वास्तविक डेटा से जुड़े होने के कारण, शोधकर्ता सूर्य की सतह के नीचे मौजूद चुंबकीय क्षेत्रों की तीव्रता, संरचना और विकास पर सार्थक सीमाएं निर्धारित करने में सक्षम हुए हैं। इस मॉडल का सत्यापन सौर ध्रुवीय चुंबकीय क्षेत्र के अवलोकनों के माध्यम से किया गया है। यह ध्रुवों के पास फैला हुआ एक चुंबकीय क्षेत्र है, जिसे अगले सौर चक्र की तीव्रता का एक महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।

सौर चक्र के शिखर का पूर्वानुमान लगाने में सक्षम

- शोधकर्ताओं का यह भी सुझाव है कि उनका यह शोध अगले सौर चक्र के शिखर का पूर्वानुमान लगाने के लिए अत्यंत मजबूत है। सौर चक्र के अन्य किसी भी पूर्वानुमान मॉडल की तुलना में अधिक यथार्थवादी है। यह अध्ययन यह भी दर्शाता है कि बड़े पैमाने के प्रेक्षणीय आंकड़ों के साथ संगणकीय मॉडल का संयोजन इस क्षेत्र का भविष्य है। इसके साथ ही यह अंतरिक्ष मिशनों और प्रौद्योगिकियों को सौर गतिविधि से सुरक्षित रखने के लिए दीर्घकालिक योजना बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

25 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस नाम जोड़ने, सुधारने का मौका

- सभी 10 विधानभा के 3770 बूथों पर मौजूद रहेंगे बीएलओ
- 31 जनवरी 01 फरवरी को भी मतदान केंद्र पर आवेदन करें

01 फरवरी को होगा बूथ डे का आयोजन

18 वर्ष आयु पूरी करने वाले युवा बनें मतदाता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एसआईआर अंतर्गत 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर सभी 10 विधानसभा क्षेत्र के 3770 बूथों पर प्रातः 10.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक बीएलओ मौजूद रहेंगे और इस मौके पर मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं सुधारने का सुनहरा मौका होगा।

अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दिन विशेष अभियान चलाया जाएगा। सभी 3770 बूथों पर बीएलओ मौजूद रहेंगे। इसके अतिरिक्त 31 जनवरी और 01 फरवरी को भी बूथ डे का आयोजन किया जाएगा, जिनमें मतदाता सीधे अपने मतदान केंद्र पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस अवधि में नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम विलोपन, प्रविष्टियों में संशोधन, पता परिवर्तन और डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र से संबंधित आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इसके लिए निर्धारित प्रारूपों में आवेदन ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, बूथ लेवल अधिकारी या विशेष अभियान की तिथियों में सीधे मतदान केंद्र पर उपस्थित बीएलओ को दिए जा सकते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वही व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने के पात्र हैं, जो अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हों या उक्त तिथि को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेंगे। इसके साथ ही 01 अप्रैल, 01 जुलाई और 01 अक्टूबर की अर्हता तिथियों के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र नागरिकों के आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे और नियमानुसार उनके नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे।

सिटी ब्रीफ

वसंत पंचमी पर्व आज

कानपुर। शहर में शुक्रवार को बसंत पंचमी पर्व मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य के अनुसार इस बार बसंत पंचमी पर्व पर विशेष संयोग बना है। पर्व पर सुबह स्नान दान के साथ ही मां सरस्वती का पूजन भी किया जाएगा। मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। किदवई नगर स्थित जंगली देवी मंदिर में भक्तों की ओर से विशेष आरती और महाप्रसाद का आयोजन होगा। इस दिन मंदिर का वार्षिकोत्सव भी है। तपेश्वरी मंदिर, चंद्रिका देवी मंदिर, बारादेवी मंदिर में आने वाले भक्तों की भीड़ को देखते हुए खास इंतजाम किए गए हैं।

24 यूनिट रक्तदान

कानपुर। श्री रामलला मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ पर दीनदयाल वाटिका फूलबाग में राम उत्सव मनाया गया। इस दौरान रक्तदान शिविर व सार्वजनिक महाप्रसाद का वितरण हुआ। आरती एमएलसी सलिल विश्नोई ने की। इस दौरान दीनदयाल वाटिका संस्थापक गोपी कृष्ण ओमर की प्रथम पुण्यतिथि भी मनाई गयी। रक्त दान शिविर मे 24 यूनिट रक्तदान हुआ। यहां अध्यक्ष आकाश ओमर, पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी, मुकुंद मिश्र, सुनील बजाज, विजय गुप्ता, भूपेन्द्र गर्ग, बलराम ओमर, देवा ओमर, संजय गुप्ता, योगेश पांडे, रमाशंकर अग्रहरि मौजूद रहे।

ऑनलाइन कार्यशाला हुई

कानपुर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एनबीईएमएस का ऑनलाइन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के फैकल्टी एवं नर्सिंग स्टाफ शामिल हुए। बताया गया कि कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग, आधुनिक तकनीकों तथा डिजिटल टूल्स की जानकारी प्रदान करना है। 6 महीने के 20 सत्रों में यह स्पष्ट किया जाएगा कि एआई तकनीकें शिक्षण–प्रशिक्षण प्रक्रिया, क्लिनिकल निर्णय, विद्यार्थी मूल्यांकन, अनुसंधान तथा पेशेंट केयर को अधिक सटीक, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बना सकती हैं।

कर्मचारी मुद्दों पर चर्चा

कानपुर। संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति नगर निगम जलकल कानपुर की गुरुवार को बैठक हुई। बैठक में स्वस्थ विभाग के कार्यों का निजीकरण का टेंडर करना एवं फेस अटेंडेंस को समाप्त करना, समय से आउटसोर्स का वेतन दिए जाने, सफाई कर्मचारियों को सुबह 5 बजे की ड्यूटी में शिथिलता प्रदान करने सहित अन्य पर चर्चा हुई। तय हुआ कि 27 जनवरी को दाबारा आम सभा कर कार्यबंदी की घोषणा कर दिया जाएगा। बैठक में किसनलाल सुदर्शन, धीरज गुप्ता, हरिओम वाल्मीकि, अजीत बाघमार, मुन्ना हजारिया, रमाकांत मिश्र मौजूद रहे।

किट पाकर बच्चों के चेहरे खिले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। डोनार्सी शोसल वेलफेयर चेरीटेबिल एसोसिएशन ने अपने प्रथम स्थापना दिवस पर जरुरतमंद 150 बच्चों को पाठ्य सामग्री की किट भेंट की तो बच्चों को चेहरे खिल उठे। एसोसिएशन के सदस्यों ने समाज के प्रतिष्ठित लोगों के साथ परम पिता परमेश्वर भगवान शंकर का रुद्राभिषेक कर आर्शीवाद प्राप्त किया।

गुरुवार को एसोसिएशन ने समाज सेवा कार्य में जुड़े लोगों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में युग दधीच देहदान अभियान के संस्थापक मनोज सेंगर ने देहदान के महत्व को समझाया। दिव्यांग डेवलेपमेन्ट सोसाइटी की निदेशक एवं देवदूत वानर की कोषाध्यक्ष मनप्रीत कौर ने दिव्यांगों के लिए समर्पित सेवा का संकल्प दोहराया। संतोष सिंह चौहान ने युवाओं एवं युवतियों को आगे आकर रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया और रक्तदान के महत्व को बताया। सरदार तरनजीत सिंह एवं एसोसिएशन के संस्थापक केके सिंह मुन्ना चौहान ने विचार रखे। यहां तमाम लोग मौजूद रहे।

जरुरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री भेंट करते संस्था के पदाधिकारी। अमृत विचार

आधा दर्जन ग्राम प्रधानों पर भ्रष्टाचार की आंच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ग्राम पंचायत चुनाव करीब आते ही एक दूसरे की पोल खोलने में जुटे
- विकास कार्यों के विभिन्न मदों में किये गये खर्च की हो रही जांच

अमृत विचार। ग्राम पंचायत चुनाव करीब है, जिससे गांवों में गुटबाजी चरम पर है और एक-दूसरे को मात देने में लोग जुटे हैं। एक-दूसरे की शिकायत अधिकारियों से की जा रही है। लगभग 60 ग्राम प्रधानों पर हेराफेरी की शिकायत विभिन्न स्तर पर की गई, जिसकी जांच कराई गई तो लगभग आधा दर्जन ऐसे ग्राम प्रधान हैं, जिन पर भ्रष्टाचार की तलवार लटकी है, बाकी सब क्लीन मिले हैं।

जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार का कहना है कि कई ग्राम प्रधानों के खिलाफ शिकायत आई थी, जिसकी जांच कराई गई है। कुछ ऐसे ग्राम प्रधान हैं, जो शक के दायरे में हैं। जैसा कि ग्राम प्रधान गांव में कैसे विकास करना है, इसको लेकर बैठक करके सारी योजनाएं अधिकारियों के साथ बनाते हैं। ग्राम प्रधान के कार्य समग्र विकास के जुड़े होते हैं, जिसमें प्रमुख रूप से नाली, खड़ंजा, बिजली पानी जैसे आधारभूत सुविधाएं, रखरखाव, सरकारी योजदना को लागू करना, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े होते हैं। जन्म-मृत्यु का रिकार्ड भी ग्राम प्रधान के पास मिलता है। बताते चलें कि ग्राम प्रधान गांव का मुखिया होता है जो गांव के विकास एवं सुशालन के लिए जिम्मेदार है, ग्राम प्रधान जमीनी स्तर पर काम करता है और ग्रामीणों की समस्याओ का निदान करता है।

ग्राम पंचायत के कार्य

- बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करना (पहली से आठवीं तक मुफ्त शिक्षा) आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी करना है।
- गांव के लिए सडकें, बिजली, सार्वजनिक स्थान मंदिर कब्रिस्तान का रखरखाव की योजनाएं बनाना
- केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार को गांव तक पहुंचाने के साथ ही उसे लागू भी कराना।
- ग्राम सभा की बैठकों की अध्यक्षता करना, गांव के मामलों पर चर्चा करना।
- ग्राम पंचायत के बजट एवं खर्चों की व्यवस्था करना, उनका हिसाब रखना।
- गरीबों, विधवाओं और बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा एवं सामाजिक समरसता बनाए रखना।
- जन्म–मृत्यु, विवाह एवं अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का रिकार्ड

जाजमऊ में गंगा पर पुल बनाएं शुक्लागंज बाईपास को जोड़ें

एक्सप्रेसवे पर तो मिलेगी रफ्तार, पर शहर में ट्रैफिक समस्या से ज्यादा लाभ नहीं

जनता का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे खुलने के लिए तैयार है। एनएचएआई अधिकारियों का कहना है कि मार्च के अंतिम सप्ताह तक सभी काम पूरे हो जाएंगे। इसके बाद वाहन सवार इस मार्ग पर फर्राटा भरते हुए अधिकतम पौन घंटे में कानपुर से लखनऊ पहुंच सकेंगे। लेकिन शहरवासियों का कहना है कि भले ही एक्सप्रेसवे पर यातायात जाम और वाहनों की बेढंगी चाल तथा सड़क किनारे अतिक्रमण की समस्या न होने से तेज रफ्तार सुलभ हो जाए, लेकिन शहर से एक्सप्रेसवे के प्रवेश द्वार जाजमऊ गंगापुल के आगे आजाद चौराहा तक पहुंचने या लखनऊ से आने पर वहां से नीचे उतरकर गंतव्य तक पहुंचने में ट्रैफिक समस्या के कारण लगने वाले समय से सफर धक्का मार जैसा ही रहना है। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का प्रवेश द्वार जाजमऊ गंगापुल के आगे उन्नाव में स्थित है। यहां तक पहुंचने का पहला रास्ता जाजमऊ गंगापुल होकर है, तो दूसरा मार्ग शुक्लागंज के मरहला चौराहा से लखनऊ बाईपास मार्ग के रास्ते है। लेकिन शहर के बीच से गुजरकर इन दोनों ही मार्गों से जाने में सामान्य परिस्थितियों में कम से कम एक घंटा और व्यस्त समय में इससे अधिक समय लगना अपरिहार्य है। ऐसी स्थिति में जाजमऊ में गंगा पर एक और पुल बनाकर एक्सप्रेस वे का सफर करने वालों को कुछ राहत प्रदान की जा सकती है।

यही स्थिति शुक्लागंज के मरहला चौराहा मार्ग की है, अभी सरैया क्रासिंग पुल नहीं बनने के कारण गंगा बैराज मार्ग से आने-जाने में दुश्वारियां पहले की ही तरह हैं, और शुक्लागंज होकर नए गंगा पुल से फूलबाग पहुंचना व्यस्त समय टेढ़ी खीर है। इसे देखते हुए व्यापारियों, उद्यमियों और समाज के अन्य वर्गों की राय है कि एक्सप्रेस वे तक आने-जाने के लिए कोई न कोई सुगम मार्ग विकसित किए बिना सैकड़ों करोड़ की इस महत्वाकांक्षी योजना का पूरा लाभ लोगों को नहीं मिलने वाला है, ऐसा होने पर ही समय और ईंधन की बचत का सही फायदा वाहन सवारों को मिल सकेगा।

> जाजमऊ में गंगा पर नया पुल बनना बहुत ही जरूरी है। जब शहर के इंट्री प्वाइंट पर ही जाम लग जाएगा तो फिर इस एक्सप्रेस वे का कोई लाभ नहीं मिलेगा। पुल निर्माण जरूरी है।
>
> – अतुल सेठ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पीआईए

> एक्सप्रेस वे का निर्माण होने से लखनऊ तक आवागमन तो आसान हो जाएगा, लेकिन जाजमऊ में जाम की समस्या का समाधान बिना पुल के निर्माण के नहीं होगा।
>
> – शेष नारायण त्रिवेदी, अध्यक्ष नौघड़ा कपड़ा कमेटी

> जब एक्सप्रेस वे का प्रोजेक्ट बना था तभी पुल का भी प्रोजेक्ट बन जाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। नए सिरे से प्रोजेक्ट तैयार कर जल्द मंजूर किया जाए।
>
> – मुकुंद मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष उप्र उद्योग व्यापार मंडल

> लखनऊ से 45 मिनट में कानपुर आने का सपना पूरा नहीं होगा। जैसे ही जाजमऊ पुल पर आएंगे, जाम से जूझना पड़ेगा। इस समस्या की अनदेखी हुई। इसका विकल्प तलाशना चाहिए।
>
> – दीपक द्विवेदी, अध्यक्ष, ट्रांसगंगा सिटी रेजीडेंस वेलफेयर एसोसिएशन

कबड्डी प्रतियोगिता मे लाजपत नगर विजेता

कानपुर। विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल कानपुर उत्तर के तत्वावधान में बलोपासना दिवस के उपलक्ष्य में बाल भवन में कबड्डी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीराम के चित्र पर दीप प्रज्वलन व आरती के साथ प्रांत अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद राजीव महाना एवं ताइक्वांडो एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक चौरसिया ने किया।

प्रतियोगिता में उत्तर जिले के पांच प्रखंड लाजपत नगर, श्रद्धानंद नगर, आर्य नगर, गांधी नगर एवं आनंदेश्वर नगर की टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मुकाबला लाजपत नगर व श्रद्धानंद नगर के बीच खेला गया, जिसमें लाजपत नगर की टीम ने जीत हासिल की। विजेता टीम के कप्तान शिवम ने कहा कि यह जीत सनातन संस्कृति और संगठन की एकता की जीत है।

कार्यक्रम में प्रांत मंत्री राजू पोरवाल, प्रांत कार्याध्यक्ष उमेश पालीवाल, विभाग अध्यक्ष नरेश माहेश्वरी, विभाग संयोजक नरेश तोमर, जिला अध्यक्ष सुशील गुप्ता, जिला मंत्री युवराज सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

समाचार पत्र वितरक साथियों के साथ पूर्व विधायक अजय कपूर। अमृत विचार

मिलन समारोह में पत्र वितरकों ने बांटीं खुशियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- समाचार पत्र विक्रेता संघर्ष समिति की ओर से नववर्ष मिलन समारोह

अमृत विचार। समाचार पत्र विक्रेता संघर्ष समिति के तत्वावधान में मिलन समारोह का आयोजन अमरेश्वर भवन गेस्ट हाउस गोविन्द नगर में किया गया। 22 वें वार्षिक उत्सव पर विभिन्न समाचार पत्रों के प्रसार प्रबंधक, प्रेसक्लब पदाधिकारी, समाचार पत्र वितरकों ने शिरकत की। एक दूसरे से गले मिलकर नववर्ष की खुशियां बांटीं।

समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अजय कपूर ने भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण व केक काटकर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सर्दी, गर्मी और बारिश की परवाह किए बिना ही आप समाज की सेवा करते हैं। आपके सुख दुख में मैं सदैव खड़ा हूं। जब भी जहां मेरी जरूरत हो आप मुझे याद कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि कानपुर व्यापार मण्डल के चेयरमैन सुबोध चोपड़ा ने शहर के पन्द्रह वरिष्ठ समाचार पत्र वितरकों को शाल ओढ़ाकर एवं उपहार देकर सम्मानित किया। संयोजक रमेश बाजपेयी व अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह यादव, दुर्गा द्विवेदी, सन्तोष तिवारी, कुन्नी, पप्पू दुबे, घनश्याम तिवारी, मुन्नु तिवारी, प्रमोद, प्रदीप तिवारी, राकेश सक्सेना, अमित यादव, अजय लाम्बा, लाला दुबे, परिहार, रामसरन पाण्डेय, सुरेन्द्र यादव, समिति के महामंत्री रामनरेश उर्फ कल्लू, कलक्टरगंज हनुमान मंदिर के महंत सोमदत्त अग्निहोत्री रहे।

रामोत्सव यात्रा में शामिल समिति के पदाधिकारी और श्रद्धालु। अमृत विचार

नयागंज से फूलबाग तक रामोत्सव यात्रा में बरसे फूल

कानपुर। श्री जगन्नाथ जी रथयात्रा प्रबंधक समिति बाईजी मंदिर की ओर से गुरुवार को रामोत्सव यात्रा निकाली गई। यह यात्रा नयागंज से शुरू हुई। इस दौरान पनकी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर जितेंद्र दास व महामंडलेश्वर कृष्ण दास भी शामिल रहे। यात्रा का कई जगहों पर फूल बरसाकर स्वागत भी किया गया। समिति के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, महामंत्री विवेक अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष कृष्ण गुप्ता ने रथयात्रा की आरती भी की। फूलबाग पहुंची यात्रा का जोरदार स्वागत हुआ।

संगठित समाज से ही होगा विश्व का कल्याण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विश्व में इकलौता धर्म और भारत देश ही विश्व कल्याण की कामना करता है
- बर्रा-8 सी ब्लॉक में संपन्न हुआ हिंदू सम्मेलन, पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक अनिल पहुंचे

अमृत विचार। हिन्दू धर्म सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानता है और सभी धार्मिक अनुष्ठान में "विश्व का कल्याण हो" की भावना व्यक्त की जाती है। विश्व में कोई अन्य धर्म या देश ऐसा नहीं है जो पूरे विश्व के कल्याण की कामना करता हो। हिन्दू समाज यदि संगठित होगा तो निश्चित रूप से विश्व का कल्याण होगा। यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक अनिल ने बर्रा-8 पानी की टंकी के पास आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि महर्षि अरबिन्द ने कहा था कि सनातन का उत्थान होगा तो भारत का उत्थान होगा और यदि उसका पतन होगा तो भारत का पतन होगा। हजार वर्षों तक विधर्मियों ने देश पर आक्रमण किए, परंतु देश को तोड़ नहीं पाए। आज आक्रमणकारियों ने हथियार बदल दिए हैं और विदेशी धन के सहारे समाज को जातियों में बाँटकर देश को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। राजनीतिक दल जातिगत विभाजन कर हिन्दू समाज को तोड़ना चाहते हैं। ऐसे में जाति बंधन से ऊपर उठकर हिन्दू समाज को एकता के सूत्र में बाँधना आवश्यक है।

अनिल ने बताया कि देशभर में राज्य, जिला, ब्लॉक व न्याय पंचायत स्तर पर हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन हो रहा है, जिनका उद्देश्य समाज को संगठित करना है। उन्होंने गुरु तेग बहादुर के बलिदान, स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों, विरसा मुंडा और संघ की स्थापना का उल्लेख करते हुए कहा कि सकल हिन्दू समाज एक परिवार के रूप में रहे, यही संघ का उद्देश्य है। विशेष अतिथि डॉ. साक्षी चेता ने कहा कि हिन्दू समाज में कोई ऊँच-नीच नहीं है, हमें अहंकार त्यागकर अपनी संस्कृति बच्चों को सिखानी होगी। मुख्य अतिथि नीता यादव रहीं, अध्यक्षता केशू पासवान ने की। सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

संबोधित करते क्षेत्र प्रचारक अनिल।

वसंत पंचमी उत्सव में भाग लेते बच्चे। अमृत विचार

वसंत पंचमी उत्सव में चहके नन्हे-मुन्ने बच्चे

कानपुर। बचपन प्ले स्कूल, विकास नगर में बसंत पंचमी का पर्व श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने पीले वस्त्र धारण कर मां सरस्वती की पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लेकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिक्षकों द्वारा बच्चों को पर्व के सांस्कृतिक एवं शैक्षिक महत्व की जानकारी दी गई। शुरुआत विद्यालय के प्रबंधक नितिन त्रिपाठी व प्रधानाचार्या प्रियंका श्रीवास्तव ने की। प्रबंधन ने बताया कि प्ले ग्रुप से यूकेजी तक प्रवेश खुले हैं।

तैयारी | नए वित्तीय वर्ष में बनेगी डीपीआर, कंपनी तय करने के लिए 27 को खुलेंगे टेंडर

गंगा रिवर फ्रंट की 6 माह में साफ होगी तस्वीर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वर्षों से धूल खाती और सपना दिखाती रही गंगा पथ (रिवर फ्रंट) परियोजना अब जमीन पर उतरने की तैयारी में है। सब कुछ ठीक रहा तो गंगा बैराज स्थित अटल घाट से शुक्लागंज के पुराने गंगापुल तक गंगा के किनारे आठ किमी लंबे फोरलेन की डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) बनाने के साथ निर्माण कार्य अगले वित्तीय वर्ष में धरातल पर उतर सकता है।

डीपीआर बनाने वाली कंपनी तय करने के लिए केडीए में 27 जनवरी को टेंडर खुलने हैं। केडीए ने डीपीआर के लिए पांच करोड़ रुपये पहले ही आवंटित कर रखे हैं। कंपनी को छह माह में डीपीआर सौंपनी है। शासन से इस योजना को पहले ही सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। तीन हजार करोड़ लागत वाली गंगा रिवर फ्रंट योजना को पटना मॉडल की तर्ज पर विकसित किया जाना है। इसके लिए अधिकारियों की टीम पटना जाकर गंगा नदी पर बने रिवर फ्रंट और गंगा पथ का अध्ययन करके अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है। इसमें पटना में सामने आई चुनौतियों और उनके समाधान को शामिल करते हुए व्यावहारिक और दीर्घकालिक योजना बनायी गई है, जिसे जिला प्रशासन, केडीए, सेतु निगम और लोक निर्माण विभाग को मिलकर अंजाम देना है। योजना की डीपीआर बनाने से पहले विस्तृत तकनीकी अध्ययन किया जाएगा। इसमें भूवैज्ञानिक परीक्षण, पर्यावरणीय मूल्यांकन, गंगा किनारे मिट्टी की क्षमता, तट संरक्षण, संभावित पिलर लोकेशन, अप्रोच रोड, इंटरचेंज, कर्व और लिंक रोड के साथ घाटों के बीच सुरक्षित कनेक्टिविटी जैसे बिंदुओं को शामिल किया जाएगा।

इसी अटल घाट से शुक्लागंज का पुराना पुल सीधे जुड़ेगा। अमृत विचार

- डीपीआर के लिए पांच करोड़ रुपये देगा केडीए, छह माह में आएगी पूरी रिपोर्ट

शहर को मिलेगा नया पिकनिक स्थल

- गंगा रिवर फ्रंट बनने से शहर में पर्यटन, मनोरंजन और ट्रैफिक को फायदा होगा। गंगा का किनारा लोगों के लिए नया पिकनिक स्थल बन जाएगा, जहां लोग परिवार के साथ घूम सकेंगे, सैर कर सकेंगे और गंगा के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकेंगे। रिवर फ्रंट तक आसान पहुंच के लिए इसका कई प्रमुख मार्गों से सीधा जुड़ाव सुनिश्चित किया जाएगा।

नॉन इंटरलाकिंग से 10 ट्रेनें निरस्त

कानपुर। गोंडा-बुढ़वल खंड में गोंडा- कचहरी स्टेशन के मध्य तीसरी लाइन के लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कई गाड़ियां निरस्त रहेंगी, कई गाड़ियों के रुट में कटौती की जाएगी। कई गाड़ियों का रूट में बदलाव होगा।

ये गाड़ियां निरस्त रहेंगी गाड़ी संख्या 22921 बांद्रा टर्मिनल-गोरखपुर 15 मार्च 2026 गाड़ी संख्या 22922 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनल 17 मार्च 2026 गाड़ी संख्या 22199 ग्वालियर-बलरामपुर 18 मार्च 2026 गाड़ी संख्या 22200 बलरामपुर-ग्वालियर 19 मार्च 2026 गाड़ी संख्या 15133 छपरा-आनंद विहार टर्मिनल 16 मार्च 2026 गाड़ी संख्या 15134 आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा 18 मार्च 2026गाड़ी संख्या 12597 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी टर्मिनल 17 मार्च 2026 गाड़ी संख्या12598 छत्रपति शिवाजी टर्मिनल-गोरखपुर से चलेगी।

हर्फ की जंतरी 2026 का विमोचन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अंग्रेजी साहित्य और आधुनिक विज्ञान से परिचित कराने के लिए स्थापित संस्था हक एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन ने एचईआरएफ (हर्फ) जंतरी 2026 का विमोचन किया। इस जंतरी में नमाज का वक्त, मुफ्ती हजरात के मोबाइल नंबर एवं धार्मिक मार्ग दर्शन के लिए विभिन्न जानकारियां उपलब्ध हैं।

गुरुवार को रजबी रोड स्थित शहर जमीअत उलमा कार्यालय जमीअत बिल्डिंग में फाउंडेशन'''' की ओर से साल 2026 के लिए एक विस्तृत "एच.ई.आर.एफ. जंतरी" का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के प्रमुख उलेमा (विद्वानों), मुफ्ती और बुद्धिजीवियों ने हिस्सा लिया। फाउंडेशन के चेयरमैन मुफ्ती अब्दुर्रशीद कासमी ने जंतरी की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह जंतरी केवल तारीखों का संग्रह नहीं है बल्कि इसमें आम लोगों के धार्मिक मार्गदर्शन का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस छोटी पॉकेट साइज जंत्री में वार्षिक कैलेंडर के साथ-साथ नमाज के स्थायी समय (सूर्योदय और सूर्यास्त), शरई और धार्मिक मार्गदर्शन के लिए शहर के प्रमाणित मुफ्तियों के संपर्क नंबर, और प्रमुख मदरसों का विवरण शामिल किया गया है। इसके अलावा दैनिक जरूरतों जैसे जकात का निसाब, महर-ए-फातिमी की मात्रा, निकाह और जुमा का खुतबा, जनाजा और इस्तिखारा नमाज का तरीका और मसनून दुआएं भी इसमें शामिल हैं, जो इसे हर मुसलमान के लिए एक जरूरी धार्मिक गाइड बनाती है। फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन और जमीअत उलेमा उत्तर प्रदेश के महासचिव मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी ने कहा कि टेक्नोलॉजी के इस दौर में भी लिखित दस्तावेजों का महत्व बरकरार है। मुफ्ती इकबाल अहमद कासमी, मौलाना खलील अहमद मजाहिरी, मौलाना मुहम्मद अनीस खान कासमी, काजी-ए-शरीयत मौलाना इनामुल हक कासमी आदि रहे।

जमीअत बिल्डिंग में जंतरी का विमोचन करते उलेमा। अमृत विचार

- टेक्नोलॉजी के इस दौर में भी लिखित दस्तावेजों का महत्व

आजाद की धरती से सर्व धर्म एकता का शंखनाद

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली बदरका में साईं दरबार सेवा समिति के तत्वावधान में सर्व धर्म सम्मेलन आयोजित

संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली बदरका में गुरुवार को साईं दरबार सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित सर्व धर्म सम्मेलन में देश के विभिन्न कोनों से आए धर्माचार्यों ने एक स्वर में राष्ट्र की एकता व अखंडता का आह्वान किया। कार्यक्रम में उस समय सद्भाव का अद्भुत दृश्य दिखा जब सिख धर्म के गुरु परमजीत सिंह ढिल्लो ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भले ही हमारी पूजा पद्धतियां अलग-अलग हों लेकिन हमारा वतन एक है।

उन्होंने कहा कि भारत की एकता और अखंडता के लिए ऐसे आयोजन बहुत जरूरी हो गए हैं। जैन धर्मगुरु डॉ. अजय जैन ने कहा कि बेशक हमारे तीर्थ अलग-अलग हैं लेकिन जिस स्थान पर हम बैठे हैं वह सभी धर्मों का तीर्थ है। हमें आजाद के भारत की कल्पना को साकार करने के लिए आपसी भेद भुलाकर एक मंच पर आना ही होगा। स्वामी स्वरूपानंद ने कहा कि आजाद के स्मारक से शुरू हुई इस यात्रा पूरे देश में अलख जगाएगी। जाती धर्म का भेद भूलकर हम एक समृद्ध हिंदुस्तान बनाएंगे। इस्लाम धर्म के गुरु शाहीन काजमी ने गायत्री मंत्र के साथ बोलना शुरू किया और कहा कि देश की आजादी में हिंदू, मुसलमान, सिख व ईसाई सभी के कंधे लगे थे। आज हमें नफरतों को भुलाकर फिर कंधा मिलना होगा। तभी हम फिर से विश्वगुरु बन सकेंगे। आचार्य विवेक ने कहा कि आजाद के सपनों का भारत बनाने के लिए सभी धर्म संप्रदाय के लोगों को एकता के सूत्र में बंधना होगा। ईसाई धर्मगुरु फादर क्रिस्टीन ने कहा कि भारत में सभी धर्मों को अपनी-अपनी तरह से उपासना करने की आजादी है। आचार्य कमलेश ने कहा कि आजादी के बाद से यह मिशन अधूरा पड़ा है। आज सर्वधर्म एकता की बहुत जरूरत है। इसके अलावा आचार्य लंकेश, गुर गौतम ब्रह्मर्षि गौतम, इकबाल, विश्वनाथ महराज व विमर्शानंद ने भी विचार रखे। संचालन जैन मुनि आचार्य विवेक ने किया। आजाद स्मारक ट्रस्ट के मंत्री राजेश शुक्ल ने आए हुए सभी धर्माचार्यों का स्वागत किया।

इस दौरान गुरु गौतम ब्रह्मर्षि, इकबाल, विश्वनाथ महराज, सदर विधायक पुत्र प्रखर गुप्ता, सरेंद्र वर्मा, सौरभ वर्मा, अमित मिश्रा, लक्ष्य निगम, विकास जायसवाल आदि मौजूद रहे।

बदरका में आजाद स्मारक पर आयोजित सर्व धर्म सम्मेलन कार्यक्रम में मौजूद धर्माचार्य। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया सम्मानित।

संजीव निर्विरोध चुने गए सहकारी ग्राम विकास बैंक के अध्यक्ष

उन्नाव, अमृत विचार : सहकारी ग्राम विकास बैंक के अध्यक्ष पद के लिए संपन्न हुए चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी संजीव त्रिवेदी निर्विरोध निर्वाचित हुए। उनके निर्विरोध चुने जाने से क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं व उनके समर्थकों में उत्साह रहा। निर्वाचन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष अनराग अवस्थी ने संजीव त्रिवेदी को जीत का आधिकारिक प्रमाण पत्र सौंपा गया। जिलाध्यक्ष ने इस जीत को संगठनात्मक एकता व मजबूत नेतृत्व का प्रतीक बताया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष आनंद अवस्थी, जिला महामंत्री आशीष बाजपेयी अटल, पूर्व नगर अध्यक्ष सुशील तिवारी, विवेक तिवारी, उदय प्रताप सिंह, मैनेजर विकास दीक्षित, नीरज मौजूद रहे।

कल्याणी मंदिर में आज मनेगा शनि देव का स्थापना दिवस

उन्नाव, अमृत विचार : शहर के कल्याणी देवी मोहल्ला स्थित मां कल्याणी देवी मंदिर के कार्यकारिणी अध्यक्ष पीके मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार को बसंत पंचमी के दिन शनि देव महाराज के मंदिर का स्थापना दिवस समारोह श्रद्धा व भक्तिभाव से मनाया जाएगा। उन्होने इस शुभ अवसर पर भक्तगणों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। बताया कि इस दौरान प्रसाद वितरण भी किया जाएगा।

खाना बनाते लीकेज सिलेंडर में लगी आग मची अफरा-तफरी

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गायत्री नगर स्थित मुर्गी फार्म हाउस के पास गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण आग लग गई। आग लगते ही सिलेंडर धू-धूकर जलने लगा और किचन में लपटें फैल गईं। बताते चलें कि सुबह करीब साढ़े 10 बजे गायत्री नगर निवासी सोनी रसोई में खाना बना रही थीं। तभी अचानक सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण आग भड़क उठी। लपटें देख वह चिल्लाते हुए बाहर भागीं। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और साहस दिखाते हुए जलते सिलेंडर को बाहर निकाला। घटना की सूचना डायल पुलिस को दी गई। पीआरवी 6806 से सीपी अजीत चौहान व ब्रजभान मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

मासूम से कुकर्म के दोषी को 20 साल की सजा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: घर के बाहर खेल रहे मासूम को अगवाकर कुकर्म करने के दोषी युवक को कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के बाद 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 31 हजार जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने आदेश दिया कि जुर्माना जमा न करने पर दोषी को 6 माह अतिरिक्त सजा काटनी पड़ेगी।

बता दें कि फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने 5 अगस्त-2021 को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दोपहर करीब 12 बजे उसका चार वर्षीय बेटा घर के बाहर खेलते समय अचानक लापता हो गया। उसने बच्चे की तलाश की लेकिन पता नहीं लगा। बाद में वह पड़ोसियों के साथ बेटे की तलाश में गांव के बाहर गया तो अचानक राजेंद्र सिंह के बाग से उसे बेटे की रोने की आवाज सुनाई दी। इस पर वे लोग बाग में पहुंचे तो गांव का युवक सोनू यादव पुत्र बलवंत उसके मासूम बच्चे से कुकर्म कर रहा था। लोगों को आता देख उसने भागने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीणों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया और पुलिस के सुपर्द किया। तहरीर के आधार रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया था। पीड़ित बच्चे के बयान, मेडिकल रिपोर्ट व गवाहों के बयान के आधार पर आईओ ने कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से केस एडीजे-13 की कोर्ट में विचाराधीन था। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश रवि प्रकाश साहू ने शासकीय अधिवक्ता राजीव अवस्थी की दलील व साक्ष्य के आधार पर सोनू को 20 साल की सजा सुनाई।

● 31 हजार लगा जुर्माना, घर के बाहर खेलते समय बच्चे को अगवा कर घटना को दिया था अंजाम

छेड़छाड़ के दोषी को तीन वर्ष का कारावास

संवाददाता, उन्नाव : असोहा थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवक की तहरीर पर 7 सितंबर-2017 को धर्मेंद्र पुत्र धुन्नार पासी निवासी छीयाटीकुर थाना असोहा में किशोरी से छेडछाड़ की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। दरोगा योगेश सिंह ने जांच के बाद 17 सितंबर-2017 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से केस एडीजे-12 की कोर्ट में विचाराधीन था। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद शासकीय अधिवक्ता प्रदीप श्रीवास्तव की दलील व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश शैलेंद्र सिंह ने धर्मेंद्र को दोषी ठहराते हुए 3 साल की सजा सुनाई। साथ ही कोर्ट ने उस पर 10,500 रुपए जुर्माना भी लगाया।

शिक्षक संघ करेगा लेखाधिकारी का घेराव

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल के नेतृत्व में डीआईओएस सुनील दत्त से मिला। 14 सूत्रीय मांगों को लेकर की जाने वाली वार्ता के दौरान मामला उस समय तूल पकड़ गया जब महात्मा गांधी इंटर कॉलेज सफीपुर के शिक्षक बालकृष्ण तिवारी की नोशनल वेतन वृद्धि के मामले में विद्यालय से आई पेंशन पत्रावली में निर्गत 2006 में सेवानिवृत्ति हुए पेंशन आदेश को ही लेखा संगठन द्वारा गलत बता पत्रावली को अग्रसारित करने में टालमटोल किया गया।

डीआईओएस ने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि यह मामला लेखा अधिकारी स्तर का है मगर कार्यालय में लेखाधिकारी के उपस्थित न होने पर शिक्षक संघ ने चेतावनी दी कि किसी दिन उनके कार्यालय का घेराव किया जाएगा। महीनों तक मामले लंबित पड़े रहते हैं और नोशनल वेतन वृद्धि लगने वाले शिक्षकों की पत्रावलियां आगे नहीं बढ़ पाती हैं। जिलाध्यक्ष हरिहर दीक्षित व मंत्री उमाशंकर सहित वर्तमान व पूर्व पदाधिकारियों ने कहा कि एनपीएस से ओपीएस में आच्छादित शिक्षकों व कर्मचारियों की करीब 9 माह के बाद अभी तक पूर्व एनपीएस मद में हुई कटौती की सम्पूर्ण धनराशि मय ब्याज के अद्यतन आवंटित जीपीएफ खाते में हस्तांतरित नहीं की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि लेखा संगठन की समस्याएं हल न होने के कारण अब नोटिस देकर लेखाधिकारी का घेराव किया जाएगा।

डीआईओएस से वार्ता करते शिक्षक विधायक व शिक्षक नेता।

पुलिस से मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार , पैर में लगी गोली

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : वाहन चेकिंग के दौरान भागने के प्रयास में बाइक से गिरे शातिर बदमाश ने ने पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में वह पैर में गोली लगने से घायल हो गया। वहीं उसका साथी मौके से भाग निकला। पुलिस अभिरक्षा में घायल हुए शातिर अपराधी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ पुरवा तेज बहादुर सिंह ने बताया कि गुरुवार शाम करीब साढ़े 7 बजे मौरावां पुलिस स्वाट व सर्विलांस टीम के साथ मौरावां - कालूखेड़ा मार्ग पर स्थित एक पेट्रोल पंप के पास वाहन चेकिंग कर रहे थे। तभी सामने से आए बाइक सवार दो व्यक्तियों को रोकने का इशारा किया गया। इस पर चालक ने बाइक मोड़ के भागने का प्रयास किया। इससे पीछे बैठा युवक सड़क पर गिर गया। पुलिस ने उसे पकड़ने का प्रयास किया तो उसने तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर भागने की कोशिश की। लेकिन पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक गोली उसके बांये पैर में धंस गई। इससे वह घायल होकर वही गिर गया गया पूछताछ में घायल हुए बदमाश ने अपना नाम मो .नईम खां उर्फ मोटू पुत्र स्व . ईदू निवासी पिंक बूथ बंथरा सिंकदरपुर थाना बंथरा लखनऊ बताया है। पुलिस के मुताबिक वह बीती 14 जनवरी को असोहा थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर जानलेवा हमले की घटना मे पकड़ी गयी स्कार्पियो का चालक था।उस पर सीतापुर के थाना कमलापुर मे 8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम के मामले दर्ज है। उस पर गैंगस्टर की भी कार्रवाई हो चुकी है। सीओ ने बताया कि नईम के पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है।

पारदर्शी मतदाता सूची बनाना प्राथमिकता

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत जिले में तैयारियां परखने विशेष रोल प्रेक्षक आईएएस संजय अग्रवाल ने पन्नालाल सभागार में समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन नामावली को पूरी तरह निष्पक्ष व पारदर्शी बनाया जाए। ताकि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे।

बैठक में डीएम गौरांग राठी ने स्लाइड के माध्यम से रोल प्रेक्षक को अब तक की गई कार्यवाहियों की जानकारी दी। इस दौरान रोल प्रेक्षक ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित कराया कि एक ही परिवार के सभी सदस्यों के नाम मतदाता सूची में एक स्थानांतरित, मृत मतदाताओं के चिन्हीकरण व नोटिस/मैपिंग कार्य को प्राथमिकता दी जाए। इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी, एसडीएम, हसनगंज, बांगरमऊ, बीघापुर, सफीपुर, पूरवा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलक्ट्रेट में अधिकारियों के साथ बैठक करते रोल प्रेक्षक आईएएस संजय अग्रवाल।

● पुनरीक्षण अभियान के तहत विशेष रोल प्रेक्षक ने की समीक्षा बैठक

श्रीराम जानकी मंदिर की वर्षगांठ पर धूमधाम से हुआ राज्याभिषेक

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : आजाद मार्ग स्थित कैलाश बिहार कॉलोनी के श्रीराम जानकी शिव मंदिर की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर गुरुवार को भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में आयोजित अखंड रामायण पाठ का समापन विधि-विधान के साथ हुआ। इसके बाद भगवान श्रीराम का प्रतीकात्मक राज्याभिषेक संपन्न कराया गया। राज्याभिषेक के दौरान मंदिर परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। कार्यक्रम में भजन मंडली ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय प्रस्तुतियां दीं, जिससे श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। इसके अलावा पूजन, आरती और अन्य धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न हुए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त किया।

रागिनी ने नेशनल वेटलिफ्टिंग में जीता स्वर्ण

उन्नाव, अमृत विचार : हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाने वाली रागिनी अवस्थी का नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक व भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने खजुरिहा बाग कल्याणी स्थित आवास पर पहुंचकर प्रतीक चिह्न व अंगवस्त्र भेंटकर सम्मान किया। विमल द्विवेदी ने बताया कि रागिनी ने कड़े मुकाबले में अपनी शक्ति व तकनीक का लोहा मनवाते हुए 110 किलो वजन उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने देश भर से आए दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए यूपी व उन्नाव की झोली में स्वर्ण पदक डाला। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विमल द्विवेदी ने कहा कि रागिनी की मेहनत के साथ-साथ उनके कोच अजीत का कुशल मार्गदर्शन इस जीत की आधारशिला बना। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। रागिनी की सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। इस दौरान हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रागिनी अवस्थी को सम्मानित करते विमल द्विवेदी।

हाईवे पर भीषण जाम से लोग हुए परेशान

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: गुरुवार को लखनऊ-कानपुर हाईवे पर भीषण जाम लगने से राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के कानपुर आगमन को देखते हुए हाईवे पर पुलिस फोर्स तैनात की गई थी, लेकिन कानपुर छोर पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम के कारण यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो गई। स्वागत मंच बनाए जाने से मार्ग संकरा हो गया, जिससे दोपहर करीब 12 बजे से ढाई बजे तक लगभग ढाई घंटे लंबा जाम लगा रहा।

स्थिति तब और बिगड़ गई जब त्रिभुवन खेड़ा के पास एक ट्रक अचानक खराब होकर बीच सड़क पर खड़ा हो गया। इससे जाम और पेंचीदा हो गया तथा वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इस दौरान कई वीआईपी वाहन भी जाम में फंसे रहे। दोपहर करीब तीन बजे वाहनों का दबाव बढ़ने से कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन पर एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। जाम खुलवाने के लिए पुलिसकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। हालात को देखते हुए एसएसपी जय प्रकाश सिंह व एएसपी अखिलेश सिंह ने पुलिस बल के साथ आजाद मार्ग चौराहे का निरीक्षण किया और यातायात कर्मियों को जरूरी निर्देश दिए।

हाईवे पर लगे जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

● एसएसपी ने मौके पर निरीक्षण कर मातहतों को दिए निर्देश

1 से चलेगी लक्ष्य आईएएस की कोचिंग

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: लक्ष्य आईएएस अकादमी के प्रबंध निदेशक आरपी सिंह ने कहा कि हर घर से ऑफिसर अभियान के तहत आईएएस, पीसीएस, आरओ, एआरओ, एएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 1 फरवरी से ऑनलाइन क्लासेस शुरू होंगे। जिसमें नवीनतम पाठ्यक्रम, प्रैक्टिस टेस्ट, अनुभवी शिक्षकों द्वारा एक ही मंच पर एक वर्ष तक उपलब्ध कराया जाएगा। लक्ष्य लर्निंग एप में एक अभियान के तहत देश व प्रदेश के बच्चों को जोड़कर सभी प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी मात्र 226 रुपए में कराने का निर्णय लिया है।

गांधीनगर तिराहा स्थित एनसीसी कैंप कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में डीएसएन कॉलेज के प्रोफेसर संरक्षक डॉ. विपिन सिंह ने कहा कि देश व प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों के प्रतिभाशाली व आर्थिक कमजोर विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देने के उद्देश्य से लक्ष्य आईएएस अकादमी ने एक ऐतिहासिक पहल "हर घर से अफ़सर मिशन-2026" की शुरुआत की है। यह अभियान संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के उस सपने को साकार करने की दिशा में सार्थक कदम है जिसमें हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। बताया कि 26 से 31 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर लक्ष्य लर्निंग एप में जुड़ सकते हैं।

पत्रकार वार्ता करते प्रबंध निदेशक आरपी सिंह व डॉ. विपिन सिंह।

● सभी प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी मात्र 226 रुपए में कराने का लिया गया निर्णय

बेसिक स्कूलों में सत्र परीक्षाएं 24 से 31 तक

छात्रों को सत्र परीक्षा की जानकारी देते अमित तिवारी। ● अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार : बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों में बच्चों की सत्र परीक्षाएं 24 जनवरी से शुरू होकर 31 जनवरी तक होंगी। बीएसए शैलेश पांडे ने खंड शिक्षाधिकारियों के माध्यम से परिषद के प्रधानाध्यापकों को बताया कि परीक्षा आयोजन का खर्च विद्यालयों की कम्पोजिट ग्रांट से किया जायगा। बताया कि सत्र परीक्षा बच्चों को दिसंबर तक पूर्ण कराए गए मासिक पाठ्यक्रम पर आधारित होगी। प्रश्नपत्र तैयारी से लेकर मूल्यांकन तक की जिम्मेदारी प्रधानाध्यापक व संबंधित कक्ष शिक्षकों पर रहेगी। नकल रहित परीक्षा कराने पर विशेष बल दिया। परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन विषय अध्यापक करेंगे। परिणाम अभिभावकों को विद्यालय बुलाकर बताया जाएगा। जिससे वे अपने बच्चों की प्रगति से अवगत हों और सुधार में सहभागिता कर सकें। परीक्षा संबंधी सभी अभिलेख विद्यालय में सुरक्षित रखे जाएंगे। शिक्षक अमित तिवारी ने बीएसए द्वारा दिए निर्देशों की जानकारी कक्षा में उपस्थित छात्रों को देते हुए कहा कि उनकी सत्र परीक्षा 24 से 31 जनवरी तक होंगी। प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के संजीव संख्वार, प्रदीप वर्मा आदि का कहना है कि कई शिक्षक इस समय विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य में लगे हैं। सीमित शिक्षकों के साथ सत्र परीक्षा कराना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा।

कार्यक्रम भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष स्व . हैप्पी राजपूत के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी

दिवंगत भाजपा कार्यकर्ता के परिजनों से मिले प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता बिछिया उन्नाव

अमृत विचार: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी गुरुवार को जिले के बिछिया मंडल पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष स्व. हैप्पी राजपूत के आवास जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

ज्ञात हो कि हैप्पी राजपूत का बीते दिनों एक सड़क हादसे में असामयिक निधन हो गया था। प्रदेश अध्यक्ष ने स्व. हैप्पी राजपूत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और शोकाकुल परिजनों से भेंटकर सांत्वना देते हुए कहा कि यह दुःख केवल एक परिवार का नहीं बल्कि पूरे भाजपा परिवार का है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस कठिन घड़ी में भाजपा पूरी संवेदनशीलता के साथ परिवार के साथ है। पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन व सरकार की ओर से 17 लाख की चेक देकर आर्थिक मदद की। जिसमें प्रदेश भाजपा संगठन की ओर 5 लाख, क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों की ओर से 5 लाख, किसान दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत 5 लाख, प्रदेश भाजयुमो की ओर से 2 लाख रुपये शमिल हैं। मीडिया से वार्ता करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि हैप्पी राजपूत जैसे समर्पित, कर्मठ व ऊर्जावान कार्यकर्ता का असमय जाना संगठन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। भाजपा अपने हर कार्यकर्ता के सुख-दुःख में परिवार की तरह साथ रहती है।

इस दौरान प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता व संजय राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी, सांसद साक्षी महाराज, जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, विधायक श्रीकांत कटियार, अनिल सिंह, बृजेश रावत, आशुतोष शुक्ला, बंबालाल दिवाकर, एमएलसी रामचंद्र सिंह प्रधान आदि मौजूद रहे।

दिवंगत कार्यकर्ता हैप्पी राजपूत के परिजनों को सांत्वना देते प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व अन्य।

श्रीराम कथा में हुआ सुंदरकाण्ड का भावपूर्ण वर्णन, भंडारा आज

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : पोनी रोड स्थित श्री राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान गुरुवार को व्यास संजीव कृष्ण दुबे ने सुंदरकाण्ड की चौपाइयों का भावपूर्ण एवं दिव्य वर्णन किया। उन्होंने बताया कि सुंदरकाण्ड में हनुमान जी समुद्र लांघकर लंका पहुंचे और अशोक वाटिका में मां जानकी का पता लगाया। प्रभु श्रीराम का संदेश देने के लिए उन्हें अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ा। व्यास ने कहा कि हनुमान जी ने विभीषण से भेंट कर धर्म का मार्ग दिखाया और रामदूत के रूप में माता सीता को श्रीराम की मुद्रिका भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। अहंकार रूपी रावण के अंत के बाद प्रभु श्रीराम वनवास पूर्ण कर अयोध्या लौटे, जहां गुरु वशिष्ठ द्वारा उनका राजतिलक किया गया। मंगल बधाइयों के साथ कथा का समापन हुआ।

कायर कभी इतिहास नहीं रचते।
-सुभाष चंद्र बोस

संतुलन का समय

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति का सबसे स्थायी तत्व उनकी अस्थायित्व और अनिश्चितता है। कभी 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी, फिर उससे पीछे हटना, कभी ग्रीनलैंड पर कब्जे का दावा, कभी सैन्य कार्रवाई से इनकार; कभी नाटो से दूरी, तो कभी समझौते की भाषा— यह शैली पारंपरिक कूटनीति से अलग, दबाव-आधारित सौदेबाज़ी की रणनीति प्रतीत होती है। ट्रंप की राजनीति को समझने के लिए इसे 'नीति की अस्थिरता' नहीं, बल्कि 'रणनीतिक अनिश्चितता' के रूप में पढ़ना होगा, जहां अधिकतम लाभ के लिए भ्रम और दबाव दोनों साधन हैं। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का तर्क कि यदि अमेरिका नियंत्रण नहीं करेगा तो रूस या चीन प्रभाव बढ़ा लेंगे, भू-रणनीतिक चिंताओं का बहाना है, असल बात आर्कटिक क्षेत्र में पिघलती बर्फ, जो नए समुद्री मार्ग और खनिज संसाधनों के अवसर खोल रही है, उसे कब्जाना है। रूस आर्कटिक में सैन्य उपस्थिति मजबूत कर चुका है, चीन अपने को 'नियर-आर्कटिक स्टेट' कहता है, लेकिन इसका बहाना लेकर संप्रभु डेनमार्क का अधिग्रहण कहां से उचित है। अमेरिका को अपनी सुरक्षा चिंताओं का समाधान नाटो के ढांचे, संयुक्त रक्षा सहयोग और आर्थिक साझेदारी के माध्यम से करना होगा, बलपूर्वक कब्ज़े से नहीं।

अमेरिका जानता है कि डेनमार्क, फ्रांस, कनाडा और अन्य यूरोपीय देशों द्वारा राजनीतिक, कानूनी और सामूहिक सुरक्षा तंत्र के माध्यम से जो प्रतिरोध करेंगे, वह असरकारक होगा। नाटो की सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धता भी एक बड़ा अवरोध है। ऐसे में ग्रीनलैंड पर आसानी से कब्ज़ा कठिन है। घरेलू राजनीति के स्तर पर भी यह दांव जोखिमपूर्ण है। यदि ट्रंप पीछे हटते हैं, तो उनके समर्थक इसे कमजोरी मान सकते हैं; यदि आक्रामक कदम उठाते हैं, तो त्वरित अधिग्रहण से 'अमेरिकी महानता' का प्रतीकात्मक संदेश तो मिल सकता है, पर अंतर्राष्ट्रीय अलगाव और आर्थिक अस्थिरता राजनीतिक लाभ को नुकसान भी पहुंचा सकती है। रूसी मीडिया द्वारा ट्रंप की प्रशंसा और चीनी आलोचना भी रोचक संकेत देती है। रूस को यूरोप-अमेरिका संबंधों में दरार लाभप्रद दिखती है, जबकि चीन किसी भी अमेरिकी क्षेत्रीय विस्तारवादी संकेत से सावधान है। व्यापक संदर्भ में यह अमेरिका, रूस और चीन के बीच नई शक्ति-संतुलन की प्रतिस्पर्धा का हिस्सा है, जहां आर्कटिक, इंडो-पैसिफिक और ऊर्जा मार्ग नई भू-राजनीतिक सीमाएं बन रहे हैं। इसे नई औपनिवेशिक व्यवस्था शायद अतिशयोक्ति हो पर शक्ति-प्रदर्शन की प्रवृत्ति स्पष्ट है। भारत के लिए यह परिदृश्य चुनौती और अवसर दोनों है।

यदि अमेरिका और यूरोप के बीच तनाव बढ़ता है, तो भारत-यूरोपीय संघ संबंधों में नई गति आ सकती है। प्रस्तावित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता दो अरब से अधिक लोगों के बाजार को जोड़ सकता है, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग एक-चौथाई होगा। फार्मा, टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण, ऑटोमोबाइल, सोलर उपकरण और लेदर जैसे क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिल सकता है। अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता कम कर बहुध्रुवीय व्यापार साझेदारियां भारत की सामरिक स्वायत्तता को मजबूत करेंगी। वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों में भारत की नीति स्पष्ट है- रणनीतिक स्वायत्तता, संतुलित बहुपक्षीयता और आर्थिक कूटनीति का विस्तार।

प्रसंगवश

प्रकृति के शृंगार का पर्व बसंत पंचमी

बसंत के आते ही प्रकृति मानो अपनी पुरानी, सूखी केंचुली को त्यागकर नव-वधू की तरह शृंगार करती है। कड़ाके की ठंड की विदाई होती है और सूर्य की किरणें शरीर में गर्माहट भरने लगती हैं। खेतों में सरसों के पीले फूल ऐसे लहलहाते हैं, मानो धरती ने 'पीतांबर' ओढ़ लिया हो। पेड़ों पर नई कोपलें आने लगती हैं, आम की मंजरियों की महक वातावरण को सुगंधित कर देती है और कोयल की कूक मन को आनंदित कर देती है। यह वह समय है जब प्रकृति और पुरुष दोनों में नई ऊर्जा का संचार होता है।

जब बसंत आता है, तो यह तिथि शीत ऋतु की जड़ता से निकलकर जीवन में नवचेतना, सृजन और ज्ञान का प्रवेश करती है। इसी कारण इसे मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस से भी जोड़ा जाता है। जैसे बसंत पंचमी में प्रकृति में पेड़-पौधे फिर से जीवंत होने लगते हैं, वैसे ही इस अवसर पर माता सरस्वती की पूजा साधक के भीतर विचारों की शुद्धि, चेतना का विस्तार और ज्ञान का अंकुरण लाता है।

गौरव शर्मा
शिक्षक

ऋग्वेद में माता सरस्वती का उल्लेख नदी और देवी, दोनों रूपों में मिलता है। वेदों में मां सरस्वती को ब्रह्मज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माना गया है। योग और वेदांत में बसंत पंचमी को नई साधना की शुरुआत का श्रेष्ठ समय कहा गया है। इस दिन किया गया मंत्र-जप, ध्यान या अध्ययन मन को स्थिर करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और साधक को दीर्घकालीन आध्यात्मिक लाभ देता है। इसी कारण कई आश्रमों और गुरुकुलों में इसी दिन विद्यारंभ संस्कार होता है।

बसंत पंचमी के अवसर पर माता सरस्वती की पूजा भी होती है। बसंत पंचमी के दिन माता सरस्वती की पूजा करने का अर्थ है मन, बुद्धि और चित्त को शुद्ध करना, वाणी को संयमित करना और आंतरिक अज्ञानता का विसर्जन करना, लेकिन माता सरस्वती का स्थान केवल छात्रों के जीवन में ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के जीवन में होनी चाहिए क्योंकि वो ज्ञान, विवेक और वाणी की शुद्धता प्रदान करने के साथ-साथ अहंकार, भ्रम और अज्ञानता का नाश भी करती है। जब बसंत पंचमी आती है, तो यह तिथि शीत ऋतु की जड़ता से निकलकर जीवन में नवचेतना, सृजन और ज्ञान का प्रवेश करती है। इसी कारण इसे माँ सरस्वती के प्राकट्य दिवस से भी जोड़ा जाता है।

जैसे बसंत पंचमी में प्रकृति में पेड़-पौधे फिर से जीवंत होने लगते हैं, वैसे ही इस अवसर पर माता सरस्वती की पूजा साधक के भीतर विचारों की शुद्धि, चेतना का विस्तार और ज्ञान का अंकुरण लाता है। उन्हें महान, पवित्र और प्रेरणादायिनी कहा गया है। ऋग्वेद में लिखा है - 'अम्बितमे, नदीतमे, देवितमे सरस्वति'

इसका अर्थ है कि 'हे सरस्वती! आप माताओं में श्रेष्ठ, नदियों में श्रेष्ठ और देवियों में श्रेष्ठ हैं'। वेदों में माता सरस्वती को वाणी की अधिष्ठात्री माना गया है। यज्ञ, मंत्र और स्तुति, सब मां सरस्वती की कृपा से ही संभव माने गए हैं। बिना सरस्वती की कृपा के वेदपाठ, मंत्रोच्चार और ज्ञान प्राप्ति अधूरी मानी जाती है। उपनिषदों में माता सरस्वती को ब्रह्मविद्या से जोड़ा गया है। पुराणों में माता सरस्वती को भगवान ब्रह्मा की मानस पुत्री और शक्ति माना गया है। वे सृष्टि के निर्माण में ब्रह्माजी को ज्ञान, विवेक और सृजन शक्ति प्रदान करती हैं, इसलिए उन्हें ब्रह्माणी भी कहा जाता है। देवी भागवत और स्कंद पुराणों में माता सरस्वती को माया से मुक्त करने वाली शक्ति कहा गया है।

सर्दी में बारिश और बर्फबारी की कमी अच्छे संकेत नहीं

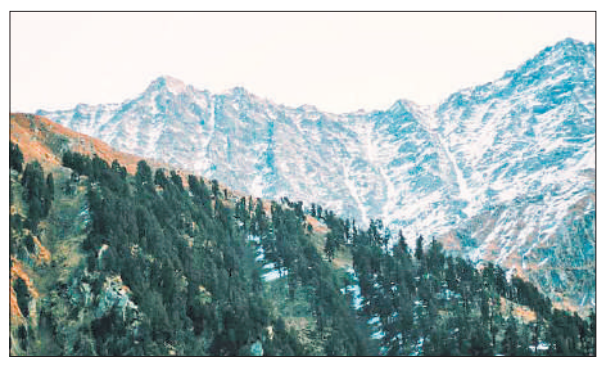

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

कोई 75 दिन बीत गए हैं, कश्मीर से ले कर उत्तरखंड और दिल्ली से ले कर समूचे मैदानी इलाके में एक बूंद भी बरसात नहीं हुई। सूखी सर्दी ने जनजीवन, खेती-किसानी और पर्यावरण पर जो चोट पहुंचाई है, उसका असर दूरगामी होना है। सबसे बड़ी बात, जब गर्मी के दिन और तापमान बढ़ रहा है, भारत सहित बहुत से देशों की जीवन रेखा कहे जाने वाले हिमालय के पहाड़ बर्फ न गिरने से भूरे दिख रहे हैं। हिमाचल में इस साल 'स्नो ड्राउट' यानी बर्फीले-सूखे के हालात हैं। उत्तर-पश्चिमी हिमालय (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर) में 2025-26 की सर्दियों में बर्फ का गिरना सामान्य से 45 से 75 फीसदी कम रहा, खासकर नवंबर-दिसंबर में। उत्तराखंड में दिसंबर 2025 में 100% वर्षा की कमी दर्ज की गई और जनवरी 2026 तक ऊंचे इलाकों में बर्फ नहीं जमी। बढ़ते तापमान, कमजोर पश्चिमी विक्षोभ और ग्लोबल वॉर्मिंग से बर्फ तेजी से पिघल रही है। बीते पांच जाड़ों के मौसम में बर्फबारी में 25 फीसदी की गिरावट आई है, जो 1980-2020 के औसत से बहुत नीचे है।

कश्मीर का 'चिल्लई कलां', जो अपनी कठोर बर्फबारी और जमा देने वाली रातों के लिए जाना जाता है, इस बार वीरान है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि इस साल दिसंबर और जनवरी के मध्य तक कश्मीर घाटी में बर्फबारी में 75 से 80 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थल, जो इस समय तक चांदी जैसी बर्फ से ढके रहते थे, वहां केवल सूखी घास और नग्न पहाड़ दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति केवल पर्यटन को आर्थिक चोट नहीं पहुंचा रही, बल्कि ग्लेशियरों के पुनर्भरण (Recharge) की प्रक्रिया को भी बाधित कर रही है। यदि बर्फबारी का यह अकाल जारी रहा, तो गर्मियों में झेलम और सिंधु जैसी नदियों का जल स्तर रिकॉर्ड स्तर तक गिर सकता है, जिससे न केवल पीने के पानी का संकट पैदा होगा, बल्कि जल विद्युत परियोजनाओं पर भी ताला लग सकता है।

उत्तराखंड में शून्य बरसात के कारण राज्य के अधिकांश जिलों में सूखे की स्थिति है। हिमाचल प्रदेश में भी सामान्य से 97% कम बारिश दर्ज की गई। गेहूं, सरसों और चना जैसी रबी की फसलें अक्टूबर से दिसंबर तक बोई जाती हैं। इन फसलों को अच्छी पैदावार के लिए बढ़ने और पकने के समय ठंडे मौसम की जरूरत होती है। बारिश न होना रबी की फसलों खासकर गेहूं के लिए बुरा है। असल में सर्दियों की बारिश केवल पानी की जरूरत पूरा नहीं करती, बल्कि खेतों के लिए खाद का काम करती है, जिससे पौधों को नाइट्रोजन, फास्फोरस और दूसरे पोषक तत्व कुदरती रूप से मिलते हैं। इसकी पूर्ति सिंचाई करने से नहीं की जा सकती है।

उधर अक्टूबर-नवंबर के गर्म रहने से आलू का अंकुरण कम हुआ है। बहुत सी जगह बोए हुए आलू के बीज पौधा बनने की जगह गर्मी से गल गए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ने की मिठास नवंबर की गर्मी ने सोख ली। गन्ने में सुक्रोज बनने के लिए ठंड आवश्यक है, लेकिन अभी तक गन्ने में पानी की मात्रा अधिक है, इसलिए गुड़ बन ही नहीं पा रहा था। एक महीने देरी से गुड़ बनना शुरू हुआ है। देश के हर हिस्से की खेती-किसानी में बदलते मौसम ने ग्रहण लगा दिया है। उधर किसान खाद–बीज के लिए परेशान है। समझ लें कि रबी की फसल बिगड़ने का असर सारे देश की अर्थ और भोजन व्यवस्था पर पड़ना तय है।

ऊंचे पहाड़ों पर खेतों में बर्फ का आवरण आमतौर पर एक इन्सुलेशन कंबल के रूप में कार्य करता है। बर्फ की परत से उनकी फसलों की रक्षा होती है। कंद-मूल जैसे उत्पादों की वृद्धि होती है। पाले का प्रकोप नहीं हो पाता। साथ ही बर्फ से मिट्टी का कटाव भी रुकता है। पूरे हिमालय क्षेत्र में कम बर्फबारी और अनियमित बारिश से क्षेत्र में पानी और कृषि वानिकी सहित प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव पड़ने की संभावना है।

कम बर्फबारी के कारण अगर तापमान जल्दी ही बढ़ जाता है, तो देर से होने वाली बर्फबारी और भी अधिक त्रासदी दायक होगी। इससे जीएलओएफ (हिमनद झील के फटने से होने वाली बाढ़) अचानक बाढ़ आएगी और घरों, बागानों और मवेशियों को बहा ले जाएगी। गर्मी से यदि ग्लेशियर अधिक पिघले तो आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में स्थापित सैंकड़ों मेगा वाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर भी संकट या सकता है, हालांकि यह भी कड़वा सच है कि पहाड़ों के मिजाज को बिगाड़ने में इन जल विद्युत परियोजनाओं की भूमिका काम संदिग्ध नहीं है। पहाड़ों पर बर्फ का असर पंजाब की नदियों पर घहराई से होता है। लंबे समय तक सूखे के कारण झेलम और अन्य नदियों का जल स्तर अभी से नकारात्मक सीमा में है।

उत्तराखंड के पौड़ी जिले में भले ही तगड़ा जाड़ा हो, लेकिन बीते चार महीनों से बर्फबारी और बारिश न होने के कारण यहां के पर्यावरण पर अलग किस्म का खतरा मंडरा रहा है। लगातार सूखे से जमीन की नमी समाप्त हो गई है। यदि हालात नहीं सुधरे, तो यहां जंगलों में आग का खतरा बढ़ जाएगा, हालांकि यह खतरा समूचे राज्य में है और सूखी ठंड इंसानों के स्वास्थ्य के साथ-साथ खेती-किसानी का मिजाज भी बिगाड़े हुए है। बारिश और बर्फबारी की कमी का असर केवल कृषि तक सीमित नहीं है। यह पूरे पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है।

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले पहाड़ों पर बरसात और बर्फ न गिरने से जमीन का सूखना, वहां के वन्य जीवों के लिए बड़ा खतरा है। हरियाली पर जीने वाले जानवर बस्ती की तरफ आ रहे हैं और उनके पीछे-पीछे गुलदार, तेंदुए भी। घास के मैदान समाप्त होने का असर कस्तूरी मृग पर तो गहरा पड़ा है। हिमाचल, लेह, लाहौल स्पीति से ले कर उत्तराखंड के उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में दुर्लभ हो चुके हिम तेंदुओं का बगैर बर्फ के जीना मुश्किल हो रहा है।

> कोई 75 दिन बीत गए हैं, कश्मीर से लेकर उत्तरखंड और दिल्ली से ले कर समूचे मैदानी इलाके में एक बूंद भी बरसात नहीं हुई। दिसंबर–जनवरी के मध्य तक कश्मीर घाटी में बर्फबारी में 75 से 80 प्रतिशत तक गिरावट आई है।

आमने

भारत के अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री दावोस में पिकनिक मना रहे हैं। यात्रा का खर्च जनता के पैसों से पूरा किया जाएगा। यात्रा करने वाले नेताओं के खर्च का सार्वजनिक खुलासा किया जाए। भारतीय दृष्टिकोण से दावोस सम्मेलन हास्यास्पद है।

-संजय राउत
शिवसेना (यूबीटी)

सामने

मेरे पति दावोस पिकनिक मनाने नहीं गए हैं। जो व्यक्ति पिकनिक पर जाता है, वह भारत और महाराष्ट्र में निवेश लाने, रोजगार बढ़ाने के लिए काम नहीं करता। देवेंद्र फडणवीस निवेश लाने, रोजगार बढ़ाने के लिए सुबह छह से रात 11 बजे तक लगातार सम्मेलन और बैठकें करते हैं।

-अमृता फडणवीस
पत्नी, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र

कूटनीतिक चालाकी में फंसी फ्यूचर टेक्नोलॉजी

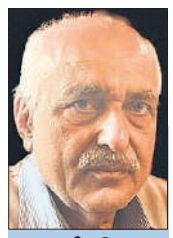

रनबीर सिंह
विज्ञान लेखक

चीन से प्रकाशित एक्टा एरोनॉटिका एट एस्ट्रोनॉटिका सिनिका जर्नल में जनवरी 2026 महीने में छपे एक रिसर्च पेपर में यूनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स अर्थात यूएसएएफ़ के लिए नॉर्थरॉप ग्रुमन एयरो स्पेस कंपनी द्वारा विकसित किए जा रहे यूएस बी 21 रेडर स्टील्थ बॉम्बर के विकास में कुछ मौलिक खामियों की तरफ इशारा किया गया है। पेपर के मुख्य लेखक और शोधकर्मी हुआंग जियानताओ द्वारा इस्तेमाल किए गए डाटा का सोर्स मालूम नहीं है और न ही उक्त जर्नल के प्रकाशक ने अपनी वेबसाइट पर जर्नल की पीडीऍफ़ कॉपी पोस्ट की है। प्रतीत होता है कि इस पेपर की एडवांस्ड कॉपी एविएशन और एरोनॉटिक्स में पॉपुलर जर्नल्स के रिपोर्टर्स को खुफिया तौर से मिली और उन्होंने इसे प्रकाशित करके यूएसएएफ़ के लिए यह हंगामा खड़ा कर दिया।

अमेरिकन विशेषज्ञों ने शंका जाहिर की है कि बी-21 रेडर स्टील्थ बॉम्बर के बारे में कुछ डाटा या तो चोरी से चीन भेजा गया है, या फिर यह सिर्फ उन सूचनाओं की दृश्यता पर आधारित है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय एविएशन मीडिया जर्नल्स ने प्रकाशित किया और जिसे विकिपीडिया जैसे सार्वजनिक प्लेटफॉर्म्स पर भी पोस्ट किया गया है। क्या यह अनधिकृत चेष्टा है, संदेह के बीज बोने का उपक्रम अथवा प्रतिद्वंदी द्वारा विकसित की जाने वाली वार टेक्नोलॉजी पर खुफिया तौर से निगहबानी? चीन के इस साइंटिफिक रिसर्च दुस्साहस में कितना सच और कितना झूठ है, तब तक मालूम नहीं हो सकता, जब तक रिसर्च पेपर के डाटा की पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विद्वज्जनों द्वारा नहीं की जाती।

चीन की पूरी की पूरी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का रहस्य है, अनधिकृत और अनापेक्षित रूप से प्राप्त की गई टेक्नोलॉजी, जिसे रिवर्स इंजीनियरिंग से उन्नत करके अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में उतरना। इसी सिलसिले में ताज़ा खबर है कि उन्नत माइक्रो प्रोसेसर चिप्स के निर्माण के लिए चीन ने नीदरलैंड्स की एडवांस्ड सेमीकंडक्टर मटेरियल लिमिटेड एएसएमएल कंपनी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाले एक्सट्रीम अल्ट्रावायलेट फोटो लिथोग्राफिक प्रिंटिंग मशीन का स्वदेश में निर्माण कर लिया है। कंपनी की इस मशीन टेक्नोलॉजी में वैश्विक मोनोपॉली है।

इस मशीन के इस्तेमाल से मास्क बनाकर सिलिकॉन वेफर्स पर माइक्रो चिप का इन्टिग्रेटेड सर्किट प्रिंट किया जाता है और फिर इस पर लाखों की संख्या में ट्रांजिस्टर्स चिपकाए जाते हैं। इसे मास्किंग, एचिंग एंड प्रिंटिंग कहते हैं। चीन के इंजीनियरों द्वारा बिना लाइसेंस के इस मशीन का निर्माण कर लेना तकनीकी तौर से समकक्ष क्षमता हासिल करने के अलावा बौद्धिक संपदा चोरी भी है। चीन ने ऐसा करके सबको विस्मित कर दिया है, क्योंकि उसे बौद्धिक संपदा कानून के उल्लंघन की बिलकुल परवाह नहीं है।

नए विमानों के विकास का बहुत सा डाटा टॉप सीक्रेट होता है, जिसे रिसर्च पेपर्स में दशकों तक जाहिर नहीं किया जाता। लंबी दूरी तक पहुंचने वाले बी-21 रेडर स्टील्थ विमान की लागत $203 मिलियन या तकरीबन 18 अरब 49 करोड़ भारतीय रुपये मूल्य में है, जिसके लिए अनुसंधान और विकास में $23.1 से अधिक का व्यय हो चुका है। बी-21 बमवर्षक विमान पारंपरिक और थर्मोन्यूक्लियर हथियार ले जाकर दुश्मन के ठिकानों पर वार कर सकता है। बूढ़े हो चुके रॉकवेल बी-1 लांसर, बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस और बी-2 स्पिरिट को हटाकर सन 2040 तक बी-21 विमान का प्रयोग यूनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स कर पाएगी, इसी उम्मीद के साथ इसका विकास किया गया है।

चीन के एयरोस्पेस साइंटिस्ट्स द्वारा प्रकाशित उक्त रिसर्च पेपर के जरिये से किया गया दावा बी-21 के डिज़ाइन में कमज़ोरियां हैं। एक साइंटिफिक दुस्साहस है। अगर यह सही हैं, जो इनकी अनदेखी के चलते बी-21 की एयरोडायनामिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है। एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी में पीएडीजे-एक्स एक स्टेटिस्टिकल सॉफ्टवेयर टूल है, जिसे एयरोस्पेस सिमुलेशन में फाल्स डिस्कवरी रेट जानने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इससे सही लगने वाली त्रुटियों को जो भौतिक सच नहीं होतीं, या ऐसी त्रुटियां जिन्हें हम भौतिक सच मान लेते हैं, फाल्स-नेगेटिव या फाल्स पॉजिटिव कहा जाता है। यह एडजॉइंट ऑप्टिमाइजेशन टेक्नोलॉजी पर आधारित है और इसका इस्तेमाल एयरोडायनामिक्स, प्रोपल्शन और स्टील्थ सहित कई डिसिप्लिन में एयरक्राफ्ट डिज़ाइन का एनालिसिस और ऑप्टिमाइज करने के लिए किया जाता है।

यह सॉफ्टवेयर ऑप्टिमाइजेशन प्रोसेस में एयरोडायनामिक्स, प्रोपल्शन, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स, इंफ्रारेड सिग्नेचर और सोनिक बूम, को एक ही प्लेटफॉर्म में इंटीग्रेट करता है, जिससे हजारों डिज़ाइन पैरामीटर्स को एक साथ टेस्ट किया जा सकता है। रिसर्च पेपर में चीन के एयरोडायनामिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर के हुआंग जियांगताओ ने कहा है कि भविष्य के युद्ध के माहौल में कॉन्फ़िगरेशन के मुकाबले में एयरक्राफ्ट की इंटीग्रेटेड परफॉर्मेंस की ज्यादा ज़रूरत महसूस हो सकती है।

> चीन की एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का रहस्य है, अनधिकृत और अनापेक्षित रूप से प्राप्त की गई टेक्नोलॉजी।

सोशल फोरम

अटल-फैज की मुलाकात

रश्मि त्रिपाठी
ब्लॉगर

बात सन 1977 या 78 की है जब पहली बार देश में गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री थे और अटल बिहारी वाजपेई विदेश मंत्री। अटल जी अपने आधिकारिक दौरे पर पाकिस्तान गए थे। जैसा कि मंत्री स्तर पर प्रोटोकॉल के तहत सब कुछ पहले से तय होता है, वैसे ही सब तयशुदा कार्यक्रम के तहत हुआ, पर अचानक ही अटल जी फ़ैज़ साहब से मिलने उनके घर पहुंच गए। यहां बता दूं कि फ़ैज़ साहब उन दिनों एशियाई-अफ्रीकी लेखक संघ के प्रकाशन के अध्यक्ष थे और उन दिनों लेबनान में कार्यरत थे, पर उन दिनों पाकिस्तान आए हुए थे।

अचानक अटल जी को आया देख वे भी सकपका गए, पर अटल जी ने बड़ी विनम्रता से हंसते हुए उनसे कहा मैं सिर्फ आपके एक शेर के लिए आपसे मिलकर आपको दाद देना चाहता था।

मक़ाम 'फ़ैज़' कोई राह में जचा ही नहीं
जो कू-ए-यार से निकले तो सू-ए-दार चले

कहते हैं कि यह सुनकर फ़ैज़ भावुक हो गए थे। बाद में अटल जी ने न सिर्फ उनसे भारत आने को कहा, बल्कि भारत आकर बसने को भी कहा।

सनद रहे कि फ़ैज़ साहब लियाकत अली खां की सरकार के तख्तापलट की साज़िश करने के जुर्म में पांच साल जेल में रह चुके थे और संदर्भित ग़ज़ल भी फ़ैज़ ने मांटगुमरी जेल में रहते हुए लिखी थी। पाकिस्तानी हुक्मरानों को फ़ैज़ कभी फूटी आंख न सुहाए। यह अलग बात है कि भारत हो या पाक वे दोनों जगह अवाम के महबूब शायर थे।

जब सन् 1981 में फ़ैज़ भारत आए तो कई शहरों में उनका काव्यपाठ आयोजित हुआ। एक पाठ के दौरान उनसे उनकी प्रसिद्ध नज़्म रकीब से पढ़ने के लिए कहा गया। फ़ैज़ ने वह नज़्म बस आधी ही सुनाई। यह पूछने पर कि आधी ही क्यों सुनाई? फ़ैज़ ने कहा, "जहां तक सुनाया, वहीं तक असली नज़्म है। बाद का हिस्सा बाद में लिखा गया था।" **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

अब निवेश सलाहकारों के दावों की होगी जांच

देश में पूंजी बाजार विशेषज्ञों के नाम पर किए जाने वाले रिटर्न दावों का अब आसानी से सत्यापन किया जा सकेगा। भ्रामक प्रचार कर बेहतर रिटर्न देने का दावा करने वालों को पकड़ने और सत्यापित करने के लिए सेबी ने पीआरआरवीए एजेंसी लॉन्च कर वैश्विक स्तर पर अपनी तरह का नया प्रयोग शुरू किया है। 1992 में सेबी अधिनियम के तहत सेबी को कानूनी दर्जा मिला था, जिससे उसे निवेशकों की सुरक्षा, बाजार की पारदर्शिता और वित्तीय गतिविधियों की निगरानी का अधिकार प्राप्त है। अपनी नियामक क्षमता के आधार पर सेबी ने स्वेच्छा से पीआरआरवीए जैसी पारदर्शी व्यवस्था शुरू की है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को प्रमाण-आधारित और सटीक जानकारी उपलब्ध कराना है।

पीआरआरवीए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और केयर एज रेटिंग्स के सहयोग से लॉन्च की गई है, जिससे इसकी विश्वसनीयता और प्रभावशीलता बढ़ गई है। अब निवेशक किसी ब्रोकर, एल्गो ट्रेडर, रिसर्च एनालिस्ट या निवेश सलाहकार के पिछले रिकॉर्ड को सत्यापित कर सकेंगे। कई लोग खुद को निवेश सलाहकार बताकर बेहतर रिटर्न का दावा करते रहते हैं, लेकिन उनका रिकॉर्ड जांचना लगभग असंभव था। कई बार केवल भरोसे और दावों के आधार पर निवेश नुकसान में बदल जाता है और निवेशकों की मेहनत की कमाई डूब जाती है। कुछ सलाहकार अपने तथ्यों में हेरफेर कर पिछले रिटर्न को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते हैं। ऐसे में पीआरआरवीए की व्यवस्था निवेशकों के लिए राहत साबित होगी।

धनीश शर्मा
लेखक

ये बात जगजाहिर है कि कुछ निवेश सलाहकार सोशल मीडिया पर दावा करते हैं कि उन्होंने ग्राहकों को सालाना 25–30% तक का रिटर्न दिया है। अक्सर वे एडिटेड स्क्रीनशॉट, भ्रामक ग्राफ और अधूरी जानकारी दिखाकर निवेशकों को आकर्षित करते हैं, हालांकि पिछले कुछ समय से सेबी ने सोशल मीडिया पर गैर पंजीकृत सलाहकारों पर लगाम लगाई है, वहीं पीआरआरवीए ऐसे दावों की वास्तविक सच्चाई तुरंत उजागर कर देगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि टीवी चैनलों पर भी कई विशेषज्ञ तेज़ रिटर्न देने का दावा करते हैं, जबकि बाजार की वास्तविकता संभावनाओं पर आधारित है। कोई भी 100% सटीक अनुमान नहीं लगा सकता।

कोविड के बाद से ही डिजिटल प्लेटफॉर्म, यूट्यूब और सोशल मीडिया पर गैर-पंजीकृत निवेश सलाहकार और फिनफ्लुएंसरों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। वे आकर्षक वीडियो और अधूरी जानकारी दिखाकर निवेशकों को गुमराह करते हैं। सेबी की इस पहल से ऐसे गैर-सत्यापित दावों पर रोक लगेगी। फिलहाल सिस्टम स्वैच्छिक है और शुरुआती चरण में है। जो लोग पीआरआरवीए में शामिल नहीं होंगे, वे भविष्य में अपने रिटर्न दावों को सार्वजनिक रूप से नहीं दिखा पाएंगे। केवल वही सलाहकार या ब्रोकर अपना प्रदर्शन दिखा सकेंगे, जिनके डेटा को स्वतंत्र रूप से सत्यापित किया गया है।

पीआरआरवीए के माध्यम से निवेशक यह सत्यापित कर सकेंगे कि किसी ब्रोकर, एल्गो ट्रेडर या रिसर्च एनालिस्ट ने पिछले वर्षों में वास्तविक रूप से कितना रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई सलाहकार पिछले पांच वर्षों में औसतन 8–10% रिटर्न दे पाया है, तो निवेशक इसे आसानी से जांच सकेंगे और जोखिम समझकर ही निवेश करेंगे। केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में पूंजी बाजार को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। फिनटेक क्षेत्र को नियंत्रित करने, निवेशक संरक्षण को मजबूत करने और डिजिटल धोखाधड़ी रोकने के लिए निरंतर सुधार किए जा रहे हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

खोज

कागज की खोज

मानव सभ्यता के विकास में कागज का आविष्कार एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी घटना माना जाता है। आज जिस कागज को हम सामान्य और दैनिक उपयोग की वस्तु समझते हैं, उसने ज्ञान के संरक्षण, प्रसार और लोकतंत्रीकरण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कागज के आविष्कार से पहले मनुष्य पत्थर, ताम्रपत्र, ताड़पत्र, भोजपत्र, चमड़े और रेशम जैसे माध्यमों पर लिखता था, जो या तो भारी थे, महंगे थे या लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रहते थे।

इतिहासकारों के अनुसार कागज का आविष्कार 105 ईसवी में चीन में हुआ। इसका श्रेय हान वंश के शाही दरबार के अधिकारी त्साई लुन (Cai Lun) को दिया जाता है। उन्होंने पेड़ की छाल, पुराने कपड़े, मछली पकड़ने के जाल और बांस जैसे रेशेदार पदार्थों को पानी में गलाकर, पीसकर और सुखाकर कागज बनाने की एक व्यावहारिक विधि विकसित की। यह पहले से मौजूद लेखन माध्यमों की तुलना में सस्ता, हल्का और अधिक उपयोगी था। चीन में लंबे समय तक कागज बनाने की तकनीक को गुप्त रखा गया, लेकिन धीरे-धीरे यह ज्ञान अन्य क्षेत्रों तक फैल गया। आठवीं शताब्दी में यह तकनीक अरब दुनिया पहुंची, जहां बगदाद और समरकंद जैसे नगर कागज निर्माण के प्रमुख केंद्र बने। इसके बाद कागज़ भारत पहुंचा और यहां फारसी व अरबी पांडुलिपियों के लेखन में इसका व्यापक प्रयोग हुआ। तेरहवीं शताब्दी तक कागज यूरोप पहुंच चुका था, जहां बाद में छापेखाने के आविष्कार के साथ इसने ज्ञान क्रांति को जन्म दिया।

भारत में कागज बनाने की सबसे पहली मिल कश्मीर में लगाई गई थी, जिसे वहां के सुल्तान जैनुल आबिदीन ने स्थापित किया था। सन् 1887 में भी कागज बनाने वाली मिल स्थापित की गई थी, जिसका नाम था टीटा कागज मिल्स, लेकिन ये मिल कागज बनाने में असफल रही। आधुनिक कागज का उद्योग कलकत्ता में हुगली नदी के तट पर बाली नामक स्थान पर स्थापित किया गया।

वैज्ञानिक के बारे में

त्साई लुन (Cai Lun) चीन के हान राजवंश के समय एक प्रमुख विद्वान और शाही अधिकारी थे। उन्हें कागज के आविष्कारक के रूप में जाना जाता है। इससे पहले लेखन के लिए बांस की पट्टियां और रेशम का प्रयोग होता था, जो भारी और महंगे थे। त्साई लुन के इस आविष्कार ने लेखन को सरल बनाया और ज्ञान, शिक्षा तथा प्रशासन के व्यापक प्रसार में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

सम्मोहित करता विलक्षण पक्षी

सनबिटर्न

क्या कोई पक्षी अपनी चोंच या नुकीले पंजों का प्रयोग किए बिना भी खूंखार शिकारियों को परास्त कर सकता है? सनबिटर्न यह सिद्ध करता है कि भीषण संकट के समय धैर्य और मनोवैज्ञानिक कौशल ही सबसे अचूक प्रहार साबित होते हैं।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

मध्य और दक्षिण अमेरिका के अभेद्य वर्षावनों में, जहां हर आहट एक नए खतरे का उद्घोष होती है, वहां जीवित रहने के लिए केवल शारीरिक शक्ति पर्याप्त नहीं है। इन रहस्यमयी जंगलों में एक ऐसा पक्षी निवास करता है, जिसने यह सिद्ध कर दिया है कि बुद्धि का सटीक प्रयोग दुनिया के किसी भी घातक हथियार से अधिक शक्तिशाली हो सकता है। प्रकृति प्रेमी इसे 'सनबिटर्न' के नाम से जानते हैं। यह न तो गरुड़ जैसी शक्ति रखता है और न ही चीते जैसी तीव्र फुर्ती, फिर भी इसमें एक ऐसा अनूठा रणकौशल है, जो बड़े-बड़े शिकारियों को किंकर्तव्यविमूढ़ कर देता है। इसकी आत्मरक्षा की यह रणनीति महज जान बचाने की कोशिश भर नहीं है, बल्कि शिकारी के मस्तिष्क को भ्रमित कर देने वाला एक गहरा मनोवैज्ञानिक मायाजाल है।

अदृश्यता का आवरण

प्रकृति में विलीन होना- सनबिटर्न की आत्मरक्षा का प्रथम चरण है पूर्णत: अदृश्य हो जाना। नदी के किनारों पर सूखी पत्तियों और कीचड़ के बीच जब यह पक्षी निश्चल खड़ा होता है, तो इसके धूसर-भूरे पंख इसे परिवेश के साथ इस कदर एकाकार कर लेते हैं कि कोई अत्यंत निकट से भी गुजर जाए, तो इसे पहचान नहीं सकता। विज्ञान की शब्दावली में इसे 'क्रिप्टिक कलरेशन' कहते हैं। इसका सीधा अर्थ है स्वयं को परिवेश के रंगों में इस तरह विलीन कर लेना कि शिकारी की दृष्टि आप पर टिक ही न पाए। जब तक संकट टल न जाए, सनबिटर्न किसी पत्थर की भांति अडिग रहकर अपनी शांति को ही अपनी सबसे अभेद्य ढाल बनाए रखता है।

भ्रम का प्रहार : आंखों का धोखा

असली रोमांच तब प्रारंभ होता है, जब छिपने का विकल्प समाप्त हो जाता है। जैसे ही कोई भूखा सर्प या जंगली बिल्ली सनबिटर्न के घेरे में प्रवेश करती है, यह शांत पक्षी अचानक रौद्र रूप धारण कर लेता है। यह पलक झपकते ही अपने पंखों को एक विशाल पंखे की भांति फैला देता है। इस क्षणिक रूपांतरण में वह लघु पक्षी एकाएक एक विशाल और डरावने जीव जैसा प्रतीत होने लगता है। उसके पंखों के भीतर नारंगी, लाल और पीले रंगों के सम्मिश्रण से दो विशाल आकृतियां उभर आती हैं, जो हूबहू किसी खूंखार शिकारी की धधकती आंखों जैसी दिखती हैं।

मनोवैज्ञानिक विजय

वैज्ञानिक इन आकृतियों को 'आई-स्पॉट्स' कहते हैं। एक सुलभ शिकार की तलाश में आया शिकारी, अचानक अपने सम्मुख दो विशाल जलती हुई आंखें देखकर स्तब्ध रह जाता है। उसे भ्रम होता है कि वह किसी पक्षी को नहीं, बल्कि किसी ऐसे दैत्यकार जीव को देख रहा है, जो स्वयं उसे ही अपना ग्रास बना सकता है। सनबिटर्न यहीं नहीं थमता, वह अपने शरीर को एक विशिष्ट लय में झुकाकर और पंखों को थिरकाकर इस भ्रम को इतना जीवंत बना देता है कि शिकारी भय और अनिश्चितता से घिर जाता है। यही एक क्षण सनबिटर्न की विजय सुनिश्चित कर देता है और शिकारी अपनी जान बचाकर वहां से भागने में ही अपनी भलाई समझता है।

जीवन का संदेश

सनबिटर्न की युक्ति, आत्मरक्षा का अर्थ सदैव हिंसा या प्रतिघात नहीं होता हैं। हमें जीवन का एक महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाती है। यह सिखाती है। कभी-कभी बिना चोंच चलाए और बिना पंजा मारे, केवल अपनी बुद्धिमत्ता और दृष्टि के छलावे से भी बड़ी जंग जीती जा सकती है। वर्षावनों की सघनता में आज भी यह पक्षी हमें स्मरण कराता है कि जब संकट विकराल हो, तो धैर्य और मानसिक कौशल ही आपके सबसे अचूक प्रहार सिद्ध होते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

शहद एक ऐसा प्राकृतिक खाद्य पदार्थ है, जो सामान्य परिस्थितियों में वर्षों तक सुरक्षित रहता है और लगभग कभी खराब नहीं होता। इसके पीछे कोई चमत्कार नहीं, बल्कि उसकी विशिष्ट रासायनिक संरचना और प्राकृतिक गुण जिम्मेदार हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल से शहद को न केवल भोजन, बल्कि औषधि के रूप में भी महत्व दिया जाता रहा है।

शहद के दीर्घायु होने का विज्ञान

शहद में पानी की मात्रा बेहद कम होती है। आमतौर पर इसमें नमी 16 से 18 प्रतिशत के बीच रहती है, जबकि अधिकांश बैक्टीरिया और फफूंद को जीवित रहने और बढ़ने के लिए कहीं अधिक नमी की आवश्यकता होती है। पानी की कमी के कारण सूक्ष्मजीव शहद में पनप नहीं पाते। इसके साथ ही शहद में शर्करा की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो लगभग 80 प्रतिशत तक होती है। इतनी अधिक शर्करा के कारण उसमें ऑस्मोटिक दबाव बहुत ज्यादा होता है, जिससे बैक्टीरिया और फफूंद की कोशिकाओं से पानी बाहर खिंच जाता है और वे निष्क्रिय हो जाते हैं।

शहद की प्रकृति हल्की अम्लीय होती है। इसका pH सामान्यतः 3.2 से 4.5 के बीच रहता है। यह अम्लीय वातावरण अधिकांश रोगजनक सूक्ष्मजीवों के लिए अनुकूल नहीं होता, जिससे वे उसमें जीवित नहीं रह पाते। इसके अलावा शहद में प्राकृतिक जीवाणुरोधी तत्व भी पाए जाते हैं। मधुमक्खियां शहद बनाते समय उसमें ग्लूकोज़ ऑक्सीडेज नामक एंजाइम मिलाती हैं, जो नमी के संपर्क में आने पर हाइड्रोजन पेरॉक्साइड उत्पन्न करता है। यह पदार्थ बैक्टीरिया को नष्ट करने में सहायक होता है।

इतिहास में इसके प्रमाण भी मिलते हैं। मिस्र के पिरामिडों से हजारों वर्ष पुराना शहद प्राप्त हुआ है, जो आज भी सुरक्षित पाया गया। हालांकि यदि शहद में पानी मिल जाए, वह खुले या गीले बर्तन में रखा जाए या उसमें मिलावट हो, तो उसके खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से रखा गया शुद्ध शहद समय की कसौटी पर खरा उतरता है और प्रकृति का एक अनोखा, दीर्घजीवी खाद्य पदार्थ साबित होता है।

जंगल की दुनिया

छोटे शरीर में बड़ी सजा बुलेट चींटी का डंक

मध्य और दक्षिण अमेरिका के घने वर्षावनों में पाई जाने वाली बुलेट चींटी (Paraponera clavata) को दुनिया के सबसे दर्दनाक डंक वाले कीटों में गिना जाता है। प्रसिद्ध कीट विज्ञानी जस्टिन श्मिट द्वारा विकसित श्मिट स्टिंग पेन इंडेक्स में इसका स्थान सबसे ऊपर है। स्वयं श्मिट ने इसके दर्द की तुलना "गरम कोयलों पर चलते हुए एड़ी में कील ठोंक दिए जाने" से की थी। इस डंक का असर केवल तीव्र पीड़ा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कई मामलों में यह दर्द 24 घंटे या उससे अधिक समय तक बना रह सकता है।

दिलचस्प बात यह है कि बुलेट चींटियां आक्रामक शिकारी नहीं होतीं। ये मुख्यतः जमीन और पेड़ों के निचले हिस्सों में रहती हैं और अपने डंक का उपयोग आत्मरक्षा के लिए करती हैं। इनका विष (venom) शिकार को मारने से ज्यादा शत्रु को डराने और लंबे समय तक निष्क्रिय करने के लिए विकसित हुआ है। यही कारण है कि डंक के बाद दर्द तो अत्यधिक होता है, लेकिन स्थायी शारीरिक क्षति अपेक्षाकृत कम होती है।

इसी तरह, टारेंटुला हॉक ततैया, कुछ बिच्छू और अन्य विषैले कीट भी ऐसे रक्षात्मक तंत्र अपनाते हैं, जिनका उद्देश्य मृत्यु नहीं बल्कि तीव्र, यादगार पीड़ा देना होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसा दर्द शिकारियों के व्यवहार को लंबे समय तक बदल देता है, वे भविष्य में उस प्रजाति से दूरी बनाए रखते हैं। इन कीटों के डंक पर किए गए अध्ययन हमें यह समझने में मदद करते हैं कि विकासक्रम (evolution) में दर्द किस तरह एक प्रभावी हथियार के रूप में उभरा। साथ ही, इन विषों के रासायनिक गुणों पर शोध से दर्द निवारण (pain management) और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं खुल सकती हैं।

बुलेट चींटी और ऐसे अन्य कीट हमें यह सिखाते हैं कि प्रकृति में शक्ति हमेशा आकार या आक्रामकता में नहीं, बल्कि अनुभव कराए गए भय और दर्द की तीव्रता में भी निहित हो सकती है।

मृत्यु को चुनौती देने की मानवीय महत्वाकांक्षा व उसके वैज्ञानिक आयाम

मनुष्य ने सदियों से मृत्यु को अपनी सबसे बड़ी पराजय माना है। प्राचीन सभ्यताओं में अमृत की खोज, चीन के सम्राटों द्वारा जीवन रसायनों की तलाश और भारतीय पौराणिक कथाओं में अमृत मंथन की कहानियां इस बात की गवाह हैं कि अमरता मानव की सबसे पुरानी आकांक्षाओं में से एक रही है। 21 वीं सदी में यह खोज पौराणिक कथाओं से निकलकर अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं तक पहुंच चुकी है, जहां अरबों डॉलर की पूंजी और विश्व के श्रेष्ठ वैज्ञानिक इस प्रश्न से जूझ रहे हैं, क्या मनुष्य वास्तव में मृत्यु के विधान को बदल सकता है?

जयदेव राठी भराण
स्वतंत्र लेखक

विज्ञान की नई सीमाएं: कहां पहुंची है अमरत्व की खोज- आज एंटी-एजिंग और दीर्घायु अनुसंधान एक बहु-अरब डॉलर का उद्योग बन चुका है। विभिन्न अनुमानों के अनुसार, वैश्विक एंटी-एजिंग बाजार 2023 में 60 से 70 अरब डॉलर का था, जो 2030 तक 100 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। सिलिकॉन वैली के अरबपति इस दौड़ में सबसे आगे हैं। जेफ बेजोस द्वारा समर्थित एल्टोस लैब्स सेलुलर रीप्रोग्रामिंग पर काम कर रही है, जबकि गूगल की सहायक कंपनी कैलिको उम्र बढ़ने की जैविक प्रक्रिया को समझने में अरबों डॉलर खर्चकर रही है।

सैम ऑल्टमैन और ब्रायन जॉनसन जैसे तकनीकी उद्यमी स्वयं को "जीवित प्रयोगशाला" में बदल चुके हैं। ब्रायन जॉनसन अपने "ब्लूप्रिंट" कार्यक्रम पर हर साल लाखों डॉलर खर्च करते हैं और दावा करते हैं कि उनकी जैविक आयु वास्तविक आयु से कई वर्ष कम हो चुकी है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण: चार प्रमुख मार्ग- वैज्ञानिक दृष्टि से अमरता या दीर्घायु की खोज चार प्रमुख दिशाओं में आगे बढ़ रही है। पहली, सेनोलिटिक्स, जिसमें शरीर से बूढ़ी और क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को हटाने का प्रयास किया जाता है। चूहों पर इसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं, लेकिन मनुष्यों पर व्यापक परीक्षण अभी जारी हैं।

- दूसरी दिशा टेलोमियर विस्तारण की है। टेलोमियर हमारे गुणसूत्रों के सिरे होते हैं, जो हर कोशिका विभाजन के साथ छोटे होते जाते हैं। इन्हें लंबा करने के प्रयास किए जा रहे हैं, हालांकि इससे कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है।
- तीसरी दिशा नैनोटेक्नोलॉजी और आणविक मरम्मत की है, जहां भविष्य में नैनो-रोबोट्स द्वारा कोशिकाओं की मरम्मत की कल्पना की जा रही है।
- चौथी और सबसे विवादास्पद दिशा क्रायोनिक्स और माइंड अपलोडिंग की है, जिसमें मृत्यु के बाद शरीर या मस्तिष्क को अत्यंत निम्न तापमान पर संरक्षित किया जाता है, इस उम्मीद में कि भविष्य की तकनीक उन्हें पुनर्जीवित कर सकेगी।

भारतीय परिप्रेक्ष्य: परंपरा और आधुनिकता का संगम

भारतीय दर्शन मृत्यु को जीवन के स्वाभाविक चक्र का हिस्सा मानता है। गीता का कथन- "जातस्य हि ध्रुवो मृत्यु:" इसी सत्य को रेखांकित करता है। यहां अमरता आत्मा के स्तर पर मानी गई है, शरीर के स्तर पर नहीं। आयुर्वेद ने दीर्घ और स्वस्थ जीवन पर जोर दिया, लेकिन शाश्वत शारीरिक अमरता को लक्ष्य नहीं बनाया।

आशा और यथार्थ के बीच

विज्ञान हमें अधिक स्वस्थ और लंबा जीवन दे सकता है, लेकिन मृत्यु को पूरी तरह परास्त करना अभी दूर की बात है। शायद असली प्रश्न यह नहीं है कि क्या हम अमर हो सकते हैं, बल्कि यह है कि क्या हमें अमर होना चाहिए। 120 वर्षों का रोगग्रस्त जीवन, 80 वर्षों के स्वस्थ, सार्थक और संतुलित जीवन से बेहतर नहीं कहा जा सकता। वास्तविक बुद्धिमत्ता शायद सीमाओं को पूरी तरह तोड़ने में नहीं, बल्कि यह समझने में है कि हमें कहां रुकना चाहिए।

व्यक्तिगत उपचार योजनाएं

इन तमाम प्रयासों के बावजूद वास्तविकता अपेक्षाकृत संयमित है। पिछले सौ वर्षों में वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 30 से बढ़कर लगभग 73 वर्ष हुई है, लेकिन यह वृद्धि मुख्यत: बेहतर स्वच्छता, पोषण और चिकित्सा सुविधाओं के कारण है, न कि उम्र बढ़ने की मूल जैविक प्रक्रिया पर विजय के कारण। आज तक प्रमाणित अधिकतम मानव आयु 122 वर्ष ही है और पिछले दशकों में इस सीमा में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। मेटफॉर्मिन, रैपामाइसिन और एनएडी प्लस जैसी दवाओं ने प्रयोगशाला में जानवरों की आयु बढ़ाई है, लेकिन मनुष्यों पर उनके दीर्घकालिक प्रभाव अभी स्पष्ट नहीं हैं। अधिकांश वैज्ञानिक इस बात पर सहमत हैं कि हम "स्वस्थ जीवनकाल" बढ़ा सकते हैं, पूर्ण अमरता अभी विज्ञान कथा ही है।

इस खोज को गति देने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका निर्णायक बनती जा रही है। एआई दवा खोज की प्रक्रिया को तेज कर रहा है, जैविक बायोमार्कर्स की पहचान में मदद कर रहा है और व्यक्तिगत उपचार योजनाएं तैयार कर रहा है।

एआई आधारित एल्गोरिदम अब किसी व्यक्ति की जैविक आयु का आकलन पहले से कहीं अधिक सटीकता से कर पा रहे हैं, लेकिन यह खोज गंभीर नैतिक और सामाजिक प्रश्न भी खड़े करती है। यदि दीर्घायु तकनीकें सफल होती हैं, तो क्या वे केवल अमीरों तक सीमित रहेंगी? क्या समाज में एक नया जैविक वर्गभेद पैदा होगा? जनसंख्या, संसाधन और पीढ़ियों के बीच अवसरों का संतुलन भी एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,307 .37	25,289 .90
बढ़त	397 .74	132 .40
प्रतिशत में	0 .49	0 .53

सोना 1,57,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,20,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

कॉफी निर्यात मूल्य के लिहाज से 22.50% बढ़ा

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में भारत का कॉफी निर्यात मात्रा के हिसाब से 4 .47% गिरकर 3 .84 लाख टन रहा, लेकिन मूल्य के लिहाज से यह 22 .50% बढ़कर 2 .05 अरब डॉलर पहुंच गया। कॉफी बोर्ड के अनुसार, मात्रा के संदर्भ में, कुल निर्यात 2024 के 4 .02 लाख टन के मुकाबले कम रहा। प्रति टन मूल्य प्राप्ति 2025 में बढ़कर 4 .65 लाख रुपये रही, जो पिछले वर्ष 3 .48 लाख रुपये प्रति टन थी। कॉफी उत्पादन में भारत का विश्व में सातवां और निर्यात में पांचवां स्थान है। 2025 के दौरान अरेबिका कॉफी का निर्यात 65% गिरकर 15,607 टन रहा, जो पिछले वर्ष 44,315 टन था। आलोच्य तिमाही में रोबस्टा कॉफी का निर्यात भी 13% घटकर 2 .07 लाख टन से 1 .80 लाख टन रह गया। इंस्टेंट कॉफी का निर्यात 2025 में 11 .56% बढ़कर 46,954 टन रहा, जो पिछले वर्ष 42,054 टन था। इटली, रूस और जर्मनी भारतीय कॉफी के शीर्ष तीन खरीदार रहे।

रेजरपे को ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर लाइसेंस

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी रेजरपे की ऑफलाइन भुगतान इकाई रेजरपे पीओएस को आरबीआई से ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में कार्य करने का लाइसेंस मिल गया है। कंपनी ने बताया कि इस प्राधिकरण के साथ रेजरपे के पास अब आरबीआई के तीनों प्रमुख लाइसेंस, ऑनलाइन पेमेंट एग्रीगेटर, क्रॉस-बॉर्डर एग्रीगेटर (दिसंबर 2025 में प्राप्त) और ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर हैं। रेजरपे के प्रबंध निदेशक एवं सह-संस्थापक शशांक कुमार ने यह जानकारी दी।

विद्युत पारेषण नेटवर्क पांच लाख सर्किट किमी

नई दिल्ली। देश का विद्युत पारेषण नेटवर्क 220 किलोवोल्ट और उससे अधिक क्षमता वाली लाइन के साथ पांच लाख सर्किट किलोमीटर का आंकड़ा पार कर गया है। साथ ही कुल ट्रांसफॉर्मर क्षमता 1,407 गीगावोल्ट एम्पियर तक पहुंच गई है। मंत्रालय के अनुसार, राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से बिजली पारेषण के लिए भादला-दो से सीकर-दो सब-स्टेशन तक 765 किलोवॉट की 628 सर्किट किलोमीटर लंबी पारेषण लाइन का संचालन शुरू करने के साथ ही दुनिया के सबसे बड़े राष्ट्रीय ग्रिड ने यह उपलब्धि 14 जनवरी को हासिल की।

ईयू ने निर्यात लाभ छूट किया स्थगित

87% भारतीय उत्पाद उच्च आयात शुल्क से होंगे प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय संघ (ईयू) ने 1 जनवरी, 2026 से भारत और दो अन्य देशों को सामान्यीकृत तरजीही व्यवस्था (जीएसपी) के तहत कुछ क्षेत्रों को दिए गए विशेष निर्यात लाभ को स्थगित कर दिया है। यह कदम 27 देशों वाले इस समूह को भारत से होने वाले निर्यात पर असर डालेगा। यह घटना इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि भारत और यूरोपीय संघ 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर बातचीत पूरी होने की घोषणा कर सकते हैं।

यूरोपीय संघ के आधिकारिक जर्नल के मुताबिक, यूरोपीय आयोग ने सितंबर, 2025 में नियम जारी किए थे, जिनके तहत जीएसपी लाभ पाने वाले कुछ देशों- भारत, इंडोनेशिया और केन्या के लिए यह निर्यात छूट एक जनवरी 2026 से 31 दिसंबर 2028 तक लागू नहीं होगी। इसका मतलब है कि अब तक 12 प्रतिशत शुल्क वाले किसी वस्त्र उत्पाद पर जीएसपी के तहत 9.6 प्रतिशत शुल्क ही देना पड़ता था, लेकिन अब पूरी 12 प्रतिशत दर लागू होगी। यह छूट अब सभी प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों- खनिज, रसायन, प्लास्टिक, रबर, वस्त्र और परिधान, पत्थर एवं सिरेमिक, कीमती धातुएं, लोहा एवं इस्पात, मशीनरी, इलेक्ट्रिकल वस्तुएं और परिवहन उपकरण से हटा दी गई है। ये क्षेत्र भारत के यूरोपीय निर्यात का प्रमुख आधार हैं।

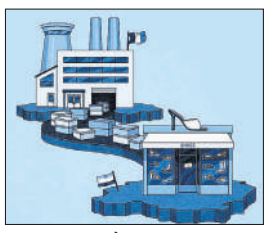

- भारतीय निर्यातकों को करना पड़ेगा महत्वपूर्ण चुनौती का सामना

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने कहा कि वस्त्र एवं प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों को मिले जीएसपी लाभ हटाए जाने से भारतीय निर्यातकों को ''महत्वपूर्ण चुनौती'' का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि 87 प्रतिशत निर्यात अब उच्च आयात शुल्क के अधीन होंगे। केवल कृषि और चमड़ा जैसे 13 प्रतिशत निर्यात ही अब जीएसपी लाभ के दायरे में रह जाएंगे। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत-ईयू एफटीए संपन्न होने से जुड़ी उम्मीदों के बीच जीएसपी छूट हटाए जाने और कार्बन कर प्रणाली सीबीएएम के तहत कर शुरू होने से भारतीय निर्यातकों को निकट भविष्य में उच्च शुल्क, बढ़ी हुई अनुपालन लागत और प्रतिस्पर्धा में कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि 87 प्रतिशत भारतीय निर्यात अब सर्वाधिक तरजीही देश (एमएफएन) के लिए लागू दर पर यूरोप में प्रवेश करेंगे, जिससे भारत की कीमत प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी।

महाशक्तियों के लिए ये साथ आने का अवसर : जर्मन चांसलर

दावोस। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित एफटीए पर हस्ताक्षर से चंद दिनों पहले जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने गुरुवार को कहा कि महाशक्तियों का युग संरक्षणवाद एवं अलगाववाद के बजाय नियम-आधारित व्यवस्था एवं मुक्त व्यापार का समर्थन करने वाले देशों के लिए एक अवसर है। मर्ज ने डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में कहा कि यूरोप उच्च आर्थिक वृद्धि चाहता है और इसे हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष भारत जाएंगी, जहां भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सिद्धांतों को अंतिम रूप दिया जाएगा। मर्ज ने कहा कि एक सप्ताह पहले मैं भारत में था। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य उन देशों के लिए अवसर प्रस्तुत करता है जो मनमाने फैसलों के बजाय नियमों को प्राथमिकता देते हैं और संरक्षणवाद एवं अलगाववाद के स्थान पर मुक्त व्यापार में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में यूरोपीय संघ नए साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। मर्ज ने मेक्सिको एवं इंडोनेशिया के साथ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिए जाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

- भारत और ईयू के बीच प्रस्तावित एफटीए पर हस्ताक्षर से चंद दिनों पहले मर्ज ने की टिप्पणी

वैश्विक आर्थिक शक्ति बना भारत

दावोस, एजेंसी

भारत ने पिछले दशक में उभरती अर्थव्यवस्था की छवि से बाहर निकल कर खुद को महत्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में तब्दील किया है, जिसकी नींव मजबूत वृद्धि एवं व्यापक डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू और गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने यहां आयोजित एक सत्र में यह बात कही।

सीआईआई और केपीएमजी द्वारा आयोजित सत्र में नायडू ने कहा कि भारत विश्वास, पैमाने एवं नवाचार के संगम पर खड़ा है। भारत अपने स्थिर लोकतांत्रिक संस्थानों के जरिये भरोसेमंद व्यवस्था, विविधता एवं आकार के जरिये मजबूती और किफायती एवं मूल्यवर्धित समाधान देकर प्रासंगिकता प्रदान करता है। संघवी ने इस बात पर जोर दिया कि दशकों तक भारत को उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन आज की सच्चाई और है। भारत अब केवल उभरता हुआ देश नहीं रहा बल्कि वह वैश्विक वृद्धि के लिए, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए, लोकतांत्रिक स्थिरता के लिए तथा नवाचार, निरंतरता एवं समावेशी विकास के भविष्य के लिए निर्णायक भूमिका निभा रहा है। नायडू ने कहा कि भारत को अब उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता। भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के लिए अनिवार्य बनता जा रहा है।

नायडू ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के इतर सत्र में कहा कि भारत की वर्तमान वृद्धि व्यापक है, डिजिटल रूप से सक्षम है, मजबूत अवसंरचना से समर्थित एवं समावेशी है। भारत के विकास मॉडल में बदलावों में से एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण रहा है। डिजिटल पहचान, वास्तविक समय (रीयल-टाइम) में भुगतान और सहमति-आधारित डेटा साझाकरण जैसे मंचों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को विशेष लाभ प्रदान किया है।

- दावोस में आयोजित सीआईआई और केपीएमजी के सत्र में भारतीय मंत्रियों ने दिए बयान

व्यापार समझौते पर ट्रंप की टिप्पणी उत्साहजनक : वैष्णव

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के साथ अच्छा व्यापार समझौता करने के बयान पर गुरुवार को कहा कि वैश्विक व्यापार मामलों में भारत की स्थिति और गहरी भागीदारी को देखते हुए यह बेहद उत्साहजनक है। ट्रंप ने कल शाम कहा था कि अमेरिका, भारत के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करने जा रहा है और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को एक बेहदतरीन व्यक्ति और अपना मित्र बताया था जिनके लिए उनके मन में बेहद सम्मान है। वैष्णव ने कहा कि व्यापार मामलों में भारत की स्थिति और गहन भागीदारी को देखते हुए, यह बेहद उत्साहजनक है। वैष्णव डब्ल्यूईएफ की बैठक के लिए आए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

डाक विभाग का लक्ष्य राजस्व में 30 प्रतिशत की वृद्धि करना : सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि डाक विभाग ने चालू वित्त वर्ष में राजस्व में 30% की वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा है। डाक विभाग (डीओपी) की 2025-26 तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही समीक्षा के बाद मंत्री ने कहा कि छह में से पांच क्षेत्रों के राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई जबकि अमेरिकी प्रतिबंधों से अंतर्राष्ट्रीय डाक का राजस्व स्थिर रहा।

सिंधिया ने कहा कि 2025-26 के लिए हमारा लक्ष्य 17,546 करोड़ रुपये है, जिसका मतलब है कि हम वित्त वर्ष 2024-25 के 13,240 करोड़ रुपये से एक ही वित्त वर्ष में राजस्व में 30 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2023-2024 में यह 12,800 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 13,240 करोड़ रुपये हुआ जो केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि है। सिंधिया ने कहा कि इसलिए, 2023-2024 से 2024-25 की तुलना में वृद्धि दर मात्र तीन प्रतिशत है। इसे हम वित्त वर्ष 2025-26 में 10 गुना कर 30 प्रतिशत करने का इरादा रखते हैं।

- तिमाही समीक्षा के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा- छह में से पांच क्षेत्रों के दर्ज की गई वृद्धि

भू-राजनीतिक तनाव घटने से सेंसेक्स 398 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में मजबूती और ग्रीनलैंड मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के नरम रुख अपनाने से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीन सत्रों की गिरावट से उबरने में सफल रहे। सेंसेक्स 398 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 132 अंकों की तेजी रही। कारोबारियों ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये में हल्का सुधार आने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी निवेशक धारणा को समर्थन मिला।

बीएसई का सेंसेक्स 397.74 अंक बढ़कर 82,307.37 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 873.55 अंक उछला था, लेकिन ऊपरी स्तर पर बिकवाली से यह उस तेजी को कायम नहीं रख सका। वहीं, एनएसई का निफ्टी 132.40 अंक बढ़कर 25,289.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, सन फार्मास्युटिकल्स, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे। दूसरी तरफ, इटर्नल, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सूचकांक में 1.28 प्रतिशत की तेजी रही जबकि छोटी कंपनियों का स्मालकैप सूचकांक 1.13 प्रतिशत चढ़ गया। क्षेत्रवार सूचकांकों में पीएसयू बैंक में सर्वाधिक 2.43 प्रतिशत की तेजी रही जबकि पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.03 प्रतिशत, औद्योगिक खंड में 1.78 प्रतिशत और जनकेंद्रित सेवा खंड में 1.57 प्रतिशत की बढ़त रही।

- वैश्विक बाजारों में मजबूती और ग्रीनलैंड पर राष्ट्रपति ट्रंप के नरम रुख ने बाजार को दी मजबूती
- रुपये में हल्का सुधार आने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी निवेशक धारणा को मिला समर्थन

एशिया और यूरोप के बाजार बढ़त के साथ हुए बंद

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार मजबूत रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,787 .66 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,520 .47 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इस बीच, अंतर्राष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.10 प्रतिशत गिरकर 64 .52 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बुधवार को सेंसेक्स 270 .84 अंक टूटकर 81,909 .63 अंक और निफ्टी 75 अंक गिरकर 25,157 .50 अंक पर बंद हुआ था।

राष्ट्रीय

उप्र गैंगस्टर अधिनियम की वैधता पर शीर्ष सुनवाई शुरू

याचिकाकर्ताओं ने बताया- 1986 का कानून मनमाना और केंद्रीय कानून के विपरीत

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एवं समाज विरोधी गतिविधि रोकथाम अधिनियम 1986 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई शुरू की। याचिकाकर्ताओं ने न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ को बताया कि 1986 का कानून मनमाना और केंद्रीय कानून के विपरीत।

याचिकाकर्ताओं में से एक के अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 111 में पहले से ही गैंगस्टरों और संगठित अपराध से संबंधित प्रावधान हैं और ऐसे ही प्रावधान उत्तर प्रदेश गैंगस्टर अधिनियम के तहत भी हैं। राज्य सरकार ने 1986 के अधिनियम से जुड़े नियमों में संशोधन किया है और कुख्यात अपराधियों की संपत्ति कुर्क करने का प्रावधान अब बीएनएस में भी शामिल किया गया है। उप्र का गैंगस्टर अधिनियम केंद्रीय कानून से टकराता है क्योंकि इस क्षेत्र में पहले से ही कानून मौजूद है और राज्य का कानून उस पहलू पर नियम नहीं बना सकता।

पीठ ने कहा कि राज्य का कानून केंद्रीय कानून के विपरीत नहीं है और दोनों एक ही चीज हैं। तिवारी ने दलील दी कि यह जरूरी नहीं कि कानूनों में सीधा टकराव हो, बल्कि पहले से ही केंद्र का कानून लागू है, तो राज्य उस क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज और अधिवक्ता रुचिरा गोयल ने कहा कि टकराव का मुद्दा सुनवाई में पहली बार उठाया गया है और वे इस संबंध में जवाब दाखिल करना चाहेंगे। याचिकाकर्ताओं में से एक के अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने तिवारी के तर्क का समर्थन करते हुए कहा कि यह कानून सिर्फ केंद्र के कानून से टकराता ही नहीं है, बल्कि मनमाना भी है। न्यायालय ने सुनवाई मार्च में तय की और पक्षों से जवाब के लिए कहा।

- पीठ ने कहा- राज्य का कानून केंद्रीय कानून के विपरीत नहीं है और दोनों एक ही चीज

भगदड़ रोकने पर निर्देश जारी करने से इन्कार

उच्चतम न्यायालय ने धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों और यात्राओं समेत बड़े सार्वजनिक समारोहों के दौरान भगदड़ रोकने से जुड़ी जनहित याचिका पर कोई व्यापक आदेश पारित करने से गुरुवार को इन्कार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं विपुल एम. पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता को यह मामला केंद्रीय गृह मंत्रालय और निर्वाचन आयोग के समक्ष आगे बढ़ाने की अनुमति दी। प्रधान न्यायाधीश ने सुनवाई की शुरुआत में भीड़ प्रबंधन एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप के दायरे को लेकर बुनियादी सवाल उठाए। पीठ ने कहा कि तुम्बलम गूटी वेंकटेश द्वारा दायर याचिका में केंद्र को बड़ी संख्या में लोगों के जमावड़े वाले सार्वजनिक आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा के संबंध में बाध्यकारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने और लागू करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया गया है।

निर्वाचन आयोग ने एसआईआर को निष्पक्ष, न्यायसंगत और उचित बताया

निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने संबंधी निर्णय को निष्पक्ष, न्यायसंगत और उचित बताया और उच्चतम न्यायालय से बिहार में इस प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का आग्रह किया। इसने दलील दी कि कुछ गैर सरकारी संगठनों और नेताओं के इशारे पर विशेष पड़ताल के नाम पर बिना किसी ठोस आधार के जांच नहीं की जा सकती। आयोग के अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि बिहार एसआईआर में जिन 66 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे, उनमें से कोई भी इस अदालत या उच्च न्यायालय में नहीं आया और न ही उन्होंने निर्वाचन आयोग के समक्ष कोई याचिका दायर की। एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स), पीयूसीएल (पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टी) तथा कुछ सांसदों के कहने पर बिना किसी ठोस आधार के जांच की अनुमति नहीं दी जा सकती। वरिष्ठ वकील ने बिहार समेत विभिन्न राज्यों में निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर करने के निर्णय को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं की अंतिम सुनवाई के दौरान ये दलीलें पेश कीं।

प्रसार भारती को क्रिकेट टीम को टीम इंडिया कहने से रोकने की मांग खारिज

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को उस याचिका को बेकार बताते हुए खारिज कर दिया, जिसमें सार्वजनिक प्रसारक प्रसार भारती को बीसीसीआई की क्रिकेट टीम को टीम इंडिया कहने से रोकने का अनुरोध किया गया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के 8 अक्टूबर के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें वकील रीपक कंसल की जनहित याचिका को खारिज कर दिया गया था। पीठ ने कहा कि आप बस घर बैठकर याचिका का मसौदा बनाना शुरू कर दें। इस सब में क्या दिक्कत है? अदालत पर बोझ न डालें।

लाल किला : आतंकी को मौत की सजा के खिलाफ याचिका पर राज्य को नोटिस

उच्चतम न्यायालय ने 2000 के लाल किला हमले के मामले में मौत की सजा पाए लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकी मोहम्मद आरिफ की उपचारात्मक याचिका पर सुनवाई करने पर गुरुवार को सहमति जताई। इस हमले में सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे। न्यायालय ने इस मामले में सजा के खिलाफ आरिफ की पुनर्विचार याचिका तीन नवंबर 2022 को खारिज कर दी थी। आरिफ उर्फ अशफाक को अक्टूबर 2005 में निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी और दिल्ली हाईकोर्ट ने सितंबर 2007 में निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा था।

कर्नाटक के राज्यपाल ने तीन वाक्य में खत्म किया संबोधन

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गुरुवार को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में अपना परंपरागत अभिभाषण केवल तीन वाक्यों (सरकार द्वारा तैयार किए गए विस्तृत भाषण के पहले और आखिरी वाक्यों समेत) में समाप्त कर दिया, जिसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्यपाल पर अपना खुद का विचार व्यक्त करने का आरोप लगाया और उन्हें केंद्र सरकार की कठपुतली करार दिया। गैर-भाजपा शासित तीन दक्षिणी राज्यों (केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक) में दो दिनों में राज्यपाल और सरकार के बीच तीसरी बार टकराव हुआ है। विधानसभा और विधानपरिषद में अपने संक्षिप्त संबोधन के बाद गहलोत सत्ताधारी कांग्रेस सदस्यों के विरोध के बीच सदन से बाहर चले गए, जिन्होंने उन्हें घेरने का प्रयास किया। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर, विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी, विपक्ष के नेताओं, मंत्रियों और सदस्यों का अभिवादन करते हुए अभिभाषण शुरू किया। राज्यपाल ने हिंदी में कहा कि मैं राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं। मुझे कर्नाटक विधानमंडल के एक और संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मेरी सरकार राज्य के आर्थिक, सामाजिक एवं भौतिक विकास को दोगुना करने को प्रतिबद्ध है। जय हिंद, जय कर्नाटक। इस पर सत्ता पक्ष के विधायक खड़े हो गए और गहलोत से अभिभाषण पूरा करने का अनुरोध किया।

- मुख्यमंत्री ने की आलोचना राज्यपाल पर खुद का विचार व्यक्त करने का लगाया आरोप

एसआईआर को लेकर मानसिक तनाव ने 110 लोगों की ली जान : ममता

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मानसिक तनाव और दहशत से अब तक 110 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने यहां 49वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले का उद्घाटन करते हुए कहा कि उनकी नई पुस्तक का इस मेले में विमोचन होगा। यह पुस्तक एसआईआर के कारण लोगों को झेलनी पड़ रही पीड़ा पर आधारित 26 कविताओं का संकलन है।

बनर्जी ने कहा कि बुजुर्ग सहित सैकड़ों लोगों को सुनवाई के लिए एसआईआर शिविरों में कतार में खड़ा होना पड़ रहा है और प्रतिदिन पांच-छह घंटे खुले में इंतजार करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तार्किक विसंगतियों के नाम पर वे (निर्वाचन आयोग) बंगालियों के उपनाम को लेकर सवाल पूछ रहे हैं, जो (उपनाम) वर्षों से ज्ञात और स्वीकृत हैं। उन्होंने कहा कि मुझे ममता बनर्जी और ममता बंद्योपाध्याय, दोनों नाम से जाना जाता है। उसी तरह चटर्जी और चट्टोपाध्याय एक ही उपनाम हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान ठाकुर को टैगोर नाम से भी जाना जाने लगा। अगर रवींद्रनाथ टैगोर जीवित होते, तो शायद उन्हें भी आज इस स्थिति का सामना करना पड़ता। उन्होंने दावा किया कि दो या दो से अधिक बच्चों वाले माता-पिता से उनकी उम्र में अंतराल के बारे में स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है और बुजुर्ग लोगों से जन्म प्रमाण पत्र मांगे जा रहे हैं। हमारी माताएं हमें सटीक जन्मतिथि नहीं बता सकतीं। यहां तक कि (पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी) वाजपेयी जी ने भी मुझे बताया था कि 25 दिसंबर उनकी असली जन्मतिथि नहीं है।

निर्वाचन आयोग ने नया एप ईसीआईनेट किया जारी

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को मतदाताओं, अधिकारियों और राजनीतिक दलों के लिए एक नया डिजिटल एप ईसीआईनेट जारी किया और कहा कि यह भ्रामक सूचना का मुकाबला करने का एक हथियार है। उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों को उनकी भाषाओं में और उनके कानूनों के अनुसार उपकरण विकसित करने में सहायता की पेशकश की।

कुमार ने बताया कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों ने भ्रामक सूचना के विषय पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने ईसीआईनेट को गलत सूचनाओं के प्रसार की चुनौती से निपटने के लिए एक औजार करार दिया क्योंकि इस पर चुनाव संबंधी सभी तथ्य उपलब्ध हैं। ईसीआईनेट अपने 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन को एकीकृत करेगा तथा सभी चुनाव-संबंधी गतिविधियों के लिए एक एकल मंच प्रदान करेगा।

- ज्ञानेश कुमार ने भ्रामक सूचनाओं से मुकाबले का बताया हथियार

बजट सत्र से एक दिन पहले 27 को होगी सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के आगामी बजट सत्र के शुरू होने से एक दिन पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक होगी, जिसमें दोनों सदनों के विधायी कार्यों और अन्य विषयों को लेकर चर्चा की जाएगी। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा और केंद्रीय बजट एक फरवरी (रविवार) को पेश किया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बताया था कि संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होकर दो अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र की शुरुआत लोकसभा में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आर्थिक सर्वेक्षण और आम बजट पेश करेंगी। संसदीय परिपाटी के मुताबिक, इस बार भी बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। इस बार एक फरवरी रविवार को है। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा और 9 मार्च से बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू होगा जो दो अप्रैल तक चलेगा।

- दोनों सदनों के विधायी कार्यों और अन्य विषयों पर होगी चर्चा

छत्तीसगढ़ में इस्पात संयंत्र में विस्फोट में छह की मौत

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में गुरुवार सुबह इस्पात संयंत्र में हुए विस्फोट में छह मजदूरों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। जिलाधिकारी दीपक सोनी ने बताया कि यह घटना बकुलाही गांव में स्थित रियल इस्पात एंड पावर लिमिटेड में सुबह 9 बजकर 40 मिनट पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के बाद फैक्टरी से धुएं का गुबार उठता देखा गया। मजदूरों के शव जली हुई हालत में थे। ज्यादातर मजदूर बिहार व झारखंड के थे।

जिलाधिकारी सोनी ने बताया कि भट्टी से जुड़े डस्ट सेटलिंग चैंबर (डीएससी) में विस्फोट से रिसाव होने लगा। डीएससी वह जगह होती है जिसमें उच्च तापमान वाली राख पहुंचाई जाती है। इस रिसाव से गरम राख कर्मचारियों पर गिर गई जिससे छह की मौत हो गई, जबकि पांच झुलस गए। घायलों को बिलासपुर स्थित छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया। घटना की जांच के लिए उप विभागीय मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में टीम बनाई गई है। संयंत्र प्रबंधन के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है।

- पांच मजदूर घायल, घटना की जांच के लिए टीम गठित

वर्ल्ड ब्रीफ

फ्रांस की नौसना ने रूस से आ रहे तेल टैंकर को भूमध्य सागर में रोका

पेरिस। फ्रांस की नौसेना ने ब्रिटेन से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर बृहस्पतिवार को भूमध्य सागर में रूस से आ रहे एक तेल टैंकर को रोक लिया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई प्रतिबंधित रूसी गुप्त बेड़े को निशाना बनाने के उद्देश्य से की गई। भूमध्य सागर में तैनात फ्रांसीसी अधिकारियों ने कहा कि ग्रिंच नामक जहाज पर फर्जी झंडा लगाकर संचालन करने का संदेह है। बयान में कहा गया है कि फ्रांसीसी नौसेना आगे की जांच के लिए टैंकर को बंदरगाह तक ले जा रही है।

बांग्लादेश: पहले आम चुनाव के लिए शुरू हुआ प्रचार, रैलियां हुईं

ढाका। बांग्लादेश में 2024 के जन आंदोलन और लंबे समय से प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद 12 फरवरी को होने जा रहे पहले राष्ट्रीय चुनाव के लिए बृहस्पतिवार से प्रचार अभियान शुरू हो गया। प्रमुख राजनीतिक दलों ने चुनाव से पहले राजधानी ढाका समेत कई शहरों में रैलियां आयोजित कीं। बांग्लादेश के इतिहास में सबसे अहम माना जा रहा यह चुनाव अंतरिम सरकार करा रही है और इसमें मतदाता प्रस्तावित राजनीतिक सुधारों पर भी फैसला करेंगे।

नेपाल में हिंसा की जांच कर रहे आयोग का कार्यकाल बढ़ा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने बृहस्पतिवार को उस आयोग का कार्यकाल 20 दिन के लिए बढ़ा दिया जो जेन जी आंदोलन के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग की जांच कर रहा है। गृह मंत्री एवं सरकारी प्रवक्ता ओम प्रकाश आर्यल ने बताया कि मंत्रिपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। गृह मंत्रालय के अनुरोध पर दूसरी बार आयोग के कार्यकाल की समय सीमा बढ़ाई गई है, क्योंकि आयोग ने शुरू में दी गई तीन महीने की समय सीमा के बावजूद अंतिम रिपोर्ट अभी नहीं सौंपी है। आयोग का पिछला कार्यकाल बृहस्पतिवार को समाप्त हो रहा है।

भारत-अमेरिका मादक पदार्थरोधी सहयोग की क्वात्रा ने समीक्षा की

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में मादक पदार्थों के खिलाफ द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान दोनों पक्षों ने मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए प्रभावी प्रवर्तन और मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। भारतीय दूतावास इस मौके पर क्वात्रा के साथ अमेरिका के राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण नीति कार्यालय की निदेशक सारा कार्टर भी मौजूद थीं।

तकनीकी खामी से दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र बंद

टोक्यो, एजेंसी

- फुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद कुछ ही घंटे पहले हुआ था शुरू

दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र को बृहस्पतिवार को फिर से बंद कर दिया गया। यह कदम 2011 के फुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद पहली बार संचालन फिर शुरू होने के महज कुछ घंटों बाद उठाया गया। उत्तर-मध्य जापान में स्थित काशिवाजाकी-कारिवा परमाणु संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर को कंट्रोल रॉड्स में तकनीकी खामी के कारण बंद करना पड़ा।

इसके संचालक टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स के अनुसार, कंट्रोल रॉड्स रिएक्टर को सुरक्षित रूप से शुरू करने और बंद करने के लिए बेहद अहम होते हैं। तेप्को ने कहा कि इस तकनीकी खराबी से कोई सुरक्षा समस्या नहीं है और कंपनी स्थिति की जांच कर रही है। फिलहाल यह पता नहीं है कि रिएक्टर को फिर से चालू करने की प्रक्रिया कब से शुरू होगी। काशीवाजाकी-कारिवा में परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर के काम दोबारा शुरू करने पर सबकी नजरें थीं क्योंकि तेप्को वही कंपनी है जो क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र का भी देखती है। काशीवाजाकी-कारिवा परमाणु संयंत्र के सभी सात रिएक्टर मार्च 2011 में फुकुशिमा दाइची संयंत्र में भीषण भूकंप और सुनामी आने के एक साल बाद से बंद पड़े हैं।

भारत के लिए नई चुनौतियों का वर्ष

अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के पहले ही साल में डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। इस कार्यकाल में टैरिफ को तमाम देशों के खिलाफ अपना प्रमुख रणनीतिक हथियार बनाने के साथ उन पर अपनी शर्तें थोपने की कोशिश की है, जिससे लगभग पूरी दुनिया जूझ रही है। भारत के लिहाज से भी ट्रंप के फैसले और अमेरिका फर्स्ट की नीति नई चुनौतियां खड़ी करने वाली रही है और भारत को उनसे पार पाने के लिए अपनी आर्थिक और रणनीतिक नीतियों में कई बदलाव करने पड़े हैं। भारत के लिए राहत की बात बस इतनी है कि रणनीतिक सहयोग में निरंतरता जारी है। निष्कर्ष की बात करें तो भारत और अमेरिका के संबंध अब लेनदेन आधारित और यथार्थवादी हो गए हैं। ट्रंप ने दिखाया है कि ये संबंध अब भावनात्मक मित्रता के बजाय व्यावहारिकता पर आधारित रहेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप का एक साल

भारत पर 50% टैरिफ का असर

- भारत के प्रमुख निर्यात क्षेत्र कपड़ा, रत्न-आभूषण, चमड़ा और समुद्री उत्पादों जैसे श्रमकेंद्रित क्षेत्रों पर बेतहाशा मार पड़ी है, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो गई है।
- विकास दर में गिरावट, अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि उच्च टैरिफ के कारण भारत की जीडीपी विकास दर में 0.3% से 0.5% तक की गिरावट आ सकती है।
- उत्पादन में कटौती, तिरुपुर जैसे कपड़ा केंद्रों में उत्पादन में 30% तक की कमी दर्ज की गई है, क्योंकि अमेरिकी खरीदार अब सस्ते विकल्प तलाश कर रहे हैं।
- शेयर बाजार में अस्थिरता, टैरिफ नीतियों के कारण विप्रो, रिलायंस और प्रमुख बैंकों के शेयरों में गिरावट देखी गई है, जिससे निवेशकों का भरोसा डगमगाया है।

वीजा-आव्रजन नीतियों के नतीजे

- एच- 1 बी वीजा के लिए 100,000 डॉलर यानी करीब 84 लाख रुपये का एकमुश्त शुल्क प्रस्तावित, अमेरिकी कंपनियों भारतीयों को नौकरी मिलना मुश्किल।
- सितंबर 2025 में ट्रंप प्रशासन के एक आदेश के तहत 100,000 डॉलर का अतिरिक्त भुगतान न करने वाले नए एच- 1 बी आवेदकों के प्रवेश पर कड़े प्रतिबंध लागू।
- वीजा सख्ती और भविष्य में नौकरी की अनिश्चितता के कारण अमेरिकी विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों के दाखिले में लगभग 75 प्रतिशत की गिरावट आई है।
- वर्ष 2025 में अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों के निर्वासन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई, जिसमें नवंबर तक लगभग 3,250 भारतीयों को वापस भेजा गया।

- ट्रंप ने डेड इकोनॉमी व टफ नेगोशिएटर कहकर भारत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की हैं

पाकिस्तान से नजदीकियां

- ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान को 686 मिलियन डॉलर की एफ-16 डील दी है जिससे दक्षिण एशिया में सैन्य संतुलन प्रभावित होने की आशंका है।
- ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाकर भारतीय वस्तुओं पर 50% टैरिफ लागू कर दिया, लेकिन पाकिस्तानी सामान पर टैरिफ घटाकर 19% कर दिया गया।
- पाकिस्तान को ऑपरेशनल पार्टनर बनाने और गाजा शांति योजना में शामिल करने से अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी में दरार आई है।

भारत के उपाय

- बाजार विविधीकरण की नीति के तहत भारतीय निर्यातकों ने अन्य वैश्विक बाजारों की ओर रुख करना शुरू कर दिया है।
- अमेरिका के बदले रुख के जवाब में भारत ने चीन और रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने की पहल।
- जीएसटी को सरल बनाकर और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाकर उद्योगों को टैरिफ के झटकों से बचाने का प्रयास।

ट्रंप की गाजा पर बोर्ड ऑफ पीस की पहल में शामिल नहीं हुआ भारत

अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को भेजा गया था आमंत्रण

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में स्थाई शांति स्थापित करने और संभवतः वैश्विक संघर्षों का समाधान करने की दिशा में काम करने के लिए प्रस्तावित बोर्ड ऑफ पीस का बृहस्पतिवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में औपचारिक रूप से अनावरण किया। भारत इस मौके पर अनुपस्थित रहा। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई और वैश्विक नेताओं के साथ बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

भारत के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन, चीन, जर्मनी और कई और प्रमुख देश भी न्योते के बावजूद शांति बोर्ड के अनावरण समारोह में नहीं पहुंचे। ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस स्थित पहाड़ी रिसॉर्ट में आयोजित वार्षिक विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) से अलग इस समारोह की मेजबानी की। ट्रंप ने अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए इस बोर्ड को दुनिया के लिए एक बेहद अनोखी पहल बताया। उन्होंने बोर्ड के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित समारोह में कहा, यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर न सिर्फ पश्चिम एशिया बल्कि अन्य जगहों पर भी युद्धों को सुलझाने में मदद कर सकता है।' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के साथ किस प्रकार सहयोग करेगा।

दावोस में डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस का अनावरण किया।

बोर्ड में शामिल होने पर अभी कोई फैसला भी नहीं

घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों का प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप के निमंत्रण के बारे में कहना है कि भारत ने अब तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने बताया कि भारत इसके विभिन्न पहलुओं पर विचार कर रहा है क्योंकि इसमें कई संवेदनशील मुद्दे शामिल हैं। भारत फिलिस्तीन मुद्दे के लिए 'दोराष्ट्र समाधान' पर जोर दे रहा है, जिसमें इजराइल और फिलिस्तीन मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांति के साथ रहें।

- **ये देश शामिल :** बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने वाले देशों में अर्जेंटीना, अर्मेनिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, कजाकिस्तान, मोरक्को, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई), सऊदी अरब और वियतनाम शामिल हैं।
- **नहीं दिया जवाब :** जर्मनी, इटली, पैराग्वे, रूस, स्लोवेनिया, तुर्किये और यूक्रेन सहित कई देशों ने निमंत्रण के बावजूद अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है।

अमेरिका पहले ही घोषणा कर चुका है कि शांति बोर्ड गाजा के संघर्ष से शांति और विकास की ओर संक्रमण के दौरान रणनीतिक निगरानी प्रदान करने, अंतरराष्ट्रीय संसाधनों को जुटाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की ट्रंप की 20 सूत्री योजना को पूरा करने में एक आवश्यक भूमिका निभाएगा। ट्रंप की योजना में गाजा को एक आतंकवादमुक्त क्षेत्र बनाना शामिल है जो पड़ोसियों के लिए कोई खतरा पैदा न करे और इसे गाजा पट्टी के लोगों के लिए पुनर्विसित किया जाए। व्हाइट हाउस ने पिछले सप्ताह शांति बोर्ड को साकार करने के लिए संस्थापक कार्यकारी बोर्ड के गठन की घोषणा की। कार्यकारी समिति में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, पश्चिम एशिया मामलों के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, व्यवसायी और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा को शामिल किया गया है।

अटकलें: संयुक्त राष्ट्र के समानांतर संगठन खड़ा करने की कोशिश तो नहीं

ट्रंप के शांति बोर्ड को अमेरिका की ओर से गाजा और उसके बाहर शांति और स्थिरता लाने के लिए एक नए अंतरराष्ट्रीय निकाय के रूप में पेश किया जा रहा है। इस पहल से अटकलें लगाई जा रही हैं कि शांति बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के प्रतिद्वंद्वी निकाय के तौर पर उभर सकता है। मूल रूप से इस शांति बोर्ड को गाजा के पुनर्निर्माण के लिए शासन की देखरेख करने और धन के समन्वय का कार्य सौंपा जाना था, जो इजराइल की सेना की दो वर्ष तक चली कार्रवाई के दौरान तबाह हो गया है। बोर्ड के घोषणापत्र में भी कहा गया है कि यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो संघर्ष से प्रभावित या खतरे में पड़े क्षेत्रों में स्थिरता को बढ़ावा देने, विश्वसनीय और वैध शासन को बहाल करने और स्थाई शांति का प्रयास करेगा। यह भी कहा गया है कि स्थाई शांति के लिए व्यावहारिक निर्णय, सामान्य ज्ञान पर आधारित समाधान और उन दृष्टिकोणों और संस्थानों से अलग होने का साहस आवश्यक है जो अक्सर विफल रहे हैं।

बोर्ड ऑफ पीस को एक अरब डॉलर देंगे पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीस ऑफ बोर्ड एक अरब अमेरिकी डॉलर दान करने की घोषणा करते हुए कहा है कि बोर्ड में शामिल होने के बारे में फैसला वह अपने रणनीतिक साझेदारों से परामर्श के बाद ही लेंगे। पुतिन ने जोर दिया कि पूरी प्रक्रिया फिलिस्तीन-इजराइली संघर्ष के दीर्घकालिक समाधान पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाली होने के साथ संयुक्त राष्ट्र के निर्णयों के आधार पर होनी चाहिए।

संप्रभुता पर समझौता नहीं : डेनमार्क

कोपनहेगन, एजेंसी

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा है कि उनका देश अपनी संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं कर सकता। यह टिप्पणी फ्रेडरिक्सन ने तब की जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने नाटो प्रमुख मार्क रूट के साथ आर्कटिक सुरक्षा पर भविष्य के समझौते का ढांचा तय करने पर सहमति व्यक्त की है और इससे अमेरिका को जरूरत के मुताबिक ग्रीनलैंड तक सैन्य पहुंच मिल जाएगी।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण का दबाव बनाने के लिए आठ यूरोपीय देशों पर शुल्क लगाने की धमकी को बुधवार को वापस ले लिया। ग्रीनलैंड नाटो सहयोगी डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। इससे कुछ समय पहले ट्रंप ने कहा था कि वह द्वीप को पूरे अधिकार, स्वामित्व और कब्जे सहित प्राप्त करना चाहते हैं। संभावित करार को लेकर बृहस्पतिवार को भी स्थिति बहुत अस्पष्ट रही। हालांकि ट्रंप ने

- प्रधानमंत्री मेटा फ्रेडरिक्शन ने ट्रंप को फिर दिया दो टूक जवाब
- ट्रंप ने किया था नाटो प्रमुख के साथ समझौते का दावा

फॉक्स बिजनेस को दिए साक्षात्कार में कहा कि हमें ग्रीनलैंड तक वह सारी सैन्य पहुंच मिलेगी जो हम चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि यदि समझौता पूरा हो जाता है, तो अमेरिका को ग्रीनलैंड में अपनी मिसाइल रक्षा प्रणाली गोल्डन डोम को स्थापित करने की अनुमति मिल जाएगी।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्कटिक में सुरक्षा नाटो के सभी सदस्यों का मामला है और अमेरिकी राष्ट्रपति और रुट के बीच इस पर चर्चा होना स्वाभाविक और उचित है। फ्रेडरिक्सन ने एक बयान में कहा कि उन्होंने रुट से लगातार बातचीत की है, जिसमें दावोस में ट्रंप से मुलाकात से पहले और बाद की बातचीत भी शामिल है। उन्होंने लिखा कि नाटो डेनमार्क साम्राज्य की इस स्थिति से पूरी तरह अवगत है कि सुरक्षा, निवेश और आर्थिक मुद्दों सहित किसी भी राजनीतिक मुद्दे पर बातचीत की जा सकती है लेकिन हम अपनी संप्रभुता पर बातचीत नहीं कर सकते।

सिर्फ डेनमार्क और ग्रीनलैंड लेंगे फैसला

नाटो प्रमुख मार्क रुट के साथ ट्रंप की वार्ता पर टिप्पणी करते हुए डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने कहा कि डेनमार्क और ग्रीनलैंड से संबंधित मुद्दों पर निर्णय केवल डेनमार्क और ग्रीनलैंड ही ले सकते हैं। फ्रेडरिक्सन ने कहा कि डेनमार्क आर्कटिक में सुरक्षा को मजबूत करने के तरीकों पर सहयोगियों के साथ रचनात्मक संवाद जारी रखना चाहता है, जिसमें अमेरिकी गोल्डन डोम कार्यक्रम भी शामिल है, बशर्ते कि यह हमारी क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए किया जाए। डेनमार्क ने कहा है कि अमेरिका की पहले ही ग्रीनलैंड में सैन्य उपस्थिति है और वह अपने सैन्य अड्डों का विस्तार कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में फिर अंधाधुंध गोलीबारी, तीन की मौत के बाद पूरे शहर में लॉकडाउन

सिडनी, एजेंसी

- हमलावर फरार, पुलिस ने लोगों को दी घरों में रहने की हिदायत

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य में गुरुवार शाम अंधाधुंध गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सिडनी से लगभग 611 किमी पश्चिम में स्थित कस्बे लेक कारजेलिगो में हुई इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। हमलावर का पता न लगने के कारण सुरक्षा कारणों से कस्बे में 'लॉकडाउन' जैसी स्थिति है। लोगों को सख्ती से घरों के भीतर रहने की हिदायत दी गई है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस के अनुसार घटना दोपहर शुरू हुई, जब वाकर स्ट्रीट के पास गोलियां चलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को एक वाहन के भीतर एक पुरुष और महिला के शव मिले। इसके कुछ ही देर बाद, एक अन्य स्थान पर हुई दूसरी गोलीबारी में एक और महिला की मौत हो गई, एक पुरुष गंभीर घायल पाया गया। घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने हमलावर की पहचान कर ली है और उसे पकड़ने के लिए सिडनी से विशेष 'टैक्टिकल ऑपरेशंस यूनिट' के कमांडो विमान से मौके पर भेजे गए

अल्बनीज ने बोंडी बीच हमले पर माफी मांगी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने बोंडी बीच पर दिसंबर में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों की सुरक्षा नहीं कर पाने के लिए माफी मांगी है। अल्बनीज ने हमले के 15 पीड़ितों के लिए सिडनी ओपेरा हाउस में एक स्मारक सेवा को संबोधित करते हुए 14 दिसंबर को प्रतिष्ठित बीच पर हनुक्का कार्यक्रम को निशाना बनाकर की गई सामूहिक गोलीबारी के जवाब में यहूदी ऑस्ट्रेलियाई समुदाय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मुझे दुख है कि हम आपके प्रियजनों को नहीं बचा सके।

सिंगापुर में ट्री लेडी के नाम से मशहूर कीर्तिदा का निधन

सिंगापुर। कर्नाटक से आकर सिंगापुर में पर्यावरण के क्षेत्र में जाना पहचाना नाम बनी कीर्तिदा मेकानी का 66 वर्ष की उम्र में हृदयाघात से निधन हो गया। प्यार से 'ट्री लेडी' कहलाने वाली कीर्तिदा मेकानी के अचानक निधन से सिंगापुर के पर्यावरण, कला और नागरिक समुदायों को झटका लगा है।

सिंगापुर के ऑनलाइन टैब्लॉइड 'टब्ला' के अनुसार, पर्यावरण की दिशा में कार्य करने के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित और 2024 में 'सिंगापुर विमेंस हॉल ऑफ फ़ेम' में शामिल कीर्तिदा मेकानी की विरासत

इस द्वीप के हरित क्षेत्रों, उद्यानों, शैक्षिक संस्थानों और सांस्कृतिक स्थलों में बसी हुई है। जब वह 1990 में अपने पति भरत मेकानी के साथ सिंगापुर आईं, तो उन्हें चांगी हवाई अड्डे से शहर तक के रास्ते में सड़क किनारे की हरियाली ने प्रभावित किया। मेकानी 1993 में 'सिंगापुर एनवायरनमेंट काउंसिल' की संस्थापक कार्यकारी निदेशक बनीं।

भारत ने यूएन में की अफ्रीका-एशिया प्रशांत की पैरवी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समयबद्ध सुधारों को लागू करने में हो रही देरी के प्रति आगाह करते हुए सुझाव दिया है कि अफ्रीका एवं एशिया प्रशांत को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के लिए स्थाई तथा अस्थाई सीटों की संख्या बढ़ाकर 15 से 25 की जानी चाहिए । संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने बुधवार को जी-4 (भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान) की ओर से बयान देते हुए कहा कि सुरक्षा परिषद में उन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना चाहिए जिनका प्रतिनिधित्व नहीं है या बहुत कम है।

- पर्याप्त प्रतिनिधित्व के लिए सुरक्षा परिषद में 15 से बढ़ाकर 25 सदस्य करने की मांग

हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद में छह नए स्थाई सदस्य होने चाहिए, दो अफ्रीकी क्षेत्र, दो एशिया प्रशांत, एक लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों के समूह (ग्रुलैक) और एक पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों के समूह (विओग) से। साथ ही चार या पांच अतिरिक्त अस्थाई सदस्य होने चाहिए, एक या दो अफ्रीका, एक एशिया प्रशांत, और एक-एक ग्रुलैक और पूर्वी यूरोपीय समूह (ईईजी) से। गौरतलब है कि ग्रुलैक 33 मध्य अमेरिकी और कैरिबियाई देशों का एक क्षेत्रीय समूह है, जो मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के भीतर मानवाधिकार, पर्यावरण और सतत विकास जैसे वैश्विक मुद्दों पर आम सहमति और संवाद के लिए काम करता है। विओग 28 पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों का समूह है। इस समूह में अधिकांश पश्चिमी यूरोप के देश हैं, लेकिन उत्तरी अमेरिका, पूर्वी भूमध्यसागर और ओशिनिया के देश भी शामिल हैं।

अभूतपूर्व दौर से गुजर रही है पूरी दुनिया

भारतीय राजदूत कहा कि दुनिया अभूतपूर्व दौर से गुजर रही है। लगभग हर दिन अलग-अलग तरह की चुनौतियां उभर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र जैसी सार्वभौमिक बहुपक्षीय संगठन भी इसका अपवाद नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि संगठन की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। दुनिया भर में भीषण संघर्षों को सार्थक रूप से संबोधित करने में संयुक्त राष्ट्र की सीमाएं इस स्थिति का एक प्रमुख कारण हैं, हालांकि यह बहुत व्यापक शक्ति समीकरणों का हिस्सा है। हरीश ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने के मामले में संयुक्त राष्ट्र की कमियां स्वाभाविक रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रभावशीलता की कमी से जुड़ी हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 24 जनवरी 01.46 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

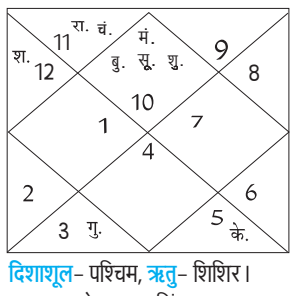

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-पूर्व भाद्रपद 14.33 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज मन किसी पुरानी बुरी घटना को लेकर अशांत हो सकता है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। ऑनलाइन कारोबार में नुकसान हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अपमानित होना पड़ सकता है।

वृष — आज सिनेमा में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। बच्चों के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आप सभी काम बेहतरीन तरीके से कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन — आज नौकरीपेशा लोग अतिरिक्त आय के लिए कुछ नए स्रोत खोज सकते हैं। आप कुछ नया और रचनात्मक कार्य करने को प्रेरित होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों को आज पार्टी दे सकते हैं। प्रेमीजन के साथ एकांत में समय बिता सकते हैं।

कर्क — आज उच्च अधिकारी आपकी पदोन्नति की घोषणा कर सकते हैं। धीमे चल रहे निर्माण कार्यों में गति आएगी। जॉब में आपके काम की प्रशंसा होगी। यदि किसी मीटिंग के लिए जा रहे हैं, तो परिणाम आपके पक्ष में हो सकते हैं।

सिंह — आज आपको नया काम भी शुरू करने से बचना चाहिए। आपको मेहनत का उचित परिणाम नहीं मिलेगा। कार्यक्षेत्र में लोग आपका उपहास करने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपको इन सब पर ध्यान न देते हुए केवल काम पर ध्यान देना है।

कन्या — आज का दिन उच्च पदस्थ लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर अत्यंत एकाग्र रहेंगे। कारोबारी यात्रा करनी पड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ किसी नई परियोजना को लेकर चर्चा कर सकते हैं।

तुला — आज आप आराम करना पसंद करेंगे। मन में किसी अप्रिय खबर की आशंका रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति आपको सावधान रहना चाहिए। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ मीठी नोक-झोंक हो सकती है। पेटदर्द की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपकी व्यस्तता बढ़ने वाली है। दूसरों पर अपने काम को लेकर अधिक निर्भर न रहें। इसके बावजूद आप दूसरों की सहायता को तत्पर रहेंगे, लेकिन अपनी क्षमता से अधिक किसी की सहायता न करें।

धनु — आज का दिन कुछ अजीबोगरीब रहने वाला है। राजनीति और परनिंदा आदि से दूर रहें। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। आपके विरोधी मित्रता दिखाने का प्रयास करेंगे, किंतु कोई अपना व्यक्ति छल-कपट का व्यवहार करने का प्रयास करेगा।

मकर — आज नकारात्मक विचारों को अपने ऊपर हावी न होने दें। अनुभवी व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। आप जितनी मेहनत करेंगे उतना ही आपको अच्छा परिणाम मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपसे अत्यंत प्रभावित रहेंगे।

कुंभ — आज साझेदारी से जुड़े हुए कार्यों में उत्तम सफलता मिलेगी, लेकिन आपको पारदर्शिता अवश्य रखनी पड़ेगी। जीवनसाथी के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। घर में कुछ पार्टी जैसा माहौल रहेगा। लोग आपको अत्यधिक सम्मान देंगे।

मीन — आज व्यापारिक संबंधों का अच्छा लाभ उठाएंगे। आय के स्रोत काफी अच्छे रहेंगे। धार्मिक कार्यों में आपका मन लगा रहेगा। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को किसी बड़े प्रोग्राम में जुड़ने का अवसर मिलेगा।

सुडोकू-40

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

							2	
4		3		6	1		8	
5		7	8	2				9
		9			5		1	
	5		3		8		7	
	8		4			5		
8				5	2	1		3
	6		7	3		4		8
	3							

सुडोकू - 39 का हल

5	3	2	4	8	6	1	7	9
7	8	9	1	2	5	3	4	6
6	1	4	9	3	7	8	5	2
8	9	3	6	4	2	5	1	7
4	6	5	7	1	8	9	2	3
1	2	7	3	5	9	4	6	8
9	5	8	2	6	4	7	3	1
2	7	1	5	9	3	6	8	4
3	4	6	8	7	1	2	9	5

विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो भारत भी कमाल करेगा। वह दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज हैं और शानदार फॉर्म में हैं। उनका आत्मविश्वास का स्तर शिखर पर है।
-रवि शास्त्री

स्टेडियम

कानपुर नगर, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

स्थिति सामान्य होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने इस प्रचलित धारणा को खारिज कर दिया है कि टीम चयन में उनके पास असीमित अधिकार हैं और कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा उनकी भूमिका को प्रधानमंत्री के बाद सबसे मुश्किल काम बताने के बाद खुद को अपने ही लोगों के खिलाफ खड़ा किए जाने पर उन्होंने हैरानी जताई है। क्रिकेट के शौकीन थरूर ने नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच से पहले गंभीर के साथ एक सेल्फी साझा की और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज की लगातार आलोचनाओं के बावजूद अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उनकी प्रशंसा व्यक्त की। गंभीर ने कहा जब मामला शांत हो जाएगा तब कोच के कथित 'असीमित अधिकार' को लेकर सच्चाई स्पष्ट हो जाएंगे।

डी गुकेश ने वान गुयेन को हराया

विक आन जी (नीदरलैंड्स)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने लगातार चार ड्रॉ मुकाबलों के बाद टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन को हराकर पहली जीत दर्ज की जबकि अर्जुन एरिगैसी को स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव के हाथों चौंकाने वाली हार झेलनी पड़ी। एरिगैसी ने इस हार के कारण अपनी संयुक्त बढ़त गंवा दी।

सचिन तेंदुलकर ने साइना की तारीफ की

नई दिल्ली। महान क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने पूर्व विश्व नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की तारीफ करते हुए कहा कि आपका करियर इस बात का प्रमाण है कि महानता समय के साथ बनती है और उसकी विरासत केवल पदकों तक सीमित नहीं है। साइना ने पिछले दो साल से घुटने की चोट से परेशान रहने के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में प्रतिस्पर्धी बैडमिंटन से संन्यास की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि उनका शरीर अब उच्च स्तरीय खेल की जरूरतों को सहन नहीं कर सकता।

फिनिशर की भूमिका में खरे उतरे टीम से अंदर-बाहर होने वाले रिंकू

रायपुर, एजेंसी

रिंकू सिंह को भले ही भारतीय टीम की तरफ से खेलने के बहुत कम मौके मिल रहे हों लेकिन जब भी उन्हें अवसर मिलता है तब उन्होंने डेथ ओवरों में अपना खास प्रभाव छोड़ा जिसकी एक बानगी नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के दौरान देखने को मिली। सितंबर में एशिया कप में एकमात्र गेंद पर चौका लगाकर जीत दिलाने के बाद रिंकू ऑस्ट्रेलिया में टी20 श्रृंखला के अधिकतर मैचों में बेंच पर ही बैठे रहे। जिस एकमात्र मैच में उन्हें अंतिम एकादश में जगह मिली उसमें उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से पहले रिंकू ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच आठ नवंबर को ब्रिस्बेन में खेला था। नागपुर में उन्होंने हालांकि केवल 20 गेंदों पर 44 रन बनाकर मैच का रुख बदलने वाली पारी खेली। कामचलाऊ गेंदबाज डैरिल मिचेल के पारी 20वें ओवर में उन्होंने दो छक्के और एक चौका लगाया जिससे भारत सात विकेट पर 238 रन बनाने में सफल रहा। इससे पहले शुभमन गिल के शीर्ष क्रम में होने से रिंकू के लिए अंतिम एकादश में जगह बनाना मुश्किल हो गया था। अब गिल के टीम से बाहर होने के बाद रिंकू को अंतिम एकादश में जगह मिली।

इससे टीम प्रबंधन विकेटकीपर संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में अधिक समय दे सकता है, क्योंकि निचले क्रम में रिंकू और हार्दिक पंड्या जैसे अच्छे फिनिशर मौजूद हैं। रिंकू की सबसे उल्लेखनीय क्षमता यह है कि वह खासकर तेज गेंदबाजों के खिलाफ पहली ही गेंद से लय हासिल कर लेते हैं। पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने रिंकू को विश्व कप की टीम में शामिल करने के बारे में अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम सभी हार्दिक की फिनिशर के रूप में असाधारण क्षमता से अवगत हैं। अब जब संजू सैमसन शीर्ष क्रम पर जमे हुए हैं और ईशान किशन विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में वापस आ गए हैं, तो क्या बचा है। उन्होंने कहा आखिरी ओवरों में हार्दिक के साथ एक फिनिशर की जरूरत होती है। रिंकू से बेहतर यह कौन कर सकता है जितेश शर्मा स्पिनरों के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी करते हैं, लेकिन तेज गेंदबाजी और पारी के आखिर में रिंकू के आंकड़े और रिकॉर्ड शानदार हैं। इसलिए टीम ने उन्हें मौका दिया। रिंकू ने बुधवार को भी हमेशा की तरह शांत और सहजता से बल्लेबाजी की। रिंकू ने कहा, टीम में मैं अंदर बाहर होता रहा हूं और इसलिए मुझ पर दबाव था। मेरी रणनीति एक या दो रन लेना और बीच-बीच में बाउंड्री लगाना था। इसके अलावा मैं आखिर तक टिके रहना चाहता था और मैंने वही किया। यहां तक कि जब अर्शदीप सिंह ने अंतिम ओवर से पहले वाले ओवर में तीन डॉट बॉल खेलीं, तब भी रिंकू ने दूसरे छोर पर निराशा नहीं दिखाई। वह जानते थे कि वह इसकी भरपाई अंतिम ओवर में कर सकते हैं। अगले महीने होने वाले विश्व कप में रिंकू का फिनिशर का कौशल भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा।

चौंकाने वाले हैं आंकड़े

रिंकू के 19वें और 20वें ओवर में आंकड़े चौंका देने वाले हैं। रिंकू ने 36 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 19वें और 20वें ओवर में 74 गेंदों पर 213 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 287 .83 रहा है। उन्होंने मैच के इस निर्णायक मोड़ पर 22 छक्के जड़े हैं। एक फिनिशर के रूप में उनकी दक्षता को देखते हुए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके करियर के 35 प्रतिशत से अधिक रन पारी के अंतिम दो ओवरों में आए हैं।

विजय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय टी-20 टीम

सैमसन और किशन पर रहेगी नजर, मुकाबला शाम 7 बजे से

रायपुर, एजेंसी

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साह से भरी भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए मैदान पर उतरेगी, जिसमें शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन की भूमिका पर निगाह टिकी रहेगी।

वनडे श्रृंखला में हारने के बाद भारत ने नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 48 रनों से शानदार जीत हासिल की थी, लेकिन उस मैच में सैमसन और किशन बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा पाए थे। सैमसन हाल में अंतिम एकादश से अंदर बाहर होते रहे हैं लेकिन अब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें निश्चित रूप से लंबा मौका मिलेगा। श्रृंखला के पहले मैच में आसानी से अपना विकेट गंवाने वाले सैमसन अपने विभिन्न तरह के शॉट का शानदार नमूना पेश करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जिनके दम पर उन्होंने सबसे छोटे प्रारूप में तीन शतक बनाए हैं।

एक और बल्लेबाज जिसे टीम प्रबंधन के भरोसे को सही साबित करने की जरूरत है, वह है किशन, जिन्हें विश्व कप के लिए टीम में शामिल किया गया है और नागपुर में पहले मैच में श्रेयस अय्यर पर उन्हें प्राथमिकता दी गई थी। कवर पर कैच आउट होने से पहले बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी संक्षिप्त पारी में अच्छा प्रदर्शन किया। भारत के अधिकतर खिलाड़ी शुरू में ही हर गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाने की कोशिश में पूरी ताकत से बल्लेबाजी करते हैं। किशन भी इसी निडर रवैये को जारी रखेंगे और उम्मीद कर सकते हैं कि इसका उन्हें फायदा मिले। आईसीसी टूर्नामेंट से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म पर सबकी नजरें टिकी हुई थीं और भले ही वह कोई बड़ा योगदान नहीं दे सके, लेकिन 22 गेंदों में बनाए गए 32 रन ने उनके आत्मविश्वास को कुछ हद तक जरूर बढ़ाया होगा। पहले टी20 में मिली जीत से व्यक्तिगत तौर पर सुधार के कई क्षेत्र सामने आए, इसके बावजूद टीम के प्रदर्शन ने विश्व कप से पहले अपने प्रतिद्वंद्वियों को खतरनाक संकेत दिए हैं, जहां भारत मौजूदा चैंपियन के रूप में उतर रहा है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

मैं अनावश्यक परेशान नहीं होना चाहता : अर्शदीप

नागपुर। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ऐसी किसी परिस्थिति में भी सकारात्मक पक्ष ढूंढ लेते हैं जो उनके अनुकूल नहीं हो और यही वजह है कि वह हर तरह की परिस्थितियों में खेल का पूरा आनंद लेते हैं।

गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से भारतीय टीम में लगातार अंदर-बाहर होते रहे इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज से पूछा गया कि क्या टीम में लगातार होने वाले बदलावों ने उन्हें प्रभावित किया है। अर्शदीप ने मुस्कुराते हुए कहा, जैसे मैं टीम से अंदर-बाहर होता हूं, उसका अपना फायदा भी है। मेरी गेंद भी अंदर-बाहर जाती है। इसलिए मैं इसका आनंद ले रहा हूं। अर्शदीप ने इस तरह से सबको याद दिलाया कि चयन न होने से गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने की उनकी क्षमता पर जरा भी असर नहीं पड़ा है। अर्शदीप ने 73 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 111 विकेट लिए हैं और वह अभी भी सबसे छोटे प्रारूप में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्हें हाल के महीनों में टीम संयोजन के लिए अक्सर नजरअंदाज किया गया है। भारत ने 2025 में 21 टी20 मैच खेले जिनमें से अर्शदीप केवल 13 मैच में ही खेल पाए। इस प्रारूप में प्रभावशाली रिकॉर्ड होने के बावजूद एशिया कप के अधिकतर मैचों में जगह नहीं दी गई।

आईसीसी से अब भी न्याय की उम्मीद : बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के साथ बैठक के बाद घोषणा की कि आईसीसी का रुख उन्हें स्वीकार्य नहीं है। आईसीसी ने इस मामले में क्रिकेट स्कॉटलैंड को कोई सूचना दी है या नहीं, यह अब तक स्पष्ट नहीं है क्योंकि उसकी सीईओ टूडी लिंडब्लैड ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

क्रिकेट स्कॉटलैंड के संचार प्रमुख चार्ल्स पैटरसन ने पीटीआई के सवाल के जवाब में कहा हम इस स्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। यदि परिस्थितियों में कोई बदलाव होता है तो हम अपनी वेबसाइट पर एक आधिकारिक मीडिया विज्ञप्ति जारी करेंगे। नजरुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा और स्पष्ट किया कि देश भारत में मैच नहीं खेलेगा। उन्होंने कहा हालांकि हमारे क्रिकेटरों ने विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए कड़ी मेहनत की है लेकिन भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा का खतरा अब भी बना हुआ है। यह चिंता किसी काल्पनिक विश्लेषण पर आधारित नहीं है। उन्होंने कहा हम इस बात से आश्वस्त नहीं हैं कि वे हमारी पूरी टीम, पत्रकारों और दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने कहा हमने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। हमारी टीम तैयार है। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमारे वास्तविक सुरक्षा जोखिमों पर विचार करके हमें श्रीलंका में खेलने की इजाजत देकर न्याय करेगा। बांग्लादेश को भारत में चार मैच (तीन कोलकाता में और एक मुंबई में) खेलने हैं। नजरुल ने कहा टूर्नामेंट में नहीं खेलने से होने वाले नुकसान को खिलाड़ियों, दर्शकों और पत्रकारों को एक जोखिम भरी क्षेत्रीय राजनीतिक स्थिति में धकेलने से होने वाली संभावित आपदा के साथ तुलनात्मक देखना बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत में खिलाड़ियों को खतरा नहीं : आईसीसी

आईसीसी ने बुधवार को बांग्लादेश की सुरक्षा चिंताओं को खारिज करते हुए कहा किसी भी स्वतंत्र सुरक्षा निष्कर्ष के अभाव में आईसीसी के लिए मैचों का स्थल बदलना संभव नहीं है। ऐसा करने से दुनिया भर की अन्य टीमों और प्रशंसकों के लिए गंभीर समस्याएं और दूरगामी मिसाल कायम करने वाली चुनौतियां पैदा होंगी। इससे आईसीसी के संचालन की निष्पक्षता, तटस्थता और अखंडता को खतरा पैदा होगा। भारत में उनके खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था।

जीत का जश्न मनातीं गुजरात जाएंट्स की खिलाड़ीं। एजेंसी

गुजरात जाएंट्स ने वॉरियर्स को 45 रनों से हराया

वडोदरा, एजेंसी

सोफी डिवाइन के हरफनमौला खेल से गुजरात जाएंट्स ने महिला प्रीमियर लीग टी20 मुकाबले में बृहस्पतिवार को यहां यूपी वॉरियर्स को 45 रन से शिकस्त देकर लगातार तीन हार के बाद जीत का स्वाद चखा। डिवाइन ने नाबाद 50 रन की संयमित पारी खेलने के बाद गेंदबाजी में भी कमाल करते हुए 16 रन देकर दो विकेट चटकाए। गुजरात जाएंट्स ने आठ विकेट पर 153 रन बनाने के बाद यूपी वॉरियर्स को 108 रन पर आउट कर दिया। इस जीत के बाद गुजरात छह अंक के साथ तालिका में दूसरे जबकि यूपी वॉरियर्स चार अंक के साथ पांचवें और आखिरी पायदान पर है। गुजरात के लिए राजेश्वरी गायकवाड़ ने भी 16 रन देकर तीन विकेट झटक कर टीम में अपनी वापसी को यादगार बनाया। रेणुका सिंह ने भी दो सफलता हासिल की।

यूपी वॉरियर्स के लिए फोबे लिचफील्ड ने 32 और क्लो ट्रायोन ने नाबाद 30 रन का योगदान दिया। इससे पहले डिवाइन ने पिछले तीन मैचों की लचर प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 42 गेंद की नाबाद पारी में तीन छक्के और दो चौके लगाए।

न्यूजीलैंड की यह अनुभवी खिलाड़ी पारी की शुरुआत में रन आउट होने से बचीं और बाद में 35 रन पर नो-बॉल पर उनका कैच भी छूटा। उन्होंने इसका पूरा लाभ उठाते हुए अंतिम ओवर में शिखा पांडे की गेंदों पर दो छक्के जड़कर जायंट्स को 150 रन के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वॉरियर्स को पहले ओवर में ही किरण नवगिरे के निराशाजनक तरीके से आउट से बड़ा झटका लगा।

रेणुका सिंह की गेंद विकेटकीपर बेथ मूनी के पैड से लगकर विकेटों से टकरा गयी और वह खाता खोले बगैर स्टंप करार दी गयी। शानदार लय में चल रही फोबे लिचफील्ड ने क्रीज पर आते ही चौके से खाता खोला दूसरे छोर से मैग लैनिंग ने काश्वी गौतम की गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराये। काश्वी ने पांचवें ओवर में हालांकि दो चौके खाने के बाद लैनिंग को बोल्ड कर 10 गेंद में 14 रन की पारी को खत्म किया। लिचफील्ड ने डिवाइन की गेंद पर चौके के साथ पावर प्ले को खत्म किया। इस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 46 रन था। आठवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आयी गार्डनर की गेंद को लिचफील्ड रिवर्स स्वीप करते हुए रेणुका को कैच दे बैठी।

महिला प्रीमियर लीग

ऑस्ट्रेलियाई ओपन | दो बार के मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर भी आगे बढ़ने में रहे सफल

जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 399वीं जीत से तीसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में जगह बनाई जबकि महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज़ भी आगे बढ़ने में सफल रही।

जोकोविच ने वर्तमान टूर्नामेंट में पहली बार अपनी सर्विस गंवाई लेकिन इसके बाद उन्होंने कोई चूक नहीं दिखाई और दूसरे दौर के मैच में फ्रांसेस्को मैस्ट्रेली को 6-3, 6-2, 6-2 से पराजित किया। यह ग्रैंड स्लैम एकल मैच में जोकोविच की 399वीं जीत है। इस तरह से रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता को 400 जीत तक पहुंचने वाला पहला खिलाड़ी बनने के लिए अब केवल एक और जीत की जरूरत है। जोकोविच ने तीसरे सेट के छठे गेम में सर्विस गंवाई लेकिन अगले गेम में उन्होंने मैस्ट्रेली की सर्विस तोड़कर 5-2 की बढ़त बना ली। बाद में जोकोविच ने लगातार आठ अंक जीतकर मैच अपने नाम किया। वह मेलबर्न पार्क में अपना 11वां और कुल मिलाकर 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में हैं।

कल तक मैं उसके बारे में ज्यादा नहीं जानता था। उसकी सर्विस दमदार है। उसका खेल भी शानदार है। उसे बड़े मंच पर खेलने का अनुभव भले ही कम हो, लेकिन उसमें बड़े शॉट लगाने की क्षमता है।
-नोवाक जोकोविच

तीसरे दौर में जोकोविच का सामना बोटिक वैन डे ज़ैंड्सचल्प से होगा, जिन्होंने शांग जुनचेंग को 7-6 (6), 6-2, 6-3 से हराया। यानिक सिनर ने जेम्स डकवर्थ को रोड लेवर एरीना में 6-1, 6-4, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार लगातार जीत का अभियान जारी रखा।

इगा स्वियातेक ने बोजकोवा को आसानी से हराया

महिला वर्ग में शुरुआती दो दौर में अपनी फैशन से सुर्खियां बटोरने वाली नाओमी ओसाका को सोराना सिस्तेआ से कड़ी टक्कर मिली। उन्होंने हालांकि दूसरा सेट गंवाने के बाद अच्छी वापसी करते हुए 6-3, 4-6, 6-2 से जीत दर्ज की। इगा स्वियातेक ने मैरी बोजकोवा को 6-2, 6-3 से हराया। मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज़ को दूसरे सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन आखिर में उन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी एशलीन क्रूगर को 6-1, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। पहले सेट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद नौवीं वरीयता प्राप्त कीज़ दूसरे सेट में 5-2 से पिछड़ गईं, लेकिन जॉन केन एरिना में उन्होंने जोरदार वापसी करने का शानदार नमूना पेश किया और लगातार पांच अंक हासिल करके जीत दर्ज की। कीज़ ने कहा मुझे लगता है कि मैंने बहुत अच्छी शुरुआत की और एशलिन ने थोड़ी धीमी शुरुआत की। मुझे पूरी उम्मीद थी कि वह अपने खेल का स्तर बढ़ाएगी और उसने ऐसा किया भी लेकिन मैंने वापसी के लिए अपनी तरफ से पुरजोर कोशिश जारी रखी और आखिर में उसमें सफल रही। कीज़ का अगला मुकाबला कैरोलिना प्लिस्कोवा से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया की जेनिस ट्जेन को 6-4, 6-4 से हराया। रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज अमांडा अनिसिमोवा ने युगल चैंपियन कैटरीना सिनियाकोवा को 6-1, 6-4 से हराया और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने अपनी युगल साथी मैककार्टनी केसलर को 6-0, 6-2 से मात दी। पिछले दो प्रमुख टूर्नामेंटों में उपविजेता रहीं अनिसिमोवा का अगला मुकाबला साथी अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स से होगा। पेगुला के सामने ओक्साना सेलेखमेतेवा की चुनौती होगी। ओक्साना ने 2025 की सेमीफाइनलिस्ट पाउला बडोसा को 6-4, 6-4 से हराकर उलटफेर किया।

इगा स्वियातेक।

श्रीराम बालाजी दूसरे राउंड में, भांबरी का अभियान समाप्त

मेलबर्न। ओलंपियन एन श्रीराम बालाजी गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट में पुरुषों के युगल मुकाबले के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं, जबकि हार के साथ युकी भांबरी का मिश्रित युगल में अभियान समाप्त हो गया।

आज यहां खेले गये मुकाबले में बालाजी और उनके ऑस्ट्रियाई जोड़ीदार नील ओबरलीटनेर ने फ्रांस के पियरे-ह्यूग्स हर्बर्ट और ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई।

बालाजी-ओबरलीटनेर की जोड़ी ने दो घंटे और 43 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7(7)-6(4), 3-6, 7(10)-6(8) से जीत दर्ज की। पिछले हफ्ते बैंकॉक में नॉनथबुरी चैलेंजर द्वितीय जीतने के बाद, बालाजी और ओबरलीटनेर ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली।